» वर्ष 73 » अंक 213 » पृष्ठ 12
रीवा, शनिवार 02 मई, 2026
» ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष 01, विक्रम संवत् 2083
» नगर » मूल्य 5 रुपए

दैनिक जागरण

www.dainikjagranmpcg.com

मनुष्यता का अर्थ केवल अपने लिए जीना नहीं है, बल्कि प्रकृति के प्रत्येक जीव के लिए जीवन संभव बनाना है।
- अज्ञात

बरगी क्रूज हादसा: पायलट समेत 3 बर्खास्त, 1 सस्पेंड, अब तक 9 शव मिले, जांच समिति का गठन

अब प्रदेश के जलाशयों में नहीं चलेंगे क्रूज

जागरण, जबलपुर। नर्मदा के बरगी बांध में जिम्मेदारों की लापरवाही से क्रूज डूबने से मृत पर्यटकों की संख्या बढ़कर नौ हो गई है। तीन बच्चों सहित चार की तलाश 24 घंटे बाद भी जारी है। डैम के अंदर-बाहर चप्पा-चप्पा छान लेने के बाद भी चार लोगों को पता नहीं चल सका है। मृतकों में एक बच्चा है। तीन बच्चे अभी लापता हैं। इन तीन बच्चों में 5 वर्षीय तमिल और उसके पिता कामराज निवासी खमरिया जबलपुर का भी अब तक कोई नहीं चल सका है। जबकि 28 लोगों को घटना के बाद से सुबह तक सुरक्षित बाहर निकाला जा चुका है।

इस बीच, राज्य सरकार ने मध्यप्रदेश के किसी भी जलाशय में क्रूज संचालन पर रोक लगा दी है। एडवेंचर टूरिज्म के लिए जल्द ही एसओपी बनाई जाएगी। सरकार ने घटना की जांच के लिए उच्च स्तरीय जांच समिति बनाई गई है, जिसमें होमगार्ड एवं नागारिक सुरक्षा के महानिदेशक, सचिव मध्यप्रदेश शासन और जबलपुर संभाग के आयुक्त शामिल होंगे। शासन-प्रशासन ने सख्ती दिखाते हुए क्रूज पायलट महेश पटेल, हेल्पर छोटेलाल गोंड और टिकट काउंटर प्रभारी बृजेंद्र की सेवाएं तत्काल प्रभाव से समाप्त कर दी हैं। इनके अलावा होटल मैकल रिसॉर्ट और बोट क्लब बरगी के मैनेजर सुनील मरावी को कार्य में लापरवाही के आरोप में निलंबित कर दिया गया है। पर्यटन विभाग के रीजनल मैनेजर संजय मल्होत्रा को मुख्यालय अटैच कर उनके खिलाफ विभागीय जांच शुरू कर दी गई है।

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने घटना स्थल का जायजा लेने के बाद पूरे मामले की जांच समिति को सौंपते हुए जल्द रिपोर्ट मांगी है। मुख्यमंत्री शुक्रवार को दोपहर बाद जबलपुर के बरगी बांध पहुंचे थे, जहां उन्होंने ■ शेष पृष्ठ 7 पर

मौत भी मां के आंचल से नहीं छुड़ा सकी उसका लाल

इस क्रूज हादसे का क्रूरतम चेहरा शुक्रवार को सामने आया, जब एक मां-बेटे के शव ऊपर उतराते दिखे। लाइफ जैकेट पहने मां अंतिम सांस तक अपने लाल को मौत से बचाती रही। छाती से चिपकाकर उसे दोनों हाथों से जमकर जकड़ी रही और फिर ऐसे ही दोनों दुनिया से विदा हो गए। ममता की इस तस्वीर को देख घाट पर मौजूद हर आंख छलक उठी। यह मां-बेटा परिवार सहित दिल्ली से आए थे। महिला मरीन मैसी के पति प्रदीप, बेटी सिया और महिला के पिता तो किसी तरह बचकर गुरुवार शाम किनारे पर आ गए थे। बेटी सिया को उम्मीद थी कि मां लाइफ जैकेट पहने हैं और 4 वर्षीय भाई त्रिशान को हाथों से जकड़े थी। दोनों सकुशल बाहर आ जाएंगे, लेकिन शुक्रवार सुबह उसकी आधी बात ही सही निकलीं।

तीन बिंदुओं पर होगी जांच

- दुर्घटना के कारणों की शुरुआत से जांच करना
- परिस्थितियों की जांच करना
- घटना के समय प्रोटोकॉल के पालन की जांच करना।

मुख्यमंत्री ने पीड़ित परिवारों के लिए की 4-4 लाख रुपए की सहायता की घोषणा

विशेष संवाददाता, भोपाल। घटनास्थल का दौरा करने के बाद सीएम ने पीड़ित परिजनों और रेस्क्यू टीम के सदस्यों से भी मुलाकात की। सीएम ने कहा कि दुर्घटना में रेस्क्यू टीम के जिन सदस्यों ने लोगों को पानी से बाहर निकाला, उनका 15 अगस्त को सम्मान किया जाएगा। रेस्क्यू टीम के सदस्यों को 51-51 हजार रुपए दिए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने क्रूज दुर्घटना के मृतकों के परिजनों को 4-4 लाख रुपए की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि सरकार नौका पर्यटन, क्रूज पर्यटन, एडवेंचर स्पोर्ट्स (पर्यटन) सहित सभी तरह की गतिविधियों के लिए एसओपी तैयार करेंगी, जिससे भविष्य में ऐसी दुर्घटना ने हो। जांच रिपोर्ट में जो भी दोषी होगा,उसे बख्शा नहीं जाएगा। हम सभी को मौसम विभाग की सूचनाओं को गंभीरता से लेना चाहिए।

पीएम ने व्यक्त की शोक संवेदना

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुर्घटना पर संवेदना जताते हुए मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख देने का ऐलान किया। पीएम ने एक्स पर शोक संवेदनाएं व्यक्त करते हुए लिखा कि सरकार और प्रशासन प्रभावितों की हर संभव सहायता में जुटा हुआ है।

ऑफ बीट

चर्चित चेहरों वाले रोबोट डॉग्स हुए वायरल

जर्मनी के एक म्यूजियम में इन दिनों एक अनोखा और चौंकाने वाला आर्ट इंस्टॉलेशन लोगों का ध्यान खींच रहा है। यहां ऐसे रोबोट डॉग्स प्रदर्शित किए गए हैं, जिनके चेहरे दुनिया के चर्चित उद्योगपतियों, टेक हस्तियों और राजनेताओं जैसे एलन मस्क, मार्क जुकरबर्ग, जेफ बेजोस और किम जोंग उन से मिलते-जुलते नजर आते हैं। इस अनोखे प्रयोग के वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं। इस इंस्टॉलेशन का नाम 'रेगुलर एनिमल्स' है, जिसे प्रसिद्ध अमेरिकी डिजिटल आर्टिस्ट बीपल (माइक विंकलमैन) ने तैयार किया है। यह रोबोट डॉग्स म्यूजियम के अंदर घूमते रहते हैं और दर्शकों के साथ इंटरैक्ट भी करते हैं। इनका डिजाइन ऐसा रखा गया है कि मशीन और इंसान के बीच की सीमा धुंधली नजर आती है।

आईपीएल में आज

चैन्नई बनाम मुंबई
समय : रात 7.30 बजे से
प्रसारण: स्टार स्पोर्ट्स और जियो हॉटस्टार पर

संक्षिप्त खबरें

मानहानि केस में मान के खिलाफ 20 को सुनवाई

चंडीगढ़, जेएनएन। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को पूर्व विधायक नाजर सिंह मानशाहिया से जुड़े मानहानि मामले में बड़ी राहत मिली है। मानसा अदालत ने मुख्यमंत्री की अपील स्वीकार करते हुए सुनवाई को 20 मई तक स्थगित कर दिया है। दरअसल, इस मामले में अदालत ने 1 मई को भगवंत मान को व्यक्तिगत रूप से पेश होने के निर्देश दिए थे। साथ ही यह भी कहा गया था कि अनुपस्थित रहने पर उनकी जमानत रद्द करने की कार्रवाई की जा सकती है। हालांकि, मुख्यमंत्री विशेष विधानसभा सत्र में व्यस्त होने के कारण अदालत में पेश नहीं हो सके। मान के वकील ने अदालत में अर्जी देकर बताया कि विधानसभा का विशेष सत्र होने के चलते मुख्यमंत्री का उपस्थित होना संभव नहीं है। अदालत ने इस दलील को स्वीकार करते हुए नई तारीख तय कर दी।

भोपाल-इंदौर में शुरू नहीं हो सकी जनगणना

मुख्य संवाददाता, भोपाल। जनगणना के पहले चरण में प्रदेश में मकानों की गिनती का काम शुरू हो गया है। जानकारी के अनुसार, प्रदेश के लगभग 40 जिलों में मकानों के सारणीयन के लिए प्रगणक और सुपरवाइजर गांवों और शहरों की बस्तियों में पहुंचे। हालांकि, भोपाल-इंदौर समेत प्रदेश के कुछ जिलों में शुक्रवार से मकानों की गिनती शुरू नहीं हो सकी। इसकी वजह सरकारी कर्मचारियों (प्रगणक और सुपरवाइजर) की ट्रेनिंग खत्म न होना है। भोपाल में 3 मई से मकानों की गिनती के लिए सरकारी अमला घर-घर दस्तक देगा। जनगणना के पहले चरण के दौरान 1 से 30 मई तक सभी 55 जिलों में मकानों के सारणीयन का काम होना है। इसके बाद अगले साल नागरिकों की गिनती की जाएगी।

कमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम 994 रुपए बढ़े

3 हजार रुपए के पार पहुंची कीमत सभी बड़े शहरों में

दो माह में कुल 1248 रुपए की बढ़ोत्तरी

प्रदेश में पिछले दो महीनों में ही कुल 1248 रुपए तक की बढ़ोतरी हो चुकी है। स्थिति इसलिए भी गंभीर है, क्योंकि बाजार में गैस सप्लाई केवल 50% तक सीमित बताई जा रही है।

नई दिल्ली, जेएनएन। मई महीने की शुरुआत आम लोगों और कारोबारियों के लिए महंगाई का नया झटका लेकर आई है। देशभर में कमर्शियल एलपीजी गैस सिलेंडर के दामों में एकमुश्त 994 रुपए तक की बढ़ोतरी की गई है। राजधानी दिल्ली में अब 19 किलो का कमर्शियल सिलेंडर 3071.50 रुपए में मिलेगा, जो पहले 2078.50 रुपए का था। इसी तरह कोलकाता, मुंबई और चेन्नई में भी कीमतों में लगभग समान बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

तेल कंपनियों द्वारा की गई इस वृद्धि का सीधा असर होटल, रेस्टोरेंट, ढाबों और कैटरिंग व्यवसाय पर पड़ेगा। विशेषज्ञों का मानना है कि इसका असर जल्द ही आम उपभोक्ताओं तक पहुंचेगा, क्योंकि खाने-पीने की चीजों के दाम बढ़ना लगभग तय है।

जुलाई तक प्रदेश में 20 हजार से अधिक शादियां प्रस्तावित हैं। ऐसे समय में गैस सिलेंडर की कीमतों में भारी उछाल ने कैटरिंग और होटल व्यवसाय को मुश्किल में डाल दिया है।

कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमतों में यह भारी बढ़ोतरी केवल व्यापारियों तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि इसका असर आम आदमी की जेब पर भी पड़ेगा। होटल-रेस्टोरेंट के बढ़ते दाम, शादी समारोहों का महंगा होना और छोटे व्यापारियों की लागत में वृद्धि—ये सभी संकेत हैं कि आने वाले दिनों में महंगाई का दबाव और बढ़ सकता है।

500 लोगों के भोजन पर पहले 5 लाख रु. खर्च आता था

50 हजार तक का अतिरिक्त खर्च बढ़ जाएगा।

10% तक वृद्धि हो रही है गैस महंगी होने से खाने की लागत में

छोटू सिलेंडर भी हुआ महंगा

कमर्शियल सिलेंडर के साथ 5 किलो वाले फ्री ट्रेड एलपीजी (एफटीएल) सिलेंडर की कीमत में 261 रुपए की बढ़ोतरी की गई है। अब इसकी कीमत 813.50 हो गई है, जो पहले 552.50 थी। यह छोटा सिलेंडर, जिसे आमतौर पर 'छोटू' कहा जाता है, बिना एड्रेस प्रूफ के भी खरीदा जा सकता है और इसका इस्तेमाल मुख्य रूप से प्रवासी मजदूर, छात्र और छोटे दुकानदार करते हैं। ऐसे में इस वर्ग पर महंगाई का अतिरिक्त दबाव बढ़ेगा।

मध्य प्रदेश में असर और ज्यादा गहरा

मध्य प्रदेश में कमर्शियल गैस सिलेंडर के दामों में 993 रुपए तक की वृद्धि दर्ज की गई है। प्रमुख शहरों में नए दाम इस प्रकार हैं

भोपाल: 3074 रुपए
इंदौर: 3179 रुपए
जबलपुर: 3290 रुपए
ग्वालियर: 3296 रुपए
उज्जैन: 3241 रुपए

खाने के दामों में 20% तक बढ़ोत्तरी संभव

होटल एवं रेस्टोरेंट संघ के अध्यक्ष के मुताबिक, दो महीनों में कमर्शियल गैस की कीमतों में 60 फीसदी वृद्धि हो चुकी है। फरवरी में सिलेंडर 1800 रुपए का था, अब 3000 रुपए के पार पहुंच गया है। गैस की कमी के चलते कई होटल संचालक अब डीजल भट्टी और इंडक्शन कुकिंग का सहारा ले रहे हैं, जिससे बिजली और ईंधन का खर्च भी बढ़ गया है। ऐसे में खाने के दाम 10 फीसदी से 20 फीसदी तक बढ़ने की संभावना जताई जा रही है।

राहुल पर एफआईआर संबंधी याचिका खारिज

नई दिल्ली/प्रयागराज, जेएनएन। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने की मांग वाली याचिका को खारिज कर दिया है। यह याचिका उनके कथित 'इंडियन स्टेट से लड़ने' वाले बयान को लेकर दायर की गई थी।

न्यायमूर्ति विक्रम डी चौहान की पीठ ने यह फैसला सुनाया। अदालत में यह याचिका सिमरन गुप्ता द्वारा दायर की गई थी, जिसमें संभल की एक निचली अदालत के उस फैसले को चुनौती दी गई थी, जिसमें पुलिस को एफआईआर दर्ज करने का निर्देश देने से इनकार कर दिया गया था। याचिकाकर्ता का आरोप था कि राहुल गांधी ने 2025 में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी कार्यालय के उद्घाटन के दौरान कहा था कि 'हम अब भाजपा, आरएसएस और भारतीय राज्य से लड़ रहे हैं।' याचिका में इस बयान को आपत्तिजनक बताते हुए कहा गया कि इससे जनभावनाएं आहत हुई हैं और यह देशविरोधी तथा राजद्रोह जैसी श्रेणी में आता है।

ट्रंप बोले-ईरान को किसी हालत में नहीं बनाने देंगे परमाणु बम

दावा: अमेरिका ने ईरान की सैन्य क्षमता को कर दिया है कमजोर

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी, जेएनएन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर ईरान को लेकर कड़ा रुख अपनाया है। उन्होंने साफ कहा कि 'ईरान को परमाणु हथियार बनाने नहीं दिया जाएगा' और दावा किया कि अमेरिका की कार्रवाई पूरी तरह सफल रही है। ट्रंप के मुताबिक, अमेरिकी सेना ने ईरान की सैन्य क्षमता को काफी हद तक कमजोर कर दिया है।

ट्रंप ने ईरानी सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि उसने विरोध प्रदर्शनों के दौरान 42,000 निर्दोष और निहत्थे लोगों की हत्या की है। उन्होंने ईरान को 'उग्रवादी शासन' बताते हुए कहा कि उसकी अर्थव्यवस्था भी अब बुरी तरह प्रभावित हो चुकी है। इससे पहले ट्रंप ने सोशल मीडिया पर चेतावनी देते हुए कहा था कि 'तूफान आगे बढ़ रहा है, इसे कोई नहीं रोक सकता।' हालांकि इसके जवाब में ईरान के सुप्रीम लीडर मुजतबा खामेनेई ने जवाब दिया कि हमलावरों को 'समंदर में डुबो देंगे।' इस बीच, तेहरान के इमाम खुमैनी इंटरनेशनल एयरपोर्ट से 58 दिन बाद सीमित उड़ानें फिर शुरू हुई हैं। वहीं अमेरिकी विमानवाहक पोत यूएसएस जेराल्ड आर. फोर्ड लंबी तैनाती के बाद वापस लौट रहा है।

हाइपरसोनिक हमले की तैयारी

अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने ट्रंप को ईरान के खिलाफ संभावित सैन्य विकल्पों की जानकारी दी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, अगर अमेरिका दोबारा हमला करता है, तो हाइपरसोनिक मिसाइलों के साथ छोटा लेकिन बेहद शक्तिशाली ऑपरेशन किया जा सकता है। यह संकेत क्षेत्र में तनाव और बढ़ने की ओर इशारा करता है।

संयुक्त राष्ट्र की चिंता: संयुक्त राष्ट्र प्रमुख एंटोनियो गुटेरेस ने चेतावनी दी है कि ईरान संघर्ष के कारण हालात हर घंटे बिगड़ रहे हैं। उन्होंने सभी पक्षों से बातचीत के जरिए समाधान निकालने की अपील की है। वहीं ह्यूमन राइट्स की एक कमेटी ने इजराइल से मौत की सजा से जुड़े नए कानून को वापस लेने की मांग की है।

पश्चिम बंगाल में मतदान के बाद भड़की हिंसा, तीन जिलों में झड़पें

कोलकाता, जेएनएन। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के दूसरे और अंतिम चरण के मतदान के बाद राज्य के कई हिस्सों में हिंसा भड़क गई है। पुलिस के अनुसार, मुर्शिदाबाद, मालदा और उत्तर 24 परगना जिलों में कम से कम तीन बड़ी घटनाएं सामने आई हैं। इन घटनाओं में कई राजनीतिक कार्यकर्ता घायल हुए हैं, जबकि पुलिस ने जांच शुरू कर दी है और कुछ गिरफ्तारियां भी की गई हैं। स्थिति को देखते हुए पूरे राज्य में सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। चार मई तक बंगाल को छावनी में तब्दील कर दिया गया है, जहां बड़ी संख्या में पुलिस और केंद्रीय बलों की तैनाती की गई है।

सुवेंदु भी पहुंचे स्ट्रांग रूम: इस बीच भवानीपुर सीट से भाजपा उम्मीदवार सुवेंदु अधिकारी शुक्रवार को अपने एजेंट के साथ कोलकाता के सखावत मेमोरियल स्कूल स्थित स्ट्रॉन्ग रूम पहुंचे। इसी स्ट्रॉन्ग रूम में एक दिन पहले मुख्यमंत्री ममता बनर्जी करीब 4 घंटे तक मौजूद रहीं थीं, जिससे विवाद और गहरा गया है।

15 बूथों पर दोबारा मतदान का फैसला: चुनाव आयोग ने राज्य के 15 बूथों पर पुनर्मतदान कराने का निर्णय लिया है। ये बूथ डायमंड हार्बर (4) और मगराहट पश्चिम (11) क्षेत्रों में हैं, जहां 29 अप्रैल को मतदान के दौरान हिंसा, ईवीएम से छेड़छाड़ और झड़प की शिकायतें सामने आई थीं।

ये तीन घटनाएं

- मुर्शिदाबाद के इस्लामपुर इलाके में सीपीएम के पोलिंग एजेंट रूहूल अमीन पर जानलेवा हमला किया गया। आरोप है कि वह चाय की दुकान पर बैठे थे, तभी कुछ लोगों ने उन पर हमला कर दिया।
- मालदा जिले में भाजपा के मंडल अध्यक्ष महानंदा मंडल पर कथित तौर पर ईंटों से हमला किया गया। उन्हें गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है।
- उत्तर 24 परगना के हिंगलगंज इलाके में भाजपा और टीएमसी समर्थकों के बीच हिंसक भिड़ंत हुई, जिसमें पांच लोग घायल हो गए।

तमिलनाडु: त्रिची में टीवीके के दफ्तर में आगजनी

त्रिची, जेएनएन। तमिलनाडु के त्रिची जिले में टीवीके (तमिलगा वेत्री कझगम) के एक पार्टी कार्यालय में देर रात अज्ञात बदमाशों ने आग लगा दी। यह घटना त्रिची ईस्ट क्षेत्र में हुई, जहां पार्टी चुनाव मैदान में है। सीसीटीवी फुटेज के अनुसार, दो युवक दोपहिया वाहन पर सवार होकर मौके पर पहुंचे, अस्थायी कार्यालय में आग लगाई और तुरंत वहां से फरार हो गए। घटना के समय कार्यालय खाली था, इसलिए किसी के घायल होने की खबर नहीं है। पार्टी ने इस घटना को राजनीतिक साजिश करार दिया है। हाल ही में जारी एग्जिट पोल में टीवीके के पक्ष में परिणाम आने की संभावना जताई गई थी, जिसके बाद यह घटना हुई है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान करने की कोशिश की जा रही है।

टोल सिस्टम अब बिना रुके कटेगा टोल, गाड़ियां 60 से 80 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से सीधे गुजरेंगी

एनएच-48 पर देश का पहला बैरियर-फ्री टोल प्लाजा शुरू

नई दिल्ली/सूरत, जेएनएन। देश में हाईवे नेटवर्क के तेज विस्तार के साथ टोल कलेक्शन सिस्टम भी अब आधुनिक हो गया है। इसी दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए मुंबई-दिल्ली नेशनल हाईवे (एनएच-48) पर देश का पहला बैरियर-फ्री टोल प्लाजा शुरू किया गया है। गुजरात के सूरत के पास चोरयासी में बना यह टोल प्लाजा मल्टी-लेन फ्री-फ्लो तकनीक पर आधारित है। इसकी खासियत यह है कि अब वाहन चालकों को टोल देने के लिए रुकना नहीं पड़ेगा गाड़ियां 60 से 80 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से सीधे गुजर सकेंगी और टोल अपने आप कट जाएगा।

वाहन के टोल पार करते ही ड्राइवर को एसएमएस या ऐप नोटिफिकेशन के जरिए भुगतान की पुष्टि मिल जाती है।

सरकार का दावा है कि देशभर में यह सिस्टम लागू होने पर हर साल करीब 1500 करोड़ रुपए के ईंधन की बचत होगी। साथ ही टोल चोरी पर रोक लगने से राजस्व में भी हजारों करोड़ की बढ़ोतरी हो सकती है।

बिना भुगतान भागना मुश्किल: कई लोगों के मन में सवाल है कि अगर फास्टैग नहीं होगा या उसमें बैलेंस नहीं होगा तो क्या होगा? इसके लिए भी सिस्टम में सख्त प्रावधान किए गए हैं।

कैमरे नंबर प्लेट से वाहन मालिक की पहचान कर लेते हैं और टोल बकाया होने पर ई-नोटिस भेजा जाता है। इसके 72 घंटे में भुगतान नहीं करने पर जुर्माना दोगुना हो सकता है। साथ ही बार-बार नियम तोड़ने पर वाहन की रजिस्ट्रेशन, फिटनेस या अन्य सेवाएं रोकी जा सकती हैं। यानी इस सिस्टम में टोल चोरी करना लगभग नामुमकिन होगा।

देशभर में होगा विस्तार: केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी के अनुसार, दिसंबर 2026 तक देश के 1000 से ज्यादा टोल प्लाजा को इसी बैरियर-फ्री सिस्टम में बदला जाएगा। सूरत का यह प्लाजा इस तकनीक का पायलट प्रोजेक्ट है

दिल्ली में भी इस दिशा में कदम बढ़ाया जा रहा है। मुंडका टोल प्लाजा पर इस सिस्टम की टेस्टिंग चल रही है, जिसे जल्द ही पूरी तरह लागू किया जाएगा। इसी बीच उत्तर प्रदेश में हाल ही में शुरू हुए गंगा एक्सप्रेसवे पर पहले 15 दिनों तक टोल-फ्री रखने का फैसला किया गया है।

इस तरह काम करता है नया सिस्टम

इस टोलिंग सिस्टम में पारंपरिक बैरियर नहीं होते। इसके बजाय सड़क के ऊपर ओवरहेड गैंट्री लगाए गए हैं, जिनमें हाई-रेजोल्यूशन कैमरे, सेंसर और स्कैनिंग डिवाइस लगे होते हैं।

- ये कैमरे एनएनपीआर (ऑटोमैटिक नंबर प्लेट रिकग्निशन) तकनीक से नंबर प्लेट पढ़ते हैं।
- साथ ही आरएफआईडी सेंसर फास्टैग को स्कैन करते हैं।
- इसके बाद टोल की राशि सीधे वाहन मालिक के बैंक खाते या वॉलेट से कट जाती है।
- पूरी प्रक्रिया कुद सेकंड में और पूरी तरह ऑटोमैटिक तरीके से होती है।

नए सिस्टम की खूबियां

- टोल प्लाजा पर रुकने की जरूरत नहीं
- लंबी कतारों और ट्रैफिक जाम से छुटकारा
- ईंधन और समय की बचत
- टोल कलेक्शन में पारदर्शिता
- अतिरिक्त लेन बनाने की जरूरत नहीं

सरकार के सर्कुलर हाईकोर्ट ने किए निरस्त

जूनियर को भी प्राचार्य बना सकेंगी अल्पसंख्यक संस्थाएं

जागरण, ग्वालियर। प्रवेश और फीस से लेकर फीस स्टॉफ की नियुक्ति तक के अधिकारों पर राज्य शासन का कब्जा होने से दुखी अल्प संख्यक संस्थाओं के लिए हाईकोर्ट से राहत भरी खबर आई है। ग्वालियर खंडपीठ की डबल बैंच ने अल्प संख्यक संस्थाओं के हित में बड़ा फैसला सुनाते हुए राज्य शासन के नियमों को दरकिनार कर दिया है। सरकारी सर्कुलर्स को निरस्त करते हुए अदालत ने कहा है कि प्राचार्य की नियुक्ति के लिए अल्प संख्यक पूरी तरह से स्वतंत्र हैं, वे चाहें तो किसी जूनियर टीचर को भी प्राचार्य बना सकते हैं। वरिष्ठता का नियम लगातार राज्य शासन द्वारा संस्थाओं के संवैधानिक अधिकार का हनन नहीं किया जा सकता।

हाईकोर्ट की ग्वालियर खंडपीठ की युगलपीठ ने सुनवाई के दौरान सिंगल बैंच का आदेश पलटते हुए अल्प संख्यक संस्थाओं के पक्ष में राहत भरा फैसला सुनाया है। प्राचार्य की नियुक्ति को अल्प संख्यक संस्थाओं का पूर्ण संवैधानिक अधिकार बताते हुए अदालत ने स्पष्ट किया है कि इन संस्थानों को वरिष्ठता का नियम लागू करने के लिए राज्य शासन बाध्य नहीं कर सकती। यह टिप्पणी अदालत ने गुरुवार को विदिशा के एसएसएल जैन पीजी कॉलेज की याचिका की सुनवाई के दौरान की। सुनवाई के दौरान ■ शेष पृष्ठ 7 पर

हाईकोर्ट बोला- संस्थाओं की स्वतंत्रता में दखल नहीं दे सकता शासन

मंडला में मासिक अपराध समीक्षा बैठक आयोजित, विशेष अभियानों पर दिया गया जोर

जागरण, मंडला। पुलिस कंट्रोल रूम मंडला में 30 अप्रैल को मासिक अपराध समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें जिले की कानून-व्यवस्था एवं लंबित प्रकरणों की गहन समीक्षा की गई। बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री शिव कुमार वर्मा द्वारा महिला एवं पुरुष मर्ग प्रकरणों, अनुसूचित जाति एवं जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम के लंबित राहत प्रकरणों, गंभीर अपराधों, लंबित चालान, फरार आरोपियों की गिरफ्तारी एवं लंबित विवेचनाओं की विस्तृत समीक्षा की गई। उन्होंने सभी थाना एवं चौकी प्रभारियों को लंबित अपराधों का त्वरित, प्रभावी एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

विशेष अभियानों की समीक्षा

26 अप्रैल से संचालित विशेष हेलमेट अनिवार्यता अभियान की समीक्षा करते हुए सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए सख्त वाहन चेकिंग, यातायात जागरूकता एवं बिना हेलमेट वाहन चलाने वालों पर कार्रवाई के निर्देश दिए गए। पेट्रोल पंपों पर बिना हेलमेट पेट्रोल नहीं देने के निर्देशों का कड़ाई से पालन कराने पर भी जोर दिया गया।साथ ही 'ऑपरेशन मुस्कान' अभियान के अंतर्गत गुमशुदा बालक-बालिकाओं की दस्तयाबी की समीक्षा की गई। अधिकारियों को स्थानीय सूचना तंत्र एवं तकनीकी संसाधनों का उपयोग कर गुम बच्चों को सुरक्षित वापस लाने के लिए संवेदनशीलता और सक्रियता के साथ कार्य करने के निर्देश दिए गए।

एनडीपीएस, साइबर अपराध व पुलिसिंग पर फोकस

बैठक में एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रभावी कार्रवाई, महिला एवं बाल अपराधों की संवेदनशील विवेचना, साइबर अपराधों की रोकथाम एवं प्रतिबंधात्मक कार्रवाई बढ़ाने के निर्देश दिए गए।यातायात जागरूकता के तहत प्रधानमंत्री राहत, 'राहवीर योजना' एवं कैशलेस इलाज योजना के व्यापक प्रचार-प्रसार पर भी जोर दिया गया। साथ ही माइक्रोबीट अधिकारियों को निर्धारित दिशा-निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने को कहा गया अधिकारियों को क्षेत्र के प्रमुख स्थानों एवं शासकीय संस्थानों में सीसीटीवी कैमरों की उपलब्धता सुनिश्चित करने, डायल-112 की प्रभावी सेवा बनाए रखने, सीसीटीएनएस में समयबद्ध जानकारी दर्ज करने, नियमित गश्त एवं निगरानी बदमाशों पर सतत कार्रवाई करने तथा ग्रामीण क्षेत्रों में सामुदायिक पुलिसिंग को मजबूत करने के निर्देश दिए गए।बैठक में एसडीओपी मंडला पीयूष मिश्रा, एसडीओपी बिछिया सौरभ तिवारी, एसडीओपी नैनपुर मनीष राज, एसडीओपी निवास पी.एस. वालरे सहित सभी थाना एवं चौकी प्रभारी तथा अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

मंडला पुलिस द्वारा पिंडरई बाजार चोरी कांड का खुलासा

पारदी गैंग के 5 आरोपी गिरफ्तार,52,00,000 से अधिक के जेवर एवं वाहन जब्त सराफा व्यापारी से हुई लाखों की चोरी का खुलासा, पारदी गैंग दबोचा गया

जागरण मंडला। पुलिस अधीक्षक मंडला रजत सकलेचा के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मंडला शिव कुमार वर्मा के मार्गदर्शन एवं एसडीओपी नैनपुर मनीष राज के पर्यवेक्षण में चौकी पिंडरई पुलिस को बड़ी सफलता प्राप्त हुई है। पुलिस ने पिंडरई बाजार में सराफा व्यापारी के साथ हुई लाखों रुपये की चोरी की घटना का खुलासा करते हुए पारदी गैंग के 5 आरोपियों को गिरफ्तार कर मशरूका बरामद किया है।दिनांक 25.04.2026 को फरियादी पवन कुमार सोनी निवासी कन्हरगांव द्वारा चौकी पिंडरई में रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि वह पिंडरई बाजार में सराफा दुकान लगाने आया था। दुकान लगाने के दौरान अज्ञात व्यक्ति उसके सोने-चांदी के जेवर, नगदी, गिरवी रजिस्टर एवं अन्य दस्तावेजों से भरे बैग को चोरी कर फरार हो गए। चोरी गए सामान की अनुमानित कीमत लगभग 50 लाख रुपये थी।घटना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक मंडला के निर्देशन में तत्काल विशेष टीम गठित कर आरोपियों की तलाश प्रारंभ की गई। जांच के दौरान सीसीटीवी फुटेज, मुखबिर सूचना एवं साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों तक पहुंच बनाई गई। पूछताछ में ज्ञात हुआ कि आरोपीगण जिला सीहोर के ग्राम लमटी राला पारदीपुरा क्षेत्र के निवासी हैं, जो कंगन, चूड़ी एवं रुद्राक्ष बेचने के बहाने मंडला, सिवनी एवं बालाघाट जिले के विभिन्न गांवों एवं बाजारों में घूमते थे। आरोपीगण समनापुर-सांगवा क्षेत्र के मध्य रेलवे लाइन के पास नाला किनारे अस्थायी डेरा बनाकर रह रहे थे।

दिनांक 25.04.2026 को आरोपीगण चोरी की योजना बनाकर पिंडरई बाजार पहुंचे। बाजार में एक दुकान के सामने रखे थैले में सोने-चांदी के जेवर होने की जानकारी मिलने पर आरोपी विधि से संघर्षरत बालक द्वारा मौका पाकर थैला चोरी कर लिया गया। इसके बाद आरोपी मोटरसाइकिल एवं अल्टो कार से फरार होकर अपने डेरे पहुंचे, जहां चोरी किए गए सामान का आपस में बंटवारा किया गया।पुलिस द्वारा आरोपियों से पूछताछ के आधार पर चोरी गए सोने-चांदी के आभूषण, नगदी एवं घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल जप्त की गई है। प्रकरण में आरोपियों के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। अल्प समय में शत प्रतिशत बरामदगी करने वाली टीम को पुलिस महानिदेशक महोदय एवं पुलिस महानिरीक्षक महोदय के द्वारा पुरस्कृत करने की घोषणा की गई है।

मंडला में 1 किलो 70 ग्राम गांजा जब्त, आरोपी गिरफ्तार

पुलिस ने 50 हजार रुपए का अवैध मादक पदार्थ पकड़ा

जागरण मंडला। मंडला जिले में अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई जारी है। इसी कड़ी में हिरदेनगर चौकी पुलिस ने शुक्रवार को एक आरोपी को 1 किलो 70 ग्राम गांजे के साथ गिरफ्तार किया है। जब्त गांजे का बाजार मूल्य लगभग 50 हजार रुपए आंका गया है।हिरदेनगर पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी। चौकी प्रभारी उप निरीक्षक हरछट ठाकुर के नेतृत्व में पुलिस टीम ने बताए गए स्थान पर दबिश दी। तलाशी के दौरान, आरोपी के पास से एक थैले में रखा 1 किलो 70 ग्राम गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने मौके पर ही गांजा जब्त कर आरोपी को हिरासत में ले लिया।आरोपी के विरुद्ध महाराजपुर थाने में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। आरोपी को शुक्रवार को न्यायालय में पेश किया गया। इस कार्रवाई में उप निरीक्षक हरछट ठाकुर, सहायक उप निरीक्षक रमेश पटेल, प्रधान आरक्षक धीरज नाग, उत्तम सिंह गोठरिया, आरक्षक सुनील सिंह, महेश उइके और रशीद पुशाम की सराहनीय भूमिका रही।

एमएसडब्ल्यू कचरा प्लांट मार्ग पर आरक्षित शासकीय भूमि से हटाया गया अवैध कब्जा

कटनी। निगमायुक्त सुश्री तपस्या परिहार के निर्देश पर नगर पालिक निगम कटनी द्वारा शासकीय भूमि एवं निगम संपत्तियों को अतिक्रमण मुक्त बनाए रखने हेतु निरंतर अभियान संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम में शुक्रवार को रविंद्र नाथ टैगोर वार्ड अंतर्गत अमरगंज क्षेत्र में एमएसडब्ल्यू ठोस अपशिष्ट प्रबंधन कचरा प्लांट पहुंच मार्ग के समीप नगर निगम स्वामित्व की भूमि पर किए गए अवैध कब्जे को हटाने की कार्यवाही की गई। अतिक्रमण प्रभारी मानेंद्र सिंह ने बताया कि नगर पालिक निगम कटनी को अमीरगंज क्षेत्र में सूअर बाड़ा निर्माण एवं संबंधित व्यवस्थाओं हेतु भूमि आवंटित की गई है। उक्त आरक्षित शासकीय भूमि के लगभग 15 बाई 30 फुट हिस्से पर स्थानीय व्यक्ति द्वारा अनधिकृत रूप से निर्माण कार्य किए जाने की शिकायत निगम प्रशासन को प्राप्त हुई थी। शिकायत के परीक्षण उपरांत निगम प्रशासन द्वारा संबंधित व्यक्ति को पूर्व में नोटिस जारी कर स्वयं अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए गए थे। इसके बावजूद आदेश की अवहेलना करते हुए स्थल पर अवैध रूप से कक्ष निर्माण किया जाना पाए जाने पर निगमायुक्त के निर्देशानुसार अतिक्रमण अधिकारी मानेंद्र सिंह के नेतृत्व में निगम की अतिक्रमण टीम मौके पर पहुंची तथा नियमानुसार कार्यवाही करते हुए अवैध निर्मित संरचना को हटाकर शासकीय भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया गया। निगम प्रशासन ने स्पष्ट किया कि नगर निगम की शासकीय एवं सार्वजनिक उपयोग की भूमि पर किसी भी प्रकार का अनधिकृत कब्जा अथवा निर्माण स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि निगम प्रशासन द्वारा पूर्व सूचना एवं विधिसम्मत प्रक्रिया का पालन करने के उपरांत ही कार्यवाही की जाती है। साथ ही संबंधित व्यक्ति को भविष्य में स्थल पर किसी भी प्रकार का निर्माण अथवा पुनः अतिक्रमण नहीं करने की सख्त हिदायत भी दी गई है।

खिरहनी ब्रिज के नीचे जुर्माने की कार्यवाही : शहर में यातायात व्यवस्था को सुचारू एवं व्यवस्थित बनाए रखने हेतु खिरहनी ब्रिज के नीचे अवैध रूप से बग्घियां खड़ी कर मार्ग अवरुद्ध करने वाले संचालकों पर कार्यवाही की गई। निरीक्षण के दौरान सड़क किनारे अनियंत्रित रूप से खड़ी बग्घियों के कारण आवागमन प्रभावित पाए जाने पर संबंधित बग्घी संचालकों पर 1000 रुपए का जुर्माना अधिरोपित किया गया तथा तत्काल स्थल खाली कराते हुए दोबारा इस प्रकार अतिक्रमण न करने की सख्त हिदायत दी गई।

विकासखंड स्तरीय प्रतिभा सम्मान समारोह सम्पन्न, छात्राओं ने किया उत्कृष्ट प्रदर्शन

जागरण मंडला। विकासखंड शिक्षा अधिकारी मोहगांव के नेतृत्व में विकासखंड स्तरीय प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जनजातीय कार्य विभाग अंतर्गत संचालित रानी दुर्गावती शासकीय कन्या आश्रम सालीवाड़ा, विकासखंड मोहगांव की छात्राओं ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विकासखंड स्तरीय प्रवीण सूची में कक्षा 5वीं में प्रथम एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया।समारोह के दौरान क्षेत्रीय विधायक ने प्रतिभावान छात्राओं को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया एवं उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम में शिक्षा विभाग के अधिकारी, शिक्षक एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

मटेरियल खरीदी के नाम पर सरपंच ने अपने ही परिवार की फर्म दीप ट्रेडर्स को किया 22 लाख का भुगतान

सरपंच के पुत्र की फर्म को भुगतान पर सवाल

नईगढ़ी, नि.प्र.। जनपद पंचायत नईगढ़ी अंतर्गत ग्राम पंचायत फूलकरण सिंह में वित्तीय अनियमितताओं का बड़ा मामला सामने आया है। संवाददाता को समाजसेवियों एवं ग्रामीणों ने सरपंच पर करीब 22 लाख रु की कथित गड़बड़ी के गंभीर आरोप लगाए हैं। आरोप लगाते हुए ग्रामीणों ने संवाददाता को बताया कि पंचायत के विकास कार्यों में मटेरियल खरीदी के नाम पर सरपंच ने अपने ही परिवार से जुड़ी फर्म 'दीप ट्रेडर्स' को भुगतान कराया। शिकायतकर्ता रामायण प्रताप सिंह द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों के अनुसार, जुलाई 2022 से 6 जनवरी 2026 के बीच लगभग रु 22,24,048 रुपये की राशि 'दीप ट्रेडर्स' के खाते में ट्रांसफर की गई। शिकायतकर्ता के आरोप है कि यह फर्म सरपंच के पुत्र के नाम संचालित है, जिससे हितों के टकराव और नियमों के उल्लंघन की आशंका जताई जा रही है। धारा 40 के तहत कार्रवाई की मांग शिकायत में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि पंचायत राज अधिनियम 1993 के तहत कोई भी जनप्रतिनिधि अपने या अपने परिवार के नाम से सीधे भुगतान नहीं ले सकता। ऐसे मामलों में यह कृत्य पद का दुरुपयोग और भ्रष्टाचार की श्रेणी में आता है। इसी आधार पर सरपंच के खिलाफ धारा 40 के तहत पद से पृथक्करण की मांग की गई है।

7 दिन की जांच सीमा भी टूटी

शिकायतकर्ता ने संवाददाता को बताया कि मामले को गंभीर मानते हुए जिला पंचायत रीवा ने 24 मार्च 2026 को आदेश जारी कर संबंधित अधिकारियों को 7 दिवस के भीतर जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए थे। आदेश में यह भी स्पष्ट था कि समय सीमा में रिपोर्ट न देने पर संबंधित अधिकारी जिम्मेदार होंगे लेकिन हैरानी की बात यह है कि करीब डेढ़ माह बीत जाने के बाद भी जांच रिपोर्ट सामने नहीं आई, जिससे प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

मजदूरों को लू से बचाव के करें उपाय : श्रम पदाधिकारी

रीवा। जिला श्रम पदाधिकारी ने कहा है कि अप्रैल माह के अंतिम सप्ताह से ही तापमान लगातार 40 से 44 डिग्री सेल्सियस के आसपास बना हुआ है। ऐसी परिस्थिति में भी अधोसंरचना विकास तथा औद्योगिक क्षेत्र में निर्माण कार्य जारी हैं। इनमें कार्यरत मजदूरों की धूप एवं लू से सुरक्षा के लिए उचित उपाय करें। जिला श्रम पदाधिकारी ने कहा कि श्रम विभाग तथा राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा लू एवं गर्मी से बचाव की सलाह जारी की गई है।

विशेषज्ञ चिकित्सकों ने किया 500 से अधिक निगम कर्मियों का स्वास्थ्य परीक्षण

कटनी। नगर पालिक निगम कटनी द्वारा शहर की स्वच्छता व्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले सफाई मित्रों, निगम कर्मचारियों एवं अधिकारियों के स्वास्थ्य संरक्षण को प्राथमिकता देते हुए शुक्रवार को केसीएस स्कूल परिसर में विशाल मेगा स्वास्थ्य परीक्षण एवं परामर्श शिविर का आयोजन किया गया। प्रातः 11 बजे प्रारंभ हुए इस एक दिवसीय स्वास्थ्य शिविर में नगर के 22 से अधिक विशेषज्ञ चिकित्सकों ने सहभागिता करते हुए 500 से अधिक सफाई मित्रों एवं निगम कर्मचारियों का स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श एवं निःशुल्क दवाइयों का वितरण किया। नगर निगम द्वारा आयोजित यह विशेष शिविर स्वास्थ्य सुरक्षा, नियमित स्वास्थ्य परीक्षण तथा समय रहते गंभीर बीमारियों की पहचान सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित हुआ। शिविर में बड़ी संख्या में सफाई मित्रों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर विभिन्न स्वास्थ्य जांचों का लाभ प्राप्त किया।

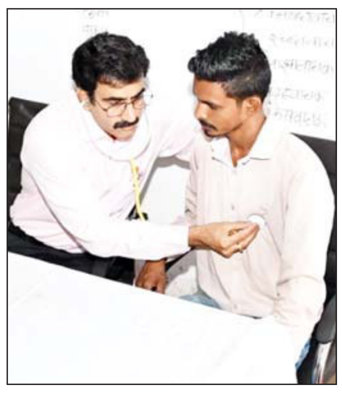

विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम ने दी सेवाएं : शिविर में नगर निगम आयुक्त सुश्री तपस्या परिहार की उपस्थिति में नगर के वरिष्ठ एवं विशेषज्ञ चिकित्सकों ने अपनी सेवाएं प्रदान कीं। इनमें डॉ.मनीष गट्टानी, डॉ.पारितोष सोनी, डॉ.अभिषेक शर्मा. डॉ.नवीन कर्ण, सर्जन डॉ.आर.हरचंदानी, डॉ.के.एन.लहरिया, डॉ.प्रसंग बजाज, डॉ.रीतेश दुबे, सिविल सर्जन डॉ.यशवंत वर्मा, डॉ.सुषमा गट्टानी, डॉ.शैफाली गुप्ता, डॉ.अनुराग शर्मा, ऑर्थो विशेषज्ञ डॉ.अनुराग खरे, डॉ.अभिषेक चौरसिया, ईएनटी विशेषज्ञ डॉ.विनय जैन एवं डॉ.अतुलेश जैन, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ.सुनीता वर्मा, डॉ.आर्यन तिवारी, डॉ.शानू अग्रवाल, डॉ.चांदिनी रिमझर सहित जिला क्षय अधिकारी डॉ.शैलेन्द्र दीवान उपस्थित रहे।

विभिन्न रोगों की जांच एवं परामर्श उपलब्ध कराया गया : शिविर में मधुमेह, एनीमिया, रक्तचाप, वजन परीक्षण, छाती का एक्स-रे, बलगम जांच सहित सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण किए गए। इसके अतिरिक्त श्वसन रोग, त्वचा रोग, नेत्र रोग, अस्थि रोग, दंत रोग, मानसिक स्वास्थ्य, शिशु रोग तथा नाक कान गला संबंधी रोगों की विशेषज्ञ जांच कर आवश्यक परामर्श प्रदान किया गया। आधुनिक चिकित्सीय उपकरणों एवं प्रशिक्षित स्वास्थ्य कर्मियों की सहायता से प्रतिभागियों की विस्तृत जांच की गई।

सफाई मित्रों का स्वास्थ्य सुरक्षित रखना निगम की प्राथमिकता-निगमायुक्त : नगर निगम आयुक्त सुश्री तपस्या परिहार ने कहा कि शहर की स्वच्छता व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने में सफाई मित्रों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्रतिदिन कठिन परिस्थितियों में कार्य करने वाले इन कर्मियों का स्वास्थ्य सुरक्षित रखना नगर निगम की नैतिक एवं प्रशासनिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि निगम प्रशासन द्वारा आयोजित यह मेगा स्वास्थ्य शिविर सफाई मित्रों एवं कर्मचारियों के स्वास्थ्य के प्रति संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता का प्रतीक है। ऐसे प्रयासों से न केवल कर्मियों का स्वास्थ्य बेहतर होगा, बल्कि स्वस्थ एवं स्वच्छ शहर की परिकल्पना को भी मजबूती मिलेगी। कार्यक्रम के दौरान उपयुक्त शैलेश गुप्ता एवं प्रियंका झारिया, सहायक यंत्री आदेश जैन, अनिल जायसवाल, संजय मिश्रा, उपयंत्री शैलेन्द्र प्यासी सहित नगर निगम के विभिन्न शाखाओं के प्रमुख अधिकारी कर्मचारी एवं काफी संख्या में स्वस्थ विभाग के कर्मचारियों सहित उनके परिजनों की मौजूदगी रही।

नईगढ़ी सिंचाई परियोजना का कार्य शीघ्र पूरा कराएं : विधायक देवतालाब

आगामी फसल से पहले बहुती नहर का कार्य पूरा कराएं - विधायक मऊगंज

मऊगंज ब्यूरो। कलेक्ट्रेट सभागार मऊगंज में आयोजित बैठक में मऊगंज जिले की विभिन्न सिंचाई परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक में नईगढ़ी माइक्रो सिंचाई परियोजना, बहुती माइक्रो सिंचाई परियोजना तथा हनुमना-सीतापुर उद्वहन सिंचाई परियोजना की प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक में विधायक देवतालाब गिरीश गौतम ने कहा कि खेती के विकास के लिए सिंचाई सुविधा आवश्यक है। नईगढ़ी माइक्रो सिंचाई परियोजना का शेष बचा कार्य शीघ्र पूरा कराएं, जिससे किसानों को सिंचाई के लिए पानी मिल सके। सिंचाई की सुविधा मिलते ही खेती में तेजी से विकास होगा। बैठक में विधायक मऊगंज प्रदीप पटेल ने कहा कि तीनों निर्माणाधीन सिंचाई परियोजनाओं के पूरा होने पर मऊगंज जिले के लगभग सभी किसानों के खेतों में सिंचाई की सुविधा हो जाएगी। बहुती माइक्रो सिंचाई परियोजना में नहर निर्माण का शेष काम तेजी से पूरा कराएं जिससे किसानों को आगामी फसल के लिए पानी मिल सके। इसका मुख्य कार्य पूरा हो गया है। गोविंदगढ़ में टनल का निर्माण भी पूरा हो गया है। इस नहर के शुरू हो जाने से जिले के बहुत बड़े क्षेत्र में सिंचाई की सुविधा उपलब्ध हो जाएगी। हनुमना-सीतापुर परियोजना से हनुमना क्षेत्र को विशेष लाभ होगा। इसके डीपीआर का कार्य तेजी से पूरा कराएं। बैठक में कलेक्टर संजय कुमार जैन ने कहा कि मऊगंज जिले में सिंचाई सुविधाओं के विकास के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। अधूरी सिंचाई परियोजनाओं का कार्य तेजी से पूरा किया जा रहा है। इन कार्यों पर सतत निगरानी रखी जा रही है। बैठक में कार्यपालन यंत्री जल संसाधन बीपी मिश्रा ने बताया कि बहुती और नईगढ़ी सिंचाई परियोजनाओं का कार्य नवम्बर माह तक पूरा हो जाएगा। बहुती परियोजना से लगभग 65 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई की सुविधा मिलेगी। इसके निर्माण की सभी बाधाएं दूर कर दी गई हैं और कार्य तेजी से जारी है। हनुमना-सीतापुर परियोजना का डीपीआर तैयार कर लिया गया है। इसे पर्यावरणीय और वन विभाग की मंजूरी के लिए भेजा गया है। स्वीकृति प्राप्त होते ही कार्य शुरू कर दिया जाएगा। मुख्य बांध स्थल का निर्धारण कर लिया गया है।

गर्मी के मौसम में पेयजल समस्या वाले ग्रामों में विशेष निगरानी रखी जाय

पेयजल समीक्षा बैठक में दिये गये निर्देश

मऊगंज ब्यूरो। मऊगंज जिले के शहर व ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित कराने तथा गर्मी के मौसम में पेयजल समस्या वाले ग्रामों में विशेष निगरानी रखकर समुचित व्यवस्थायें कराने के उद्देश्य से समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। कलेक्ट्रेट में विधायक देवतालाब गिरीश गौतम, विधायक मऊगंज प्रदीप पटेल, जिला पंचायत अध्यक्ष नीता कोल एवं कलेक्टर संजय कुमार जैन की उपस्थिति में निर्देश दिये गये कि जिले के ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में निर्बाध जल आपूर्ति सुनिश्चित की जाय तथा समस्या ग्रस्त ग्रामों में पेयजल की व्यवस्था कराई जाय।

क्षतिग्रस्त हैंडपंपों को तुरंत सुधारने दिए निर्देश : नगरीय निकाय मऊगंज में जल प्रदाय परियोजना की समीक्षा के दौरान निर्देशित किया गया कि मऊगंज कस्बे के मुख्य मार्ग में सड़क चौड़ीकरण के कारण जो नल कनेक्शन टूट गये हैं उनकी शीघ्र मरम्मत कराई जाय। जिन स्थलों में पाइपलाइन क्षतिग्रस्त होने के कारण जल प्रदाय में अवरोध हो रहा है वहां हैण्डपंप व मोटर के माध्यम से जल आपूर्ति कराई जाय। बैठक में निर्देश दिये गये कि नगरीय क्षेत्र के वार्डों में जिन हैण्डपंप में जल स्त्रोत नीचे चला गया है वहां राइजल पाइप बढ़ाकर हैण्डपंप को दुरूस्त किया जाय। साथ ही बिगड़े हैण्डपंपों को शीघ्र सुधारा जाय तथा जिन हैण्डपंप का पानी पीने योग्य नहीं हो उसमें लाल कलर से मार्किंग करें।

ग्रामीण नल जल योजनाओं की प्रगति की समीक्षा : ग्रामीण क्षेत्रों में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी एवं मैकेनिकल खण्ड द्वारा एकल व समूह ग्राम योजनाओं का संचालन किया जा रहा है। बैठक में निर्देश दिये गये कि ग्रामीण नल जल योजनाओं का व्यवस्थित ढंग से संचालन सुनिश्चित कराया जाय। जल स्तर घटने से जो जल स्त्रोत नीचे चले गये हैं वहां अधिक क्षमता का पंप स्थापित कर पेयजल आपूर्ति निर्बाध रूप से की जाय। इस अवसर पर बताया गया कि जिले में कुल 302 स्वीकृत एकल ग्राम योजनाओं में से 175 का कार्य पूर्ण कर लिया गया है तथा 127 योजनाएं प्रगतिरत हैं। इनमें से 159 योजनाएं ग्राम पंचायतों को हस्तांरित की जा चुकी हैं। बैठक में बताया गया कि ग्रीष्मकाल में संभावित पेयजल समस्या वाले ग्रामों में मऊगंज के 14, हनुमना के 17 तथा नईगढ़ी के 13 ग्राम शामिल हैं जहां पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित कराई गई है।

नगर पालिका में शामिल होनें 23 गांवों को इंतजार

जागरण विस्तार

भोपाल में ठंडे बस्ते में कैद है सीमा वृद्धि की फाइल

सीधी विधायक सीएम को लिख चुकी हैं पत्र

जागरण, सीधी

नगर पालिका परिषद सीधी की सीमा वृद्धि कर 23 ग्रामों को जोड़ने की फाइल वल्लभ भवन भोपाल में करीब 4 वर्षों से ठंडे बस्ते में कैद है। नगर पालिका परिषद सीधी की सीमा वृद्धि कर संबंधित ग्रामों को जोड़ने मुख्यमंत्री को सीधी विधायक के पत्र लिखने के बाद नेता प्रतिपक्ष भी प्रमुख सचिव को पत्र लिख चुके है। बताते चलें कि शहर से लगे 23 ग्रामों को नगर पालिका परिषद सीधी में जोड़ने की कार्यवाही जिला स्तर से 4 वर्ष पूर्व ही पूरी कर भोपाल भेजी जा चुकी है। विडम्बना यह है कि वल्लभ भवन भोपाल से नगर पालिका परिषद सीधी के सीमा वृद्धि को हरी झण्डी अभी तक नहीं मिल सकी है। इस संबंध में सीधी विधायक श्रीमती रीती पाठक द्वारा मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर जल्द से जल्द स्वीकृति प्रदान करने का आग्रह किया था। वही तत्संबंध में मप्र विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष के विशेष कर्तव्यस्त अधिकारी पीएल विश्वकर्मा द्वारा दिनांक 19 मई 2025 को प्रमुख सचिव नगरीय विकास एवं आवास भोपाल को पत्र क्रमांक 2252 भेजकर शीघ्र कार्यवाही के लिये अपेक्षा कर चुके है। गौरतलब है कि नगर पालिका परिषद सीधी में सम्मिलित होने वाले 23 गांवों में पड़ैनिया पवाई, पड़ैनिया खुर्द, पड़ैनिया कला, बटौली, हिनौता, जोरौंधा, विजयपुर, सोनाखांड, मूड़ी, खैरही, रामगढ़, रामपुर, पडरा, मुठिगवां कला, मुठिगवां खुर्द, जमोड़ी सेंगरान, पनवार बघेलान, पनवार सेंगरान, जमोड़ी कला, मधुरी पवाई, नौढिया, कोतरखुर्द शामिल हैं। नगर पालिका में उक्त 23 गांवों के जुडने के बाद नगर पालिका की नई सीमा बन जायेगी। उत्तरी सीमा में राजस्व ग्राम मधुरी पवाई, नौढिया एवं कोतर खुर्द गांव अंतिम सीमा हो जायेगी। वहीं पूर्व में राजस्व ग्राम कोतर खुर्द, पड़ैनिया खुर्द, पड़ैनिया कला, पड़ैनिया पवाई, बटौली तथा जोरौंधा अंतिम पूर्व सीमा बनेगी। इसी तरह दक्षिण दिशा में राजस्व ग्राम सोनाखांड, मूड़ी, रामगढ़, खैरही, रामपुर, पडरा दक्षिणी सीमा बनेगी। वहीं पश्चिम में राजस्व ग्राम पनवार चौहानन टोला, पनवार बघेलान, जमोड़ी सेंगरान, जमोड़ी कला, जमोड़ी खुर्द अंतिम सीमा बनेगी। नगर पालिका में शामिल होने वाले 23 गांव के रहवासी काफी बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं कि उनका क्षेत्र नगर पालिका में शामिल होगा।

23 ग्रामों के विकास पर लगा ग्रहण

नगर पालिका परिषद सीधी की सीमा वृद्धि की कार्यवाही 4 वर्षो से भोपाल में लंबित होने के कारण शहर से लगे 23 ग्रामों का विकास कार्य अवरूद्ध हो गया है। चर्चा के दौरान संबंधित गांवों के कुछ लोगों का कहना था कि उनका गांव नगर पालिका में शामिल होने वाला है, इस वजह से ग्राम पंचायत में कोई विकास संबंधी कार्य स्वीकृत नहीं हो रहे हैं। आवश्यकता के अनुसार विकास कार्य न होने से उनका क्षेत्र काफी पीछे जा रहा है।

जिला स्तर से पूरी हो चुकी है कार्रवाई

नगर पालिका सीधी सीमावृद्धि कर 23 ग्राम को जोडने का मामला दो वर्षो से नगरीय विकास एवं आवास मप्र शासन भोपाल के यहां लटका हुआ है। कलेक्टर शहरी विकास जिला सीधी द्वारा नगर पालिका सीधी की सीमा वृद्धि पर स्थानीय निकाय की अधिसूचना दिनांक 21 मार्च 2023 को जारी कर 15 दिवस के भीतर लिखित आपत्ति/सुझाव आमंत्रण की कार्यवाही पूर्ण की गयी थी। तत्पश्चात नगर पालिका सीधी की सीमा वृद्धि के लिये आवश्यक फाइल भोपाल प्रेषित की गयी। जिस पर मध्यप्रदेश राजपत्र में भी कार्यवाही का प्रकाशन 7 अप्रैल 2023 को हो चुका है फिर भी नगर पालिका सीधी की सीमा वृद्धि कर 23 ग्रामों को जोड़ने की कार्यवाही नगरीय विकास एवं आवास भोपाल में 4 वर्षों से लम्बित है।

नगरीय प्रशासन मंत्री से तत्संबंध में मेरी बात हो चुकी है। उनके द्वारा आश्वस्त किया गया है कि जब भी कैबिनेट की बैठक होगी नगर पालिका सीधी के सीमावृद्धि के प्रस्ताव को मंजूरी के लिए रखा जाएगा। नगर पालिका सीधी की सीमा वृद्धि हो यह उनकी प्राथमिकता में शामिल है।

श्रीमती रीती पाठक, विधायक विधानसभा क्षेत्र सीधी

नाबालिग किशोरी बरामद, आरोपी गुजरात से गिरफ्तार

जागरण, सीधी। गुमशुदा बालक-बालिकाओं की शीघ्र बरामदगी हेतु पुलिस मुख्यालय द्वारा संचालित अभियान मुस्कान के अंतर्गत पुलिस अधीक्षक सीधी संतोष कोरी के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविंद श्रीवास्तव एवं उप पुलिस अधीक्षक मुख्यालय अमन मिश्रा के मार्गदर्शन में थाना जमोड़ी पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है। पुलिस टीम ने शादी का झांसा देकर अपहृत की गई नाबालिग किशोरी को सुरक्षित दस्तयाब करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार दिनांक 16 अप्रैल 2026 को थाना जमोड़ी क्षेत्र से एक नाबालिग किशोरी संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई थी। विवेचना के दौरान यह तथ्य प्रकाश में आया कि आरोपी द्वारा किशोरी को शादी एवं बेहतर भविष्य का प्रलोभन देकर बहला-फुसलाकर अपने साथ ले जाया गया था। मामले की गंभीरता को दृष्टिगत रखते हुए पुलिस टीम द्वारा तकनीकी साक्ष्यों एवं मुखबिर सूचना के आधार पर आरोपी की लोकेशन सूरत गुजरात में चिन्हित की गई। थाना प्रभारी जमोड़ी उनि दिव्य प्रकाश त्रिपाठी के नेतृत्व में गठित टीम तत्काल रवाना हुई। इसी दौरान आरोपी किशोरी को लेकर सूरत से लगभग 130 किलोमीटर दूर वापी पहुंच गया। सतत प्रयास एवं त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने वापी बस स्टैंड से नाबालिग को सुरक्षित बरामद कर आरोपी को मौके से गिरफ्तार किया। आरोपी को सीधी लाकर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया है। लगभग 1350 किलोमीटर दूर जाकर चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में इस ऑपरेशन को सफलतापूर्वक अंजाम देने में थाना प्रभारी उनि दिव्य प्रकाश त्रिपाठी, एसआई वर्षा यादव, एएसआई वीरभान, आरक्षक नीरज, आरक्षक सविता तथा साइबर सेल से प्रदीप एवं कृष्ण मुरारी की महत्वपूर्ण एवं सराहनीय भूमिका रही।

गुमराह कर अपहरण करने वाला आरोपी गिरफ्तार

जागरण, सीधी। पुलिस अधीक्षक सीधी संतोष कोरी के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविंद श्रीवास्तव तथा एसडीओपी चुरहट रवि प्रकाश कोल के मार्गदर्शन में थाना कमर्जी पुलिस द्वारा नाबालिग बालिका के अपहरण एवं दुराचार के प्रकरण में त्वरित एवं प्रभावी कार्यवाही करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार दिनांक 26 अप्रैल 2026 को थाना कमर्जी में फरियादी द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि उनकी नाबालिग पुत्री रात्रि करीब 1 बजे घर से बिना बताए लापता हो गई है। परिजनों द्वारा गांव एवं रिश्तेदारों के यहां तलाश के बावजूद बालिका का कोई पता नहीं चला। फरियादी को संदेह था कि किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा बालिका को बहला-फुसलाकर भगा ले जाया गया है। रिपोर्ट पर थाना कमर्जी में धारा 137(2) बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की गई। विवेचना के दौरान 27 अप्रैल 2026 को ग्राम बघेड़ा से नाबालिग बालिका को सकुशल दस्तयाब किया गया एवं विधिवत उसकी माता को सुपुर्द किया गया। आरोपी द्वारा गुमराह कर बहला-फुसलाकर अपने साथ ले जाया गया तथा उसके साथ दुराचार किया गया। उक्त आधार पर प्रकरण में धारा 65(1), 96 बीएनएस एवं 3/4 पॉक्सो एक्ट का इजाफा किया गया। पुलिस द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए 28 अप्रैल 2026 को आरोपी को गिरफ्तार किया गया तथा 29 अप्रैल 2026 को विशेष न्यायालय पॉक्सो एक्ट सीधी में पेश किया गया, जहां से आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया है। उक्त कार्यवाही में उनि इन्द्राज सिंह थाना प्रभारी कमर्जी, आरक्षक शिवम पाण्डेय एवं मआर अंजली कुशवाहा का सराहनीय योगदान रहा।

रेलवे चौपाल आयोजित, त्वरित निराकरण की पहल

जागरण, सीधी। रीवा-सीधी-सिंगरौली नई रेलवे लाइन परियोजना के अंतर्गत आज जिले में चुरहट, रामपुर नैकिन, सीधी रेलवे स्टेशन तथा चंदवाही में रेलवे चौपाल का आयोजन किया गया। जिला प्रशासन द्वारा यह पहल भू-अर्जन एवं निर्माण कार्यों से संबंधित शिकायतों के त्वरित निराकरण और जनसंवाद को मजबूत बनाने के उद्देश्य से की गई। चौपाल में प्रभावित ग्रामीणों एवं नागरिकों ने भाग लेकर अपनी समस्याएं सीधे अधिकारियों के समक्ष रखीं। राजस्व, रेलवे एवं भू-अर्जन से जुड़े विभागों के अधिकारी मौके पर उपस्थित रहे और प्राप्त शिकायतों का तत्काल निराकरण करने का प्रयास किया गया। साथ ही जिन प्रकरणों का निराकरण तत्काल संभव नहीं था, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र निस्तारण के लिए दर्ज किया गया। चौपाल के दौरान भूमि अधिग्रहण, मुआवजा भुगतान, सीमांकन, पहुंच मार्ग एवं निर्माण कार्यों से संबंधित विभिन्न मुद्दे सामने आए। अधिकारियों द्वारा प्रत्येक प्रकरण की सुनवाई कर संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश दिए गए, जिससे प्रभावित नागरिकों को समयबद्ध राहत मिल सके। चौपाल में उपस्थित नागरिकों ने प्रशासन की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इससे उन्हें अपनी समस्याएं सीधे रखने का अवसर मिला है। अधिकारियों ने भी आश्वस्त किया कि सभी शिकायतों का पारदर्शी एवं समयसीमा में निराकरण सुनिश्चित किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि हाल ही में कलेक्टर विकास मिश्रा द्वारा तहसील रामपुर नैकिन के ग्राम झांझ से चुरहट तक रेलवे कार्यों का स्थल निरीक्षण कर परियोजना की प्रगति की समीक्षा की गई थी। इसी क्रम में रेलवे चौपाल की शुरुआत कर जनसमस्याओं के समाधान की प्रक्रिया को और अधिक प्रभावी बनाया गया है।

शहर एवं ग्रामीण अंचल की खबरें

संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ 4 को

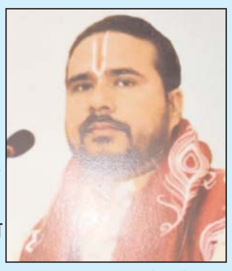

जागरण, सीधी। विंध्य क्षेत्र की पावन धरा बघेलखंड की भूमि पर सीधी जिले के पिपरांव ग्राम में जगन्नाथ पुरी धाम ओडिशा से पधार रहे कथा प्रवक्ता वैष्णवाचार्य डॉ. आदिकेशव रामानुज दास जी महराज 4 मई 2026 को भव्य कलश यात्रा के साथ संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ करेंगे। ज्योतिष कर्मकांड विशेषज्ञ आचार्य श्री सतीष पाण्डेय जी महराज जी के सानिध्य में इस कथा का लाभ दूर-दूर से प्राप्त करने आ रहे है भक्तगण विशेष, बड़े ब्रह्मदेव आश्रम से श्री हितराधिका शरण जी का एवं विशेष आतिथ्य में संतों का आगमन होगा। कथा के मुख्य श्रोता सुनीता अनिल सिंह के साथ समस्त ग्राम क्षेत्र, जिले के समस्त श्रद्धालु भक्तगणों को आमंत्रित किया गया है। सुमधुर कथा का सत्संग पाठ जगन्नाथ पुरी यूट्यूब चैनल लाइव प्रसारण में शामिल होकर श्रद्धालु भी अपने जीवन के मार्ग को प्रशस्त करेंगे।

छवारी में मझौली पुलिस का लगा चौपाल

जागरण, मझौली। पुलिस कार्य प्रणाली में प्रदर्शिता लाकर आमजनो की समस्याओं के त्वरित निराकरण किए जाने, पुलिस के मध्य विश्वास, समन्वय में मजबूती बनाए रखकर सहयोग की भावना को जागृत कर लोगों में जन जागरूकता लाने के उद्देश्य से सीधी पुलिस द्वारा चलाए जा रहे आपकी पुलिस आपके द्वार कार्यक्रम अंतर्गत पुलिस अधीक्षक सीधी के निर्देशन में आयोजित जन चौपाल में 28 अप्रैल को थाना प्रभारी मझौली उप निरीक्षक विशाल शर्मा पुलिस दल-बल के साथ शाम 4 बजे मझौली थाना क्षेत्र के ग्राम छवारी में पहुंच अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सीधी व पुलिस अनुविभागीय अधिकारी मझौली कुसमी के मार्गदर्शन में जन चौपाल आयोजित कर आमजन की समस्याएं सुन समाधान किये। ग्रामीणजनों को पुलिस विभाग द्वारा संचालित जनहितकारी योजनाओं, महिला संबंधी अपराधों पर त्वरित कार्यवाही, साइबर अपराधों से बचाव, नशे के विरुद्ध जागरूकता अभियान तथा स्थानीय समस्याओं के समाधान हेतु पुलिस की भूमिका के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई, साथ ही यातयात जागरूकता के संम्बंध में भारत सरकार द्वारा चलाई जा रही पीएम राहत स्कीम, राह वीर योजना के तहत एक्सीडेंट के समय क्या लाभ अर्जित किये जाने के संबंध में जानकारी दी गई। उक्त जन चौपाल कार्यक्रम में थाना प्रभारी उप निरीक्षक विशाल शर्मा, उप निरीक्षक पीएल ट्राडियां, प्रधान आरक्षक अनूप सिंह पेडरो, आरक्षक आशुतोष मिश्रा, अक्षय तिवारी सहित अन्य सम्मानित जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिकों के साथ सैकड़ा भर से अधिक संख्या में लोग उपस्थित रहे।

जागरूकता बाइक रैली निकालकर दिया सुरक्षा का संदेश

जागरण, सीधी। प्रदेश स्तर पर दोपहिया वाहन चालकों के लिए हेलमेट धारण करने की अनिवार्यता को प्रभावी रूप से लागू करने हेतु दिनांक 26 अप्रैल 2026 से 10 मई 2026 तक पुलिस मुख्यालय द्वारा विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक सीधी संतोष कोरी के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविंद श्रीवास्तव एवं उप पुलिस अधीक्षक मुख्यालय अमन मिश्रा के मार्गदर्शन में यातायात पुलिस द्वारा व्यापक जनजागरूकता गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। इसी कड़ी में थाना प्रभारी यातायात उपनिरीक्षक भूपेश बैस के नेतृत्व में पुलिस लाइन सीधी से एक जागरूकता बाइक रैली निकाली गई, जिसे रक्षित निरीक्षक रक्षित केंद्र वीरेंद्र कुमरे द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। रैली पुलिस लाइन से प्रारंभ होकर सम्राट चौराहा, कलेक्ट्रेट तिराहा एवं सर्किट हाउस मार्ग से होते हुए पुनः पुलिस लाइन में सम्पन्न हुई। रैली के माध्यम से आमजन को हेलमेट धारण करने एवं यातायात नियमों के पालन हेतु प्रेरित किया गया। प्रदेश में प्रतिवर्ष सड़क दुर्घटनाओं में अनेक अमूल्य जानें जाती हैं, जिनमें बड़ी संख्या दोपहिया वाहन चालकों की होती है। अधिकांश मामलों में हेलमेट का उपयोग न करना गंभीर चोट एवं मृत्यु का प्रमुख कारण बनता है। ऐसे में हेलमेट का उपयोग न केवल कानूनी दायित्व है, बल्कि जीवन रक्षा का महत्वपूर्ण साधन भी है। अभियान के दौरान हेलमेट न पहनने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध चालानी कार्यवाही के साथ-साथ सुधारात्मक दृष्टिकोण अपनाया जा रहा है। शैक्षणिक संस्थानों, कोचिंग संस्थानों एवं सार्वजनिक स्थलों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं तथा सोशल मीडिया के माध्यम से भी व्यापक प्रचार-प्रसार किया जा रहा है।

सुबह के भ्रमण में कलेक्टर ने यातायात का लिया जायजा

जागरण, सीधी। कलेक्टर विकास मिश्रा ने आज प्रातः सीधी नगर पालिका क्षेत्र का भ्रमण कर यातायात प्रबंधन एवं स्वच्छता व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने प्रमुख मार्गों, बाजार क्षेत्रों एवं सार्वजनिक स्थलों का दौरा कर व्यवस्थाओं की स्थिति का जायजा लिया। भ्रमण के दौरान कलेक्टर ने सड़कों पर यातायात की सुगमता, अतिक्रमण की स्थिति तथा पार्किंग व्यवस्था का निरीक्षण किया और संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि यातायात को सुचारू बनाए रखने के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएं तथा अव्यवस्थित पार्किंग और अतिक्रमण पर सख्ती से कार्रवाई की जाए। कलेक्टर ने नगर में साफ-सफाई, कचरा संग्रहण एवं निस्तारण की व्यवस्था का भी निरीक्षण किया तथा नगर पालिका अमले को निर्देश दिए कि नियमित सफाई व्यवस्था सुनिश्चित की जाए और कचरे का समयबद्ध उठाव किया जाए, ताकि शहर में स्वच्छता बनी रहे। इस दौरान उपखंड अधिकारी राकेश शुक्ला, डिप्टी कलेक्टर एवं प्रभारी मुख्य नगर पालिका अधिकारी प्रिया पाठक सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। अधिकारियों को समन्वय के साथ कार्य करते हुए नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने कहा कि शहर की स्वच्छता एवं यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाए रखना प्रशासन की प्राथमिकता है, जिसके लिए निरंतर निगरानी एवं सुधारात्मक कार्यवाही की जाएगी।

संदिग्ध हालात में विवाहिता का फांसी पर लटका मिला शव

हत्या या आत्महत्या की जांच में जुटी पुलिस

मृतका के भाई ने लगाया दहेज हत्या का आरोप

जागरण, सीधी

जिले के बहरी थानांतर्गत ग्राम खुटेली में शुक्रवार सुबह एक 23 वर्षीय विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में शव फांसी के फंदे में लटका मिला। मृतका साधना विश्वकर्मा पति पुष्पेंद्र विश्वकर्मा का शव सुबह करीब 8 बजे घर में फांसी के फंदे पर लटका हुआ मिला। घटना के बाद पूरे गांव में सनसनी फैल गई। मृतका के परिजनों द्वारा तत्काल इसकी सूचना थाना बहरी पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी राजेश पाण्डेय अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और हालात का जायजा लिया। साथ ही तहसीलदार इंद्रभान सिंह भी घटनास्थल पर पहुंचे और आवश्यक कार्रवाई शुरू की गई। वही मृतका के भाई शिवम विश्वकर्मा ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि उसकी बहन की हत्या कर उसे फांसी पर लटकाया गया है। उनका कहना है कि शादी के बाद से ही साधना को दहेज के लिए लगातार प्रताड़ित किया जा रहा था। इसको लेकर कई बार विवाद भी हुआए जिसे गांव के लोगों ने समझौते के जरिए शांत कराया था। परिजनों ने प्रशासन से मांग किया कि पोस्टमार्टम दो डॉक्टरों की टीम द्वारा कराया जाए ताकि निष्पक्ष जांच हो सके और दोषियों को कड़ी सजा मिल सके। मृतका की एक दो साल की मासूम बच्ची भी है, जो अब मां के साए से वंचित हो गई है।

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मर्ग कायम कर शव को पोस्टमार्टम के लिए बहरी अस्पताल भेजा गया। मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और जो भी तथ्य सामने आएंगे, उसके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

राजेश पाण्डेय, थाना प्रभारी बहरी

बाजार में बिक रहे सड़े फल व दूषित सामग्री, अधिकारियों की बनी अनदेखी

वैवाहिक सीजन में बनीं सर्वाधिक मनमानी

जागरण, सीधी

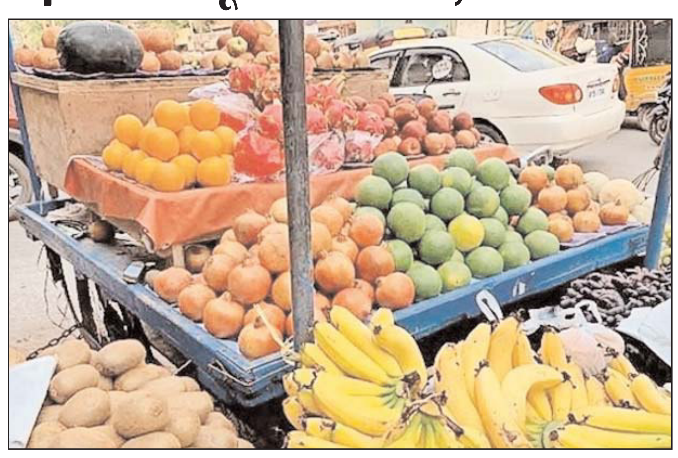

नगर पालिका और खाद्य सुरक्षा विभाग की अनदेखी के चलते वैवाहिक सीजन में बाजार में सड़े फल और दूषित खाद्य सामग्री धड़ल्ले से बेंची जा रही है। जिससे लोग बीमारियों की चपेट में आ रहे हैं। इस साल प्रशासन द्वारा इन पर अंकुश लगाने के लिए कोई मुहिम शुरू नही की गई है। जिससे नपा और खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की अनदेखी शहर के नागरिकों पर भारी पड़ रही है। मालुम हो कि गत वर्ष नगर पालिका की स्वास्थ्य शाखा, खाद्य सुरक्षा अधिकारियों द्वारा संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए मुहिम चलाकर दूषित फलों को फिकवाने और कार्रवाई करने के साथ ही होटल, रेस्टोंरेंट और नाश्ता आदि ठेलो पर बिकने वाली खाद्य सामग्री की जांच की जाती थी और सेंपल भी लिए जाते थे वही ज्यादा लापरवाही पाये जाने पर कार्रवाई भी की जाती थी। लेकिन इस बार ऐसा कुछ देखने में नही आ रहा है। चाय-नास्ता की दुकानों और हांथ ठेला आदि का समोसा, कचौड़ी, पोहा-जलेबी, पूड़ी, चाट आदि खाद्य सामग्री बगैर ढंके ही धड़ल्ले से बेची जा रही है। जिससे इन पर मख्खी-मच्छर भिनभिनाते रहते है। वहीं सडक से उडने वाली धूल इन पर लगती है। जिससे यह खाद्य सामग्री दूषित हो जाती है। और इन्हे खाने से विभिन्न प्रकार की बीमारियों की चपेट में नागरिक आते है। नाश्ता आदि बनाने वाले ज्यादातर दुकानदार जिस कढ़ाई में समोसे-कचौड़ी बनाते है उस कढ़ाई का तेल महीनो नही बदला जाता और न ही उन्हे साफ किया जाता है। थोड़ा कम तेल होने पर और तेल उसी कढ़ाई में डाल दिया जाता है। इस प्रकार कढ़ाई का तेल महीनो चल जाता है। शहर में खाद्य सामग्री बनाते समय कई जगह साफ-सफाई व स्वच्छता का ध्यान नही रखा जाता है। सब्जी मंडी से लेकर सोनांचल बस स्टैण्ड, गांधी चौक, मानस भवन, अस्पताल तिराहा, सम्राट चौक आदि जगहों पर हांथ ठेलों पर सड़े-गले फल बेंचे जा रहे है। कई बार ग्राहकों को कम कीमत का लालच देकर उन्हे ये फल बेंच दिए जाते है। तो कई बार अच्छे फलों के बीच सड़े फल रखकर बेंचे जा रहे है। वहीं कटे फलों पर मक्खी-मधुमक्खी और बर्रैया आदि भिनभिनाती रहती है और ग्राहकों के आने पर मक्खी आदि भगाकर यही फल ग्राहकों को बेंच दिए जाते है। जिन्हे खाने से लोगों के स्वास्थ्य पर असर पड़ता है। वैवाहिक सीजन के दौरान फलों की मांग बढ़ जाने के कारण कारोबारियों की मनमानी और भी चरम पर पहुंच जाती है। इस दौरान संबंधित विभागों के अधिकारी भी पूरी तरह से कार्रवाई करने में लापवाह बनें रहते हैं। जिसका खामियाजा आम लोगों को भुगतना पड़ता है।

बकवा, कठौली, हनुमानगढ़ एवं चंदवाही में स्वास्थ्य शिविर आज

जागरण, सीधी। जिले के दूरस्थ क्षेत्रों में आमजन को स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने एवं समस्याओं के त्वरित निराकरण के उद्देश्य से विशेष स्वास्थ्य परीक्षण शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत शैलेन्द्र सिंह सोलंकी द्वारा इस संबंध में आदेश जारी किए गए हैं। जारी आदेशानुसार, 2 मई 2026 को प्रातः 9 बजे से दोपहर 1 बजे तक जिले के विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों के चयनित ग्राम पंचायतों में शिविर आयोजित किए जाएंगे। इनमें धौहनी विधानसभा के ग्राम पंचायत बकवा, सीधी विधानसभा के ग्राम पंचायत कठौली, चुरहट विधानसभा के ग्राम पंचायत हनुमानगढ़ तथा सिहावल विधानसभा के ग्राम पंचायत चंदवाही शामिल हैं। इन शिविरों में नोडल अधिकारी के रूप में संबंधित क्षेत्र के सीडीपीओ एवं बीएमओ की जिम्मेदारी निर्धारित की गई है। शिविरों में महिला एवं बाल विकास, स्वास्थ्य विभाग, सामाजिक न्याय तथा आयुष विभाग की संयुक्त भागीदारी रहेगी, जिससे अधिक से अधिक लोगों को समेकित सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकें।

अंतरराष्ट्रीय श्रमिक दिवस पर श्रमिकों हेतु बहुआयामी पहलें शुरू

शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा और रोजगार से जुड़े कार्यक्रमों से मिल रहा लाभ

जागरण, सीधी

अंतरराष्ट्रीय श्रम दिवस 1 मई के अवसर पर आयोजित मीडिया ब्रीफिंग में अपर कलेक्टर बीपी पाण्डेय तथा श्रम पदाधिकारी आकांक्षा पाठक ने जानकारी देते हुए बताया कि जिले में श्रमिकों एवं उनके परिवारों के समग्र कल्याण हेतु अनेक महत्वपूर्ण एवं प्रभावी पहलें प्रारंभ की गई हैं। जिला प्रशासन द्वारा श्रमिकों के जीवन में सुरक्षा, सम्मान और स्थायित्व सुनिश्चित करने के उद्देश्य से शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा एवं रोजगार से जुड़ी योजनाओं का सुदृढ़ एवं परिणामोन्मुख क्रियान्वयन किया जा रहा है। श्रम पदाधिकारी ने बताया कि जिले में श्रमोदय कोचिंग की अभिनव पहल शुरू की गई है। इसके अंतर्गत मुख्यमंत्री जनकल्याण (संबल) योजना एवं भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कार्डधारी श्रमिकों के बच्चों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु निःशुल्क मार्गदर्शन एवं कोचिंग प्रदान की जा रही है। यह कोचिंग चुरहट में प्रत्येक शनिवार सायं 4 बजे से 6 बजे तक संचालित होगी, जिससे श्रमिक परिवारों के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं उज्जवल भविष्य के अवसर प्राप्त होंगे। जनपद पंचायत रामपुर नैकिन में 1 मई को श्रम विभाग की योजनाओं की समीक्षा बैठक एवं कार्यशाला आयोजित की गई, जिसमें सचिवों, ग्राम रोजगार सहायकों, श्रमिकों एवं ठेकेदारों की सक्रिय सहभागिता रही। कार्यशाला में श्रमिकों के पलायन की समस्या, योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन तथा जन-जागरूकता बढ़ाने पर विशेष जोर दिया गया। इसी प्रकार अन्य जनपद पंचायतों में भी चरणबद्ध रूप से ऐसी गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। जिले की सभी ग्राम पंचायतों में नियमित ग्राम सभाओं के आयोजन के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही प्रवासी श्रमिकों का व्यवस्थित डेटा संकलन कर प्रत्येक पंचायत में उनका रिकॉर्ड तैयार किया जा रहा है। 10 लाख रुपये से अधिक लागत के निर्माण कार्यों का भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार अधिनियम के अंतर्गत अनिवार्य पंजीयन तथा कार्यरत श्रमिकों का संबल या भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार में पंजीयन सुनिश्चित कराया जा रहा है। श्रम अधिनियमों का उत्कृष्ट पालन करने वाले संस्थानों को श्रम स्टार रेटिंग प्रदान करने की भी योजना है। प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना के अंतर्गत 18 से 40 वर्ष आयु वर्ग के असंगठित श्रमिकों का पंजीयन कर उन्हें 60 वर्ष की आयु के पश्चात प्रतिमाह 3 हजार रुपये की सुनिश्चित पेंशन प्रदान की जाएगी। श्रमिक की मृत्यु के उपरांत परिवार को पारिवारिक पेंशन का लाभ भी मिलेगा। जिले में अब तक 213 पंजीयन किए जा चुके हैं, जिससे सीधी प्रदेश में 13वें स्थान पर है। वहीं संबल 2.0 के लंबित प्रकरणों के निराकरण में जिला प्रदेश में चौथे स्थान पर है। श्रम पदाधिकारी आकांक्षा पाठक ने कहा कि जिला प्रशासन का उद्देश्य श्रमिकों को केवल योजनाओं का लाभ देना ही नहीं, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर बनाते हुए उनके जीवन स्तर में स्थायी सुधार लाना है। शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा और रोजगार के माध्यम से श्रमिकों के समग्र विकास के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं, ताकि वे समाज की मुख्य धारा में सशक्त रूप से जुड़ सकें।

योजनाओं का लाभ सीधे हितग्राहियों तक

श्रमिक हितों के संरक्षण हेतु जिले के विभिन्न स्थानों कुसमी (टमसार), नगर पालिका सीधी (लालता चौक), सिहावल (बहरी), सीधी (पडरा) एवं रामपुर नैकिन (धनहा) में विशेष शिविर आयोजित किए गए, जिनके माध्यम से योजनाओं का लाभ सीधे हितग्राहियों तक पहुंचाया गया। नगर पालिका सीधी में सफाई कर्मियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया, वहीं सभी विकासखंडों में स्व-सहायता समूह की महिलाओं का पंजीयन कराया जा रहा है। प्रत्येक माह युवा संगम करियर मेला आयोजित कर युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। मोटर यातायात श्रमिकों के लिए स्वास्थ्य परीक्षण एवं नेत्र जांच की व्यवस्था भी सुनिश्चित की गई है। एक मई को रामपुर नैकिन बस स्टैंड पर भी निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण एवं पंजीयन शिविर आयोजित किया जाएगा

संस्थापक ▸ गुरुदेव गुप्त

संपादकीय

वी2वी से पहले सड़कों को बेहतर बनाने की जरूरत

कई मायनों में, भारत बदलाव से गुजर रहा देश है और इसलिए उसे 'पहले मुर्गी या पहले अंडा' वाली आम समस्या का तरह-तरह से सामना करना पड़ता है: वह ऐसे समाधान अपनाता है जो केवल बड़े पैमाने पर संभव हैं, लेकिन उस पैमाने को क्रियान्वित कर पाने में मुश्किलें पेश आती हैं। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय वाहन-से-वाहन (वी2वी) संचार तकनीक लाने की तैयारी में है। यह तकनीक सड़क पर वाहनों को अपनी लोकेशन और आवाजाही के पथ के बारे में डेटा भेजने और प्राप्त करने की सुविधा देगी, ताकि सड़क सुरक्षा में सुधार आए। ऐसे समय में जब भारत में सड़क हादसे लगातार बढ़ रहे हैं, यह तकनीक विश्वसनीय लगती है। अप्रैल में कर्नाटक, महाराष्ट्र, और उत्तर प्रदेश में हादसों की झड़ी में 50 से ज्यादा लोग मारे गये। सुप्रीम कोर्ट ने साल 2025 में दो एक जैसी घटनाओं का स्वतः संज्ञान लिया और 26 अप्रैल को कहा कि राज्य को जीवन के संवैधानिक अधिकार को सक्रियतापूर्वक लागू करना चाहिए और राजमार्गों के मार्गाधिकार में किसी भी तरह के अवरोधों को हटाना चाहिए। हालांकि, वी2वी से मदद मिलने की उम्मीद कम है क्योंकि इसकी हार्डवेयर संबंधी मांग मौजूदा उपलब्धता की तुलना में काफी ज्यादा है, फिर भी यह महत्वपूर्ण है।

वी2वी उस ज्यादा व्यापक वी2एक्स या व्हीकल-टू-एवरीथिंग तकनीकी योजना का हिस्सा है जिसमें वाहन वी2वी के अलावा, ट्रैफिक लाइट और पथकर प्रणाली जैसे दूसरे बुनियादी-ढांचे से (वी2आई), और पदयात्रियों से (वी2पी) संचार करते हैं। हालांकि, इसे क्रियान्वित करने के लिए भारत में अभी अंतर-संचालनीयता और बैंडएज प्रणालियों का अभाव है। दरअसल, मंत्रालय ने अभी तक यह निर्दिष्ट नहीं किया है कि भारतीय वी2वी किस कुंजी (वाहनों द्वारा प्रसारित 'भाषा' के समान) - डीएसआरसी या सी-वी2एक्स - का उपयोग करेगा और स्वाभाविक रूप से इसने सार्वजनिक चिंता को जन्म दिया है।

वाहन मालिक पहले ही तेज बढ़ती अनुपालन लागतों का सामना कर रहे हैं, जिसमें वाहन लोकेशन ट्रैकिंग उपकरण और उच्च-सुरक्षा रजिस्ट्रेशन प्लेट के लिए भुगतान शामिल है। अनुमोदित उपकरणों की ऊंची लागत का बोझ घटाने के लिए सब्सिडी या प्रतिस्पर्धी वेंडर बाजार भी नहीं है। वी2वी नेटवर्क में, प्रत्येक वाहन एक 'नोड' होता है जहां ड्राइवर के लिए डेटा को प्रोसेस और व्याख्यायित किया जाता है। हालांकि, बहुत से कॉमर्शियल ड्राइवर इंटरफेस वाले ड्राइविंग वातावरण के अभ्यस्त नहीं हैं और वाहन अलर्ट को व्याख्यायित करने के लिए पर्याप्त प्रशिक्षित नहीं हैं। यह मजबूत सुरक्षा प्रोटोकॉल की गैरहाजिरी में बुरे तत्वों द्वारा झूठी चेतावनी भेजने के लिए संचार को इंटरसेप्ट करने या अनावश्यक ब्रेकिंग शुरू कराने का, और नेटवर्क चैनल कन्जेशन (अंतरराष्ट्रीय मानक 5.9 गीगाहर्ट्ज) और 'पैकट लॉस' का खतरा पैदा करता है। ज्यादा बुनियादी बात करें तो देश में समुचित सड़क डिजाइन, रूटिंग, और गति नियंत्रण का अभाव है जबकि सड़कों के इस्तेमाल में दो-पहिया वाहनों, पदयात्रियों, और गैर-मोटर यातायात का दबदबा रहता है। अगर कोई शहर 'स्मार्ट' नहीं है तो वी2वी जैसे 'स्मार्ट सिटी' वाले समाधान का प्रभाव तमाम कोशिशों के बाद भी बहुत थोड़ा होगा। यह तभी ज्यादा उपयोगी होगा जब ज्यादा उपयोगकर्ता इसे अपनाएं, लेकिन फिलहाल, इसे शुरुआत में अपनाने वालों को मामूली फायदों के साथ पूरी लागत वहन करनी होगी। अगर यह तकनीक भारतीय सड़कों का जानलेवापन कम करने में मददगार होती है, तो मंत्रालय को पहले धीरे-धीरे बुनियादी ढांचा बनाना और प्रशिक्षण शुरू करना चाहिए, वह भी चरणबद्ध आदेशों और सब्सिडी के साथ।

प्रसंगवश

सेहत और जेब दोनों पर राहतकारी हो आईसीयू

अक्सर ऐसी खबरें सामने आती रहती हैं कि देश के किसी भाग में किसी निजी अस्पताल के आईसीयू में भर्ती मरीज के ठीक होने या ठीक होने की संभावना के बावजूद उसे डिस्चार्ज नहीं किया जाता है। वजह होती है कि अस्पताल का अनवरत गति से चलने वाला कमाई का मीटर। निस्संदेह, आधुनिक चिकित्सा खर्चीली हो गई और बेहतर सुविधाओं के लिए बड़ी रकम चुकानी होती है। लेकिन इस व्यवस्था का मानवीय व संवेदनशील होना अपरिहार्य है। इसके नियमन का कार्य यूं तो देश के नीति-नियंताओं और शासन-प्रशासन को करना चाहिए था। लेकिन विडंबना यह है कि अदालत को ऐसे मामलों में पहल करनी पड़ती है।

हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा एक समान गहन चिकित्सा ईकाई दिशानिर्देशों की जरूरत बताना विसंगतियों से जूझती आईसीयू प्रणाली के लिए एक आशा की किरण लेकर आई है। इन दिशानिर्देशों में यह निर्दिष्ट किया गया है कि चिकित्सकीय रूप से स्थिर हो चुके या जिन मरीजों के अंगों को बाहरी सहायता अथवा शारीरिक निगरानी की आवश्यकता नहीं होती, उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी जानी चाहिए। उन्हें अन्य सामान्य वार्डों में स्थानांतरित किया जा सकता है। निश्चित रूप से न्यायालय के ये निर्देश चिकित्सकीय और नैतिक दोनों ही हैं। जो बताते हैं कि जरूरी न होने के बावजूद मरीज को लंबे समय तक आईसीयू में रखना अनुचित है। यह एक हकीकत है कि मानकीकृत आईसीयू प्रोटोकॉल के अभाव में एक अस्पष्ट स्थिति पैदा हो जाती है, जिसकी वजह से मरीज से जुड़े निर्णय असमंजस का शिकार होकर रह जाते हैं। वास्तव में आईसीयू में भर्ती मरीजों के तिमारदारों को चिकित्सा प्रक्रिया की गहन जानकारी अक्सर नहीं होती है। वे केवल चिकित्सक के दिशा-निर्देशों पर ही निर्भर होकर रह जाते हैं। यही वजह है कि अस्पताल प्रबंधन के रहमो-करम पर मरीज को महंगे आईसीयू में लंबे समय तक भर्ती रहने को मजबूर होना पड़ता है। कई बार ऐसा भी होता है कि गहन चिकित्सा कक्ष में भर्ती रहने के बावजूद मरीज को उपचारीय लाभ नहीं मिल रहा होता है।

सही मायनों में सुप्रीम कोर्ट के ये दिशानिर्देश एक सरल व सामान्य सिद्धांत की पुष्टि करते हुए इस विसंगति को दूर करने का प्रयास करते हैं कि किसी भी अस्पताल का आईसीयू मरीज की अनिश्चितकालीन देखभाल के लिए नहीं होता है। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि शीर्ष अदालत ने समस्या के यथाशीघ्र समाधान की जरूरत पर बल दिया है। अदालत ने डॉक्टरों की प्रतिष्ठा को संरक्षित करते हुए चिकित्सा संस्थानों व अस्पतालों की जवाबदेही सुनिश्चित करने पर बल दिया है। इस दिशा में व्यवस्थागत मुद्दों पर जोर दिया गया है, जिसमें नर्स व मरीज के अनुपात, विशेषज्ञ पर्यवेक्षण, मानक बुनियादी ढांचा और प्रशिक्षण पर ध्यान केंद्रित कराना एक सराहनीय पहल कही जाएगी।

निश्चित रूप से भारत जैसे देश में जहां स्वास्थ्य सेवा की गुणवत्ता में भारी असमानता है, ये न्यूनतम मानदंड अधिक न्यायसंगत देखभाल के लिए आधार बन सकते हैं। सही मायनों में राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को प्राथमिकता वाले क्षेत्रों की पहचान करने और समयबद्ध कार्य योजना तैयार करनी चाहिए। साथ ही निर्देश नीति के क्रियान्वयन हेतु तत्परता दिखानी चाहिए। लेकिन विगत के अनुभव बताते हैं कि एक अच्छे इरादे वाली कार्ययोजना तब अपने लक्ष्य पाने में विफल हो जाती हैं जब उसका क्रियान्वयन आधे-अधूरे ढंग से किया जाता रहा है। निश्चित रूप से निगरानी ढांचे और समन्वित राष्ट्रीय स्तर की कार्रवाई पर अदालत की पहल सही दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। लेकिन इसकी अनुपालन की सफलता राजनीतिक इच्छाशक्ति, वित्त पोषण और प्रशासनिक क्षमता पर निर्भर करेगी। साथ ही दक्षता के अलावा, मानवीय पहलू को भी नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। गहन चिकित्सा कक्ष में लंबे समय तक भर्ती रहना मरीजों और उनके परिवारों के लिए बेहद कष्टदायक होता है। स्थिर मरीजों को कम स्तर पर देखभाल की जरूरत वाले वार्डों में स्थानांतरित किए जाने से न केवल अनावश्यक चिकित्सा खर्च बचता है। बल्कि यह मानवीय दृष्टिकोण का भी परिचायक है। निश्चित रूप से आईसीयू के लिए एकसमान मानदंड लागू करने का प्रयास स्वास्थ्य प्रणाली में पारदर्शिता लाने और तर्कसंगत निर्णय लेने को बढ़ावा देने वाला साबित हो सकता है।

बुद्ध पूर्णिमा पर विशेष

गौतम बुद्ध के पवित्र अवशेष पहली बार भारतीय भूमि पर दर्शन के लिए आ रहे

महाबोधि ध्यान केंद्र, जहाँ बुद्ध घर लौटते हैं

गजेन्द्र सिंह शेखावत

भारत के इतिहास में पहली बार, तथागत बुद्ध के पवित्र अवशेष अपने स्थायी संरक्षण-स्थल से उस भूमि को आशीर्वाद देने निकले हैं, जिसने सदियों की कठिनाइयों, ऊँचाइयों और आस्था के बीच धर्म को जीवित रखा। यह एक सभ्यता का अपने आप को नमन है।

किसी राष्ट्र के जीवन में कुछ ऐसे क्षण आते हैं जब इतिहास केवल खुद को दोहराता नहीं — बल्कि और गहरा हो जाता है। जब तथागत बुद्ध के पवित्र अवशेष पहली बार भारत में लद्दाख की धरती पर उतरे, तो मैं खुद को सरकारी भाषा की ओर नहीं, बल्कि श्रद्धा की ओर मुड़ते हुए पाता हूँ। सदियों से लद्दाख ने यह ज्योति संजोए रखी है। उन क्रूर सर्दियों में जो नदियों को जमा देती हैं, ऊँचाई की एकाकी दुनिया में और दूर-दराज़ के दर्रों की कठिनाइयों के बीच — लद्दाख के लोगों ने धर्म को ऐसी निष्ठा से जीवित रखा है जो हर संस्था और सरकार को नत-मस्तक कर दे। तो यह बिल्कुल उचित है कि भारत की पहली ऐतिहासिक सार्वजनिक प्रदर्शनी यहाँ हो रही है, जहाँ आस्था ही जीवन की बुनावट है। और सोचिए — ये अवशेष कहाँ से आ रहे हैं? वे पिपरहवा, उत्तर प्रदेश से आते हैं — वह स्थान जिसे ऐतिहासिक रूप से प्राचीन कपिलवस्तु से जोड़ा जाता है, सिद्धार्थ गौतम की जन्मभूमि। उन्हें लद्दाख लाना, शाब्दिक अर्थों में, एक घर-वापसी है।

तथागत के पवित्र अवशेषों की इस पावन प्रदर्शनी का आधिकारिक नाम भी एक घोषणा है: 'संघर्ष के समय में शांति।' एक ऐसी दुनिया में जो युद्ध, विखंडन और बढ़ती दुश्मनी से जूझ रही है, ये शब्द उस सोच को चुनौती देते हैं जो संघर्ष को अनिवार्य मानती है। बुद्ध ने ढाई हज़ार साल पहले इस चुनौती का जवाब दिया था। हम उनकी भौतिक उपस्थिति को वापस ला रहे हैं ताकि दुनिया को यह याद दिला सकें कि वह उत्तर आज भी उतना ही प्रासंगिक है, जितना तब था।

गौतम बुद्ध के पवित्र अवशेष - जिन्हें अत्यंत पवित्रता के साथ संरक्षित किया गया है — पहली बार अपने स्थायी संरक्षण-स्थल से बाहर निकलकर इस पैमाने पर भारतीय भूमि पर दर्शन के लिए आए हैं। जिन्हे जेड श्रेणी की सुरक्षा के साथ, एक विशेष विमान के द्वारा लेह लाया गया है। पंद्रह दिनों तक, 1 से 15 मई तक, शुभ 2569वीं वेसाक बुद्ध पूर्णिमा के पावन अवसर से आरंभ होकर, दुनियाभर के श्रद्धालुओं, भिक्षुओं, विद्वानों और तीर्थयात्रियों तथा सामान्य दर्शकों के लिए यह प्रदर्शनी सुलभ रहेगी।

स्थान भी अपने आप में बहुत कुछ कहते हैं। महाबोधि अंतर्राष्ट्रीय ध्यान केंद्र, इस प्रदर्शनी के

आयोजन-स्थल होगा । यह ऐतिहासिक लेह पैलेस का धर्म केंद्र और जीवे-त्सल का शिक्षण स्थल है। वही पवित्र भूमि जहाँ परमपावन दलाई लामा ने अपनी शिक्षाएं दी हैं और अवशेष केवल लेह तक सीमित नहीं रहेंगे। 11 और 12 मई के बीच वे सुदूर ज़ांस्कर घाटी की यात्रा करेंगे,उस समुदाय तक बुद्ध की कृपा पहुँचाने के लिए, जिनकी बौद्ध परंपराएं उनके परिदृश्य की खाइयों जितनी गहरी हैं। यह समझने के लिए कि लद्दाख इस अवसर के लिए सही घर क्यों है, पहले लद्दाख को समझना होगा। यह केवल मठों और पहाड़ों का एक नाटकीय परिदृश्य नहीं है, चाहे वह परिदृश्य कितना भी मनोरम हो। यह धर्म का एक जीवित विश्वविद्यालय है। हेमिस मठ की शांत ऊँचाइयों से जिसका वार्षिक उत्सव समूचे हिमालयी संसार से तीर्थयात्रियों को खींचता है।

अलची के प्राचीन भित्तिचित्रों तक, जो 10वीं सदी में बने और आज भी भक्ति की प्रतिभा से जीवंत हैं; दिस्कित की विशाल मैत्रेय बुद्ध प्रतिमा से, जो श्योक नदी की ओर अनंत करुणा की दृष्टि से देखती है, थिकसे के बहुस्तरीय ज्ञान तक, जिसकी तुलना अक्सर तिब्बत के महान मठों से की जाती है। लद्दाख हज़ार वर्षों से अधिक समय से बौद्ध दर्शन, कला, पांडुलिपि परंपरा और जीवंत साधना के सबसे असाधारण भंडारों में से एक रहा है। ये मठ, इनमें रहने वाले भिक्षु उस परंपरा के सक्रिय वाहक हैं जो हिमालयी क्षेत्र के हर भू-राजनीतिक तूफान में टिकी रही। यह भारत की आधिकारिक स्वीकृति है कि लद्दाख हमेशा से नक्शे के किनारे पर एक सीमांत क्षेत्र नहीं, बल्कि राष्ट्र की पहचान के केंद्र में धड़कता हुआ एक आध्यात्मिक हृदय रहा है ।

सभ्यतागत गहराई में निहित एक दृष्टि : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लद्दाख को बौद्ध संस्कृति और आध्यात्मिकता के एक जीवंत केंद्र के रूप में निरंतर वर्णित किया है। पवित्र अवशेषों की यह यात्रा एक आध्यात्मिक आशीर्वाद भी है और बौद्ध विरासत को संजोने में लद्दाख की सदियों पुरानी भूमिका, तथा राष्ट्र की सेवा में यहाँ के लोगों के साहस और समर्पण की पहचान भी।

लद्दाख क्या सिखाता है : यह प्रदर्शनी भारत में अब तक की बौद्ध समुदायों की सबसे बड़ी सभाओं में से एक बनने की संभावना रखती है। यह पवित्र प्रदर्शनी, जो ऐसे समय में आ रही है जब क्षेत्र में वसंत आ रहा है और ऊँचे दर्रों से बर्फ पिघलने लगी है, हर उस सीमा को पार करने का आमंत्रण है जो हमें बाँटती है — संप्रदाय की, राष्ट्रीयता की, भय की। 'अवशेष आस्थावानों को आशीर्वाद देते हैं। लेकिन वे एक देखती हुई दुनिया को यह भी याद दिलाते हैं कि शक्ति के सबसे शांत रूप हमेशा सबसे स्थायी रहे हैं।'

जीवंत विरासत के प्रति हमारी प्रतिबद्धता : भारत सरकार लद्दाख को दुनिया में बौद्ध संस्कृति के सबसे महत्त्वपूर्ण जीवंत केंद्रों में से एक मानती है। हम प्रतिबद्ध हैं यहाँ के मठों के संरक्षण, बौद्ध अध्ययन के प्रोत्साहन, और इसकी अनूठी सांस्कृतिक परंपराओं की रक्षा के लिए। इस प्रदर्शनी के हिस्से के रूप में बड़ी संख्या में भिक्षुओं की एक विशाल बौद्ध जाप-सभा की योजना है,

जिसे आयोजक गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड : केंद्र सरकार मठीय संस्थाओं और लद्दाख के लोगों के साथ मिलकर काम करती रहेगी ताकि यह समृद्ध विरासत फले-फूले और दुनिया तक पहुँचे। लद्दाख पर्यटन और स्वयं इस पवित्र प्रदर्शनी के लिए हाल ही में लॉन्च किए गए डिजिटल पोर्टल इसी दिशा में उठाए गए कदम हैं। संस्कृति मंत्रालय, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ, और लद्दाख के स्थानीय संगठन — गोम्पा एसोसिएशन, बौद्ध एसोसिएशन, और उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना के नेतृत्व में केंद्रशासित प्रदेश प्रशासन ने उसी एकता के साथ मिलकर काम किया है जो स्वयं अवशेषों की शिक्षा में निहित है।

एक ऐसा क्षण जो हम सबका है : यह अनुभूति है कि किसी सभ्यता के जीवन में कुछ चीज़ें किसी भी राजनीतिक मौसम के चक्र से बड़ी होती हैं। बुद्ध का करुणा का संदेश उन्हीं चीज़ों में से एक है। उस संदेश के प्रति लद्दाख की निष्ठा भी उन्हीं में से एक है।

बुद्ध के आशीर्वाद से लद्दाख के हर घर में शांति आए, सभी समुदायों में सद्भाव हो, और सभी प्राणियों को आध्यात्मिक जागृति मिले। और यह पवित्र प्रदर्शनी हम सभी को याद दिलाए कि मनुष्य की सबसे गहरी आकांक्षा हमेशा एक ही रही है: बिना पीड़ा पहुँचाए जीना, ज्ञान के साथ कार्य करना, और दुनिया को उससे थोड़ा अधिक शांत छोड़ जाना जितनी हमें मिली थी।

बुद्धं शरणं गच्छामि।
धम्मं शरणं गच्छामि।
संघं शरणं गच्छामि।

(लेखक भारत सरकार के केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री हैं।)

खुला मंच

श्रीमतियों का किस्सा ए लग्जरी बैग

ललित शर्मा

अब राजौरी गार्डन की श्रीमती ट्विंकल एक दिन एक अत्यंत महंगा, बोले तो अत्यंत ही महंगा पर्स ले आईं.. पूरे 800 रुपए का ... और ब्रांड था 'शेनेल' ... आते ही ट्विंकल जी बोलीं चैनल का बैग लाई हूं। तभी ग्रेटर कैलाश की श्रीमती बॉबी बोलीं... शीनेल बोलो 'शीनेल '... जब बोलना ही नहीं आता, खरीदना क्या खाक आएगा। .. हम लाए हैं शीनेल 8000 का... असली वाला यही सेम।

तभी वहां से खंबानी की बीवी गीता खंबानी गुजर रहीं थीं ... उनके हाथ में भी सेम शीलेन था। कसम से उन्होंने छुपा लिया। सड़क पर बातचीत मे गुत्थम गुत्था दिल्ली की दो महिलाओं से उनका क्या मुकाबला। और वो अपना 'शेनेल' पेरिस से लाई थीं 12 लाख का...! यहां ऐसे 800/8000 के किस्से आम हैं।

उस दिन शाम को मुम्बई में एक पार्टी में जाने से पहले वो अपना शीनेल घर में छोड़ गईं। बस उनको सनक चढ़ गई... अगले दिन शीलेन के मालिक डिसूजा को कॉल लगाया। बोलीं कुछ ऐसा बैग बनाओ की दुनिया में सिर्फ मेरे पास हो और न कॉपी हो पाए। डिसूजा साहब ने कहा - भाभी बन जाएगा, पर कीमत करोड़ों में होगी। बोलीं कितनी... 5 करोड़, दस करोड़, बीस करोड़... आप बनाओ। मुझे ट्विंकल ट्विंकल नहीं दिखना।

बैग बना... 4 पीस बने केवल। मगरमच्छ की स्किन से, खालिस सोने की चेन, हीरे जड़े हुए, साथ में गारंटी की सिर्फ 4 बने हैं... एक मडोना को बेचा है, एक फलां को एक ढ़िनकानी को और एक आपको। अब खंबानी मैडम खुश... अब कहां से लाएंगी ट्विंकल और श्वेता... 'शेनेल' ।

अगले रोज खंबानी फिर नजर आईं किटी पार्टी में... आज ट्विंकल और श्वेता 'प्राडा' के बैग पर बहस कर रहीं थीं ... मेरा 900 का तो तेरा 2500 का कैसे। खंबानी मैडम ने सर पकड़ लिया, बेहोश हो गईं। एक साधारण महिला ने पानी पिलाया और बताया... बैग तो बैग है। पैसे, सामान सम्भाल कर रखने वास्ते। अब चाहे कपड़े का बना लो या गुची का ले लो ... क्या फर्क है। खंबानी जी को कहां समझ आनी थी...उनकी शुगर लो होने लगी । उधर ट्विंकल और श्वेता पंचकुइया रोड पर गुलाब जामुन से उलझती देखी गईं, ह.. वहीं खंबानी मैडम 3000 के गुलाब जामुन खाकर खुश थीं।

ये माजरा देख सुन कर अपने राम की समझ मे ये बखूबी आ गया कि , ये 'शेनेल' ये गुची ये प्राडा और अब ये मीठी... बालूशाही खाने वाले और थैले में सामान लेकर चलने वालों को समझ नहीं आ सकते। ये दुनिया ही अलग है...!

श्रम दिवस

औपचारिक और संगठित व्यवस्था को बचाए रखने की कीमत असंगठित और अनौपचारिक मजदूरों ने चुकाई

असंगठित श्रम बाजार करा रहा कामगारों का पलायन

आलोक जोशी

आज की पीढ़ी ने पलायन की बस कहानियां ही पढ़ी थीं, जब तक कि कोरोना काल में बड़े पैमाने पर शहरों से भागते लोगों को अपनी आंखों से नहीं देख लिया। तब कौन सोच सकता था कि कुछ ही साल बाद वही नजारा फिर देखने को मिलेगा? हां, पैमाना उतना बड़ा नहीं है। इन दिनों फिर से पलायन होने लगा है। हालांकि, इस बार कारण कोई बीमारी नहीं, पेट की आग है। पिछले महीने ऐसा पहली बार हुआ कि देश के बड़े शहरों, औद्योगिक व व्यापारिक केंद्रों और बड़े-बड़े निर्माण-स्थलों पर बसे मजदूरों के लिए रोटी का इंतजाम मुश्किल हो गया और वे घर की ओर रवाना हो गए।

इस संकट की जड़ तो भारत से बहुत दूर है। भारत का 50 फीसदी से ज्यादा कच्चा तेल और गैस इसी रास्ते से आता है। इस आपूर्ति के रुकने का पहला और सबसे गंभीर असर रसोई गैस पर दिखना शुरू हुआ है, लेकिन अब बात सिर्फ रसोई गैस की नहीं रह गई है। यह हमारे शहरी असंगठित श्रम बाजार, विकराल अनौपचारिक अर्थव्यवस्था, सामाजिक सुरक्षा के दावों, आपूर्ति श्रृंखला और ऊर्जा-निर्भरता की एक साथ विफलता का संकेत है। दिक्कत उन लोगों के लिए है, जिनके पास न पता है, न ठिकाना। जिनके पास गैस के कनेक्शन भी नहीं हैं। इस वक्त देश का सबसे बड़ा संकट या पलायन इन्हीं लोगों की वजह से हो रहा है।

दर्दनाक तस्वीरें गुजरात से आई हैं। पिछले दिनों सूरत स्टेशन पर हजारों प्रवासी मजदूरों की भीड़, लंबी-लंबी लाइनों और बेतरह भरी हुई ट्रेनों की खबरें आईं। अखबारों में भी खबरें आईं कि सूरत के टेक्सटाइल व पावरलूम उद्योगों में काम करनेवाले मजदूर वापस लौट रहे हैं, क्योंकि खाने की सामग्री भी महंगी हो गई है और गैस या तो मिल नहीं रही या उसके भाव आसमान पर हैं। साउथ गुजरात चैंबर ऑफ कॉमर्स ने भी जिला प्रशासन से शिकायत की कि घरेलू गैस की कमी से प्रवासी मजदूर बहुत परेशान हैं। गुजरात के लिए यह समस्या बड़ी है, क्योंकि उसका विकास मॉडल पिछड़े इलाकों से आने वाले सस्ते मजदूरों पर ही टिका हुआ है। हालांकि, महाराष्ट्र के नासिक, पुणे, औरंगाबाद जैसे आर्थिक केंद्रों और तमिलनाडु के चेन्नई व कोयंबटूर जैसे शहरों से भी बहुत से मजदूर अपने-अपने गांव-शहरों की तरफ रवाना हुए हैं।

समझना जरूरी है कि यह दिक्कत क्यों हो रही है? गैस सिलेंडरों की कालाबाजारी रोकने के लिए डिलिवरी ऑथेंटिकेशन कोड जरूरी कर दिया गया है। घरेलू गैस उपभोक्ता गवाही देंगे कि ये उपाय काम कर रहे हैं। किंतु यही उपाय उस अनौपचारिक गैस बाजार पर चोट करते हैं, जिस पर शहरों में बसे गरीबों की बड़ी आबादी निर्भर है। इनके पास अपने नाम पर कनेक्शन नहीं है और न ही खाना पकाने के लिए बिजली के हीटर या इंडक्शन जैसा कोई विकल्प है। मतलब साफ है, औपचारिक और संगठित व्यवस्था को बचाए रखने की कीमत असंगठित और अनौपचारिक मजदूर तबके ने चुकाई है। दिल्ली-एनसीआर और नोएडा में इसी किस्से का एक अलग अध्याय लिखा जा चुका है। मार्च के अंत में ही रिपोर्ट आने लगी थी कि नोएडा और ग्रेटर नोएडा के छोटे कारखानों से कई मजदूर गांव लौटने लगे हैं। उन्हें छोटे सिलेंडर मिल नहीं रहे थे या ब्लैक में कई गुना दाम पर मिल रहे थे। बाद में वही मजदूरी, महंगाई और काम की शर्तों को लेकर मजदूरों का गुस्सा सड़कों पर निकला। बात सिर्फ औद्योगिक मजदूरों पर भी नहीं रुकती। नोएडा में घरों में काम करने वाली महिलाओं ने जिस अंदाज में प्रदर्शन किए, वह साफ दिखाता है कि उनके लिए भी जिंदगी चलाना मुश्किल हो रहा है। इसके साथ ही गरीबों की यह समस्या शहरी मध्यवर्ग की समस्या में बदल जाती है।

जिन परिवारों में दो या उससे ज्यादा सदस्य कमाने में लगे हैं और घर का काम पूरी तरह सहायकों के भरोसे है, उनके लिए तो यह बड़ा संकट है। अगर हाउस हेल्प गायब हो जाएं, तो जिंदगी की लय ही टूट जाती है। दूसरी तरफ, दिल्ली-मुंबई जैसे बड़े शहरों में 'पेइंग गेस्ट' बनकर रह रहे लाखों नवयुवक और नवयुवतियां भी ऐसी ही मुसीबत में हैं। उनके गैस सिलेंडर भी अक्सर ब्लैक में ही आते हैं।

जाहिर है, आपूर्ति श्रृंखला का टूटना भले ही नीचे से शुरू हो, लेकिन उसका असर ऊपर तक जा रहा है। एक तरफ, तमाम कारखानों के पास अब मजदूर नहीं हैं, दूसरी तरफ, शहरी मध्यवर्ग की लाइफलाइन, यानी उनके घरों में काम करने वाले सहायक गायब हो रहे हैं। एक तरह से देखें, तो यह एलपीजी की किल्लत नहीं, बल्कि शहरीकरण के भीतर छिपे अन्याय का पर्दाफाश है। शहरों में बसे भद्र लोग और नीति-नियंता यह मानकर चलते हैं कि सस्ते गरीब मजदूर हमेशा उनकी सेवा के लिए उपलब्ध रहेंगे, भले ही उन्हें जानवरों जैसी जिंदगी बितानी पड़े। सिलेंडर की किल्लत के एक झटके ने दिखा दिया कि यह मॉडल कितना कमजोर है।

भारत के ऊर्जा संकट का दीर्घकालीन हल क्या होगा, वह तो एक अलग और बड़ा सवाल है। हालांकि, इसके दो तात्कालिक उपाय हैं- एक, सरकार के यह हाथ में है कि उसे गैस की आपूर्ति बढ़ाने के काम के साथ-साथ छोटे सिलेंडरों के वितरण की स्थायी और लचीली व्यवस्था बनानी चाहिए। यह जरूरी है उन लोगों को सहारा देने के लिए, जिनके पास स्थायी पता नहीं है, कागजात नहीं हैं और शायद बड़े सिलेंडर को खरीदने और भरवाने के पैसे भी नहीं हैं। दूसरा उपाय खुद मध्यवर्ग के हाथ में है। आप देख सकते हैं कि जिन परिवारों में घरेलू सहायक के रहने-खाने का इंतजाम घर के साथ ही है, वहां पर ऐसा संकट नहीं दिख रहा। साफ है, आपको अपने लिए काम करने वालों की उतनी ही परवाह करनी होगी, जितनी वे आपकी करते हैं। यह मजबूत रिश्ता किसी भी सरकारी नियम और नीति से ज्यादा कारगर साबित होता है। यही फॉर्मूला फैक्टरी मालिकों पर भी लागू होता है। जो लोग अपने मजदूरों के रहने-खाने का इंतजाम करेंगे, उनके लिए ऐसी मुश्किलों से निपटना काफी आसान होगा।

जीवन दर्शन

खुशी कोई मंजिल नहीं बल्कि यात्रा का ढंग है

यदि यात्रा बेचैनी में कटे, तो मंजिल भी बेचैनी ही देगी। और यदि यात्रा सजगता, स्वीकार और संतुलन में कटे, तो रास्ता ही आनंदमय हो जाता है। यदि हमें स्थायी खुशी चाहिए, तो दिशा बदलनी होगी। बाहर से भीतर की ओर। पाने से समझने की ओर। दौड़ से ठहराव की ओर। जब यह परिवर्तन घटता है, तब जीवन अपने आप सरल, सहज और अर्थपूर्ण हो जाता है।

मनुष्य का स्वभाव है कि वह भविष्य से बहुत अपेक्षाएं बांध लेता है। हम अक्सर यह मान लेते हैं कि जो हमें अभी नहीं मिला है, वही हमें पूर्ण करेगा, और जो हमें मिल चुका है, वह बस एक सीढ़ी थी, मंजिल नहीं। मनुष्य का मन बहुत अजीब है। वह जिस चीज को पा लेता है, उसी से ऊब जाता है, और जिसे नहीं पाया, उसी को जीवन का सार समझ बैठता है। यही उसकी त्रासदी है। वह भविष्य में जीता है, वर्तमान को टालता रहता है। वह सोचता है कि जब यह मिल जाएगा, तब खुश हो जाऊंगा। और जब वह मिल जाता है, तो खुशी कहीं और खिसक जाती है। मन कहता है कि नहीं, यह नहीं, अगला चाहिए। यदि हम ईमानदारी से अपने जीवन की ओर देखें, तो एक सरल किंतु असहज सत्य सामने आता है कि हमारी अधिकांश उपलब्धियां हमें उतनी खुशी कभी नहीं दे पाईं, जितनी हमने उनसे अपेक्षा की थी।

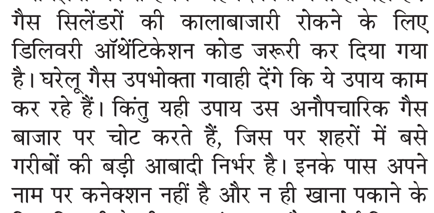

फिर भी हम उसी भूल को बार-बार दोहराते हैं, केवल पात्र बदल जाते हैं, कभी पद, कभी धन, कभी सम्मान, कभी संबंध, और कभी कोई सपना। यही मन की चाल है, और यही दुख का जन्मस्थान। हम थोड़ा सा विश्लेषण करेंगे तो पाएंगे कि हर उपलब्धि के साथ खुशी का एक छोटा-सा क्षण आता है, पर वह क्षण टिकता नहीं। जिस दिन हम उस लक्ष्य तक पहुंचते हैं, उस दिन मन थोड़ी देर के लिए तृप्त होता है, पर शीघ्र ही भीतर कोई नई आकांक्षा जन्म ले लेती है। मन फिर कहने लगता है 'अब इससे आगे।'

यही मन की आदत है। वह वर्तमान को कभी पर्याप्त नहीं मानता। उसे हमेशा कुछ और चाहिए, कुछ बड़ा, कुछ अलग। समस्या उपलब्धियों में नहीं, समस्या इस मान्यता में है कि उपलब्धियां ही हमें स्थायी सुख दे सकती हैं। उपलब्धियों से संबंधित हमारी अपेक्षाएं ही हमारे दुख का मूल हैं। अपेक्षा यह मानकर चलती है कि भविष्य हमारे अनुसार चलेगा। पर जीवन कभी हमारे अनुसार नहीं चलता, वह अपने नियमों से चलता है। जब हम उपलब्धि को खुशी की शर्त बना लेते हैं, तब हम अनजाने में वर्तमान को त्याग देते हैं। हम आज को केवल एक माध्यम बना लेते हैं, कल के लिए। और यही सबसे बड़ी चूक है। क्योंकि जीवन कभी 'कल' में नहीं जिया जाता, वह हमेशा 'अभी' में ही घटित होता है। खुशी, दरअसल, कोई वस्तु नहीं है, जिसे पाया जा सके। वह कोई पुरस्कार नहीं है, जो मेहनत के बदले हमें दे दिया जाए। खुशी एक अवस्था है, एक भीतरी संतुलन, एक सहज स्वीकार, एक आंतरिक स्थिरता। मनुष्य यह नहीं समझ पाता कि खुशी कोई परिणाम नहीं है। वह किसी लक्ष्य के अंत में नहीं बैठी है। खुशी तो तभी होती है जब मन शांत हो, जब भीतर कोई खिंचाव न हो, जब इच्छा थोड़ी देर के लिए मौन हो जाए। लेकिन मन मौन से डरता है। वह शोर चाहता है, सपनों का, योजनाओं का, भविष्य का। खुशी को जब हम बाहरी परिणामों से जोड़ देते हैं, तब हम स्वयं को अस्थिर कर लेते हैं क्योंकि बाहरी परिणाम हमारे पूर्ण नियंत्रण में नहीं होते। आज जो मिला है, कल छिन भी सकता है और जो नहीं मिला, वह कल मिल भी सकता है। ऐसे में यदि हमारी खुशी का आधार ही उपलब्धि बन जाए, तो जीवन एक सतत असंतोष में बदल जाता है। **प्रमोद निर्वाण**

॥ गीता ज्ञान ॥

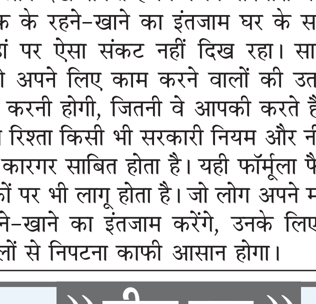

श्लोक

विद्यां ददाति विनयं विनयाद् याति पात्रताम्!
पात्रत्वात् धनमाप्नोति धनात् धर्मं ततः सुखम् !!

भावार्थ

विद्या हमें विनम्रता प्रदान करती है, विनम्रता से योग्यता आती है व योग्यता से हमें धन प्राप्त होता है और इस धन से हम धर्म के कार्य करते है और सुखी रहते है।

50,000 कामगारों के लिए वातानुकूलित आवास रोज 1 लाख लोगों के भोजन की व्यवस्था

इंटरनेशनल लेबर डे के मौके पर गौतम अडाणी का लोकल रोजगार बेहतर जीवन और कामगारों की गरिमा पर ज़ोर

जागरण, वैढ़न

अडाणी ग्रुप के फाउंडर चेयरमैन गौतम अडाणी ने इंटरनेशनल लेबर डे के मौके पर ग्रुप के भविष्य की रणनीति साझा की। उन्होंने कहा कि अब कंपनी अपनी प्रगति को सिर्फप्रोजेक्ट या एसेट्स से नही बल्कि लोगों की जिंदगी पर पड़ने वाले असर से भी मापेगी। इंटरनेशनल लेबर डे के मौके पर ग्रुप के कर्मचारियों और साझेदारों को संबोधित करते हुए गौतम अडाणी ने कहा कि अडाणी ग्रुप जो देश के 24 राज्यों में 700 से ज्यादा कार्य स्थलों का संचालन करता है और करीब 4 लाख कर्मचारियों पार्टनर्स और ठेकेदारों के साथ काम करता है अपनी प्रगति को अब सिर्फ बने हुए एसेट्स से नहीं बल्कि पैदा हुए रोजगार और मजबूत हुए समुदायों से भी मापेगा। उन्होंने कहा कि ग्रुप की इस सोच में कामगारों को राष्ट्र निर्माण के केंद्र में रखा गया है। उन्होंने कहा कि अडाणी ग्रुप का लक्ष्य सिर्फ प्रोजेक्ट पूरे करना नहीं बल्कि रोजगार के अवसर बढ़ाना और समुदायों को मजबूत बनाना है। कंपनी के अनुसार कर्मचारी ठेकेदार और पार्टनर.सभी मिलकर राष्ट्र निर्माण में योगदान देते हैं। गौतम अडाणी ने कहा जब हम कोई प्रोजेक्ट पूरा करते हैं तो हम सिर्फ काम नहीं करते बल्कि देश का भविष्य बनाते हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि अब सभी प्रोजेक्ट साइट्स पर लोकल लोगों को प्राथमिकता दी जाएगी। पहले आसपास के इलाकों के लोगों को मौका मिलेगा उसके बाद राज्य के अन्य हिस्सों और जरूरत पड़ने पर अन्य जगहों से लोगों को जोड़ा जाएगा। कामगारों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए बड़े स्तर पर पहल की जा रही है। मुंद्रा और खावड़ा में लगभग 50,000 कामगारों के लिए वातानुकूलित सुविधा के साथ रहने की व्यवस्था की जा रही है। इसके अलावा मुंद्रा में एक क्लाउड किचन तैयार किया जा रहा है जहां रोजाना करीब 1 लाख लोगों के लिए पौष्टिक खाना उपलब्ध कराया जाएगा। गौतम अडाणी ने कहा यह कोई विशेष सुविधा नहीं है बल्कि एक जरूरत है। हर कामगार को सम्मान के साथ जीने और काम करने का अधिकार है। ग्रुप अपने काम करने के तरीके में भी बदलाव ला रहा है। फैसलों को तेज़ बनाने के लिए 3 लेयर सिस्टम लागू किया जा रहा है। इससे साइट पर होने वाले निर्णय पहले की तुलना में काफी तेजी से लिए जा सकें। साथ ही कंपनी ठेकेदारों और पार्टनर्स के साथ लंबे समय तक काम करने के मॉडल पर फोकस कर रही है ताकि काम में तेजी और गुणवत्ता दोनों बढ़ाई जा सके। इस मॉडल के जरिए छोटे स्तर से शुरुआत करने वाले उद्यमियों को भी आगे बढ़ने के अवसर मिलेंगे। इसके साथ.साथ इन पार्टनर्स को फाइनेंस की सुविधा तय रिटर्न और लंबे समय तक साथ काम करने के मौके भी दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि इस तरीके से जमीनी स्तर पर कारोबार को बढ़ावा मिल रहा है। इसका उदाहरण देते हुए उन्होंने गुजरात के कच्छ के हदू वेरसी रबारी का जिक्र किया जिन्होंने एक पानी के टैंकर से काम शुरू किया था और आज कई तरह की मशीनों के साथ बड़े प्रोजेक्ट्स में काम करने वाला कारोबार खड़ा कर लिया है। इस रणनीति का तीसरा बड़ा फोकस सीखने और स्किल बढ़ाने पर है। आने वाले अडाणी स्किल्स सेंटर के जरिए कामगारों को धीरे-धीरे आगे बढ़ने का मौका मिलेगा.अनस्किल्ड काम से लेकर स्किल्ड सुपरवाइजर और फिर नेतृत्व की भूमिकाओं तक। इस दौरान गौतम अदाणी ने सुब्बू की कहानी का जिक्र किया जिन्होंने एक कामगार के तौर पर शुरुआत की और लगातार सीखते हुए कॉर्पोरेट रोल तक पहुंच गए। यह दिखाता है कि ग्रुप के अंदर ही लोगों को आगे बढ़ने के मौके देने पर जोर है। उनका यह सफर न सिर्फउनके खुद के विकास को दिखाता है बल्कि इससे स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी बने हैं। अदाणी ग्रुप अब स्किल डेवलपमेंट पर भी जोर दे रहा है। इसके तहत कामगारों को ट्रेनिंग देकर उन्हें आगे बढ़ने के अवसर दिए जाएंगे ताकि वे समय के साथ बेहतर पदों तक पहुंच सकें। मुंद्रा पोर्ट खावड़ा रिन्यूएबल एनर्जी पार्क नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट और गंगा एक्सप्रेस वे जैसे बड़े प्रोजेक्ट्स को देश के विकास से जोड़ते हुए अडाणी ने कहा कि ये सिर्फ इंफ्रास्ट्रक्चर नहीं बल्कि देश की प्रगति के साधन हैं।

सरस्वती विन्ध्यनगर में ग्रीष्मकालीन कौशल विकास प्रशिक्षण वर्ग का हुआ उद्घाटन

जागरण, विंध्यनगर। जिला सचिव डॉ. सुशील सिंह चंदेल के मुख्य आतिथ्य एवं प्रबन्धकारिणी समिति के अध्यक्ष उपेन्द्र दुबे की अध्यक्षता में ग्रीष्मावकाश के दौरान भैया-बहनों के सर्वांगीण विकास एवं पाठ्येत्तर गतिविधियों को समाहित कर उनके विशेष प्रशिक्षण का उद्घाटन किया गया। यह प्रशिक्षण वर्ग से 15 के दौरान आयोजित हो रहा है जिसमें इच्छुक भैया.बहन अनेक विधाओं में जैसे.खेलकूद पाक कला सिलाई कढ़ाई बुनाई सोशल मिडिया जागरुकता कम्प्यूटर प्रशिक्षण के साथ दशमी एवं बारहवी के भैया.बहनों को विशेष कोचिंग प्रदान की जाऐगी। जिसमें विशेष रुप से प्रशिक्षित शिक्षकों द्वारा प्रशिक्षण कार्य किया जाएगा। यह सम्पूर्ण योजना विद्यालय के प्राचार्य बैकुण्ठ शाह के मार्ग दर्शन एवं प्रधानाचार्य नीलम गुप्ता के देख.रेख में आयोजित हो रहा है। इस प्रशिक्षण में निःशुल्क रुप से इच्छुक भैया.बहनों के अलावा अभिभावक एवं मातृशक्तियों को भी आमंत्रित किया गया है। उद्घाटन अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य बैकुण्ठ शाह ने पधारे अतिथियों का परिचय एवं स्वागत कराते हुए प्रशिक्षण वर्ग की प्रस्तावना पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रशिक्षण का उद्देश्य भैया.बहनों के अन्दर निहित कौशल को निखारना एवं हर क्षेत्र में उन्हें पर्याप्त अवसर देना है। इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करती हुई विद्यालय की सह व्यवस्थापिका गायत्री श्रीवास्तव ने कहा कि यह पन्द्रह दिनों का विशेष प्रशिक्षण भैया.बहनों में निहित विलक्षण प्रतिभा को उजागर करने का अच्छा अवसर प्रदान करता है। जिला सचिव सुशील सिंह चंदेल ने इस कदम की सराहना करते हुए सनातनी शिक्षा पर जोर देने की बात कही। कार्यक्रम के अंत में प्रधानाचार्य नीलम गुप्ता ने अतिथियों अभिभावकों एवं प्रतिभागियों के प्रति विद्यालय परिवार की ओर से आभार व्यक्त किया।

एनटीपीसी-विंध्याचल द्वारा दिलीप कुमार फेगड़े के सेवानिवृत होने पर दी गई विदाई

जागरण, विंध्यनगर। एनटीपीसी-विंध्याचल परियोजना मे अपनी दीर्घ सेवा देने के पश्चात दिलीप कुमार फेगड़े अभियंता एसएलपीएस प्रचालन सेवानिवृत्त हुए। सर्वप्रथम सेवानिवृत होने वाले कर्मचारी द्वारा प्रशासनिक भवन के प्रांगण मे पर्यावरण संरक्षण की प्रतिबद्धता को दोहराते हुये वृक्षारोपण किया गया। इसके पश्चात सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारी का सम्मान परियोजना के रामानुजन सभागार में किया गया। स्वागत की कड़ी में परियोजना प्रमुख विंध्याचल संजीब कुमार साहा एवं महाप्रबंधक प्रचालन एवं अनुरक्षण ए जे राजकुमार ने सेवानिवृत कर्मचारी का पुष्पमाला से स्वागत किया। साथ ही परियोजना की यूनियन/एसोसिएशन के प्रतिनिधियों ने भी पुष्पमाला पहनाकर अतिथि कर्मचारी का स्वागत किया। इस अवसर पर परियोजना प्रमुख विंध्याचल संजीब कुमार साहा ने सभी सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारी की सराहना करते हुए कहा कि एनटीपीसी-विंध्याचल को वर्तमान ऊंचाइयों तक पहुंचाने में आपके योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा और एनटीपीसी-विंध्याचल सदा ही आपकी सेवा के लिए आपका कृतज्ञ रहेगा। साथ ही महाप्रबंधक प्रचालन एवं अनुरक्षण ए जे राजकुमार नें भी सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारी को अपने जीवन की नई पारी की नए सिरे से शुरुआत करने हेतु शुभकामनायें दीं तथा उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। इसी कड़ी मे विभागाध्यक्षों ने भी सेवानिवृत्त कर्मचारी को शुभकामनायें दीं तथा उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। सम्मान की कड़ी में सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारी का परियोजना प्रमुख विंध्याचल संजीब कुमार साहा एवं अन्य महाप्रबंधकगणों द्वारा श्रीफल शाल एवं स्मृति.चिन्ह से सम्मानित किया। इसके अतिरिक्त सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारी को एनटीपीसी मे उनके द्वारा दी गई दीर्घ सेवाओं के लिए दीर्घ सेवा प्रमाण.पत्र आदि भी प्रदान किया गया। तत्पश्चात सेवानिवृत्त कर्मचारी ने भी मंच पर आकर अपने अनुभव साझा किए और एनटीपीसी के साथ बिताए गए समय को अविस्मरणीय बताया। उन्होंने कहा कि उनकी पहचान एनटीपीसी के कारण ही बनी है और वे सदैव इसके आभारी रहेंगे। उन्होंने अपने सहकर्मियों के सहयोग और स्नेह के लिए विशेष धन्यवाद व्यक्त किया। इस अवसर पर महाप्रबंधकगण विभागाध्यक्षगण यूनियन एवं एसोसिएशन प्रतिनिधिगण संबंधित विभागों के कर्मचारी तथा सेवानिवृत्त कर्मचारियों के परिजन उपस्थित रहे।

30 महिलाओं एवं किशोरियों को सिलाई लेडीज गारमेंट्स एवं गणवेश का 12 दिवसीय दिया गया प्रशिक्षण

ग्राम पंचायत तियरा की महिलाओं को दिया गया कौशल प्रशिक्षण

जागरण, वैढ़न। ग्रामीण विकास मंत्रालय भारत सरकार के संरक्षण में यूनियन बैंक ऑफ इण्डिया द्वारा स्थापित कौशल विकास प्रशिक्षण संस्थान सिंगरौली एवं सासन पावर लिमिटेड के सीएसआर विभाग के संयुक्त सहयोग से ग्राम पंचायत तियरा की 30 महिलाओं एवं किशोरियों को सिलाई लेडीज गारमेंट्स एवं गणवेश का 12 दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया। यह प्रशिक्षण आरसेटी संस्थान के इंदौर की कुशल प्रशिक्षिका रूकमन सोनी द्वारा दिया गया। इस प्रशिक्षण में शुरूआती 8 दिनों तक लेडीज गारमेंट्स एवं 4 दिनों तक गणवेश सिलाई का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के आखिरी दिन महिलाओं से लिखित एवं मौखिक परीक्षा ली गई एवं प्रशिक्षण प्रमाण-पत्र वितरित किया गया। इस अवसर पर यूनियन बैंक ऑफ इण्डिया से विजय, आरसेटी संस्थान से राजकरण एवं भैयालाल वर्मा उपस्थित रहे। श्ससन पावर लिमिटेड के टेनिंग विभाग के हेड निशांत गुप्ता द्वारा महिलाओं को संबोधित करते हुए आगामी भविष्य मे स्वरोजगार करके आत्मनिर्भर बनने का आह्वान किया। प्रमाण-पत्र वितरण के पश्चात् सासन पावर लिमिटेड के सीएसआर टीम द्वारा महिलाओं को सासन कौशल प्रशिक्षण केन्द्र का भ्रमण कराया गया, तथा संबंधित व्यक्तियों एवं प्रशिक्षित महिलाओं को पुरूस्कार भी वितरण किया गया एवं आपस में मिलकर आजीविका मिशन के माध्यम से स्वसहायता समूह बनाकर सिलाई कार्य को आगे बढ़ाने का सुझाव दिया गया है। सीएसआर प्रमुख फुज़ैल अहमद ने अपने वक्तव्य में महिलाओं को स्वसहायता समूह के माध्यम से लघु उद्योगों की ओर बढ़ने के लिये प्रेरित किया, तथा सहयोगी संस्थाओं के प्रतिनिधियों को धन्यवाद ज्ञापित किया और भविष्य में हर संभव सहयोग देने का आश्वासन दिया गया। प्रशिक्षण में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी रही, प्रशिक्षित महिलाओं ने आगामी भविष्य में सिलाई के कार्य को आगे बढ़ाने एवं स्वरोजगार शुरू करने का संकल्प लिया। प्रशिक्षण में तियरा क्र. 05 की आगनवाड़ी कार्यकर्ता आशा सिंह, सहायिका राधा द्वारा विशिष्ट सहयोग प्रदान किया गया। सासन पावर लिमिटेड के सीएसआर विभाग से फुज़ैल अहमद, आशीष कुमार गुप्ता, नृपेन्द्र पाण्डेय, श्यामसुन्दर बसोर, मिथिलेश शाह, पूजा यादव, बबुंदर यादव, राममिलन पाण्डों, आदि उपस्थित रहे।

स्टेज-.3 परियोजना के संविदा श्रमिकों हेतु नवीन श्रम शेड का उद्घाटन

मई दिवस पर विविध जनोपयोगी पहलों का सफल आयोजन

जागरण, शक्तिनगर। एनटीपीसी सिंगरौली में मई दिवस के अवसर पर श्रमिक कल्याण स्वास्थ्य संरक्षण तथा विधिक जागरूकता को समर्पित विविध कार्यक्रमों का भव्य एवं सुव्यवस्थित आयोजन किया गया। इन कार्यक्रमों ने संगठन की श्रमिक.हितैषी नीतियों एवं समावेशी विकास दृष्टिकोण को पुनः सुदृढ़ रूप से अभिव्यक्त किया। आज सिंगरौली स्टेज-.3 परियोजना के संविदा श्रमिकों हेतु एक नवीन श्रम शेड का विधिवत उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर परियोजना प्रमुख एवं कार्यकारी निदेशक संदीप नायक तथा महाप्रबंधक परियोजना रश्मिरंजन मोहंती की उपस्थिति रही। इस श्रम शेड में विश्राम कक्ष स्वच्छ शौचालय एवं शुद्ध पेयजल जैसी आवश्यक सुविधाएँ उपलब्ध कराई गई हैं जिससे श्रमिकों को कार्यस्थल पर एक सुरक्षित एवं सुविधाजनक वातावरण प्राप्त हो सके। साथ हीए संविदा श्रमिकों के मध्य टी.शर्ट एवं अल्पाहार का वितरण भी किया गया जिससे उनके मनोबल को सुदृढ़ किया जा सके। इसी क्रम में श्रमिकों के स्वास्थ्य संरक्षण को प्राथमिकता देते हुए एनटीपीसी सिंगरौली द्वारा संजीवनी अस्पताल के सहयोग से स्टेज.3 निर्माण क्षेत्र में एक व्यापक स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में श्रमिकों का समग्र स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तथा उन्हें निवारक स्वास्थ्य संबंधी परामर्श प्रदान किया गया। कार्यक्रम में वरिष्ठ अधिकारियों सहित चिकित्सकीय विशेषज्ञों की सक्रिय भागीदारी रही। इस अवसर पर श्री नायक द्वारा श्रमिक आवास क्षेत्र का निरीक्षण भी किया गया जहाँ उन्होंने स्वच्छता सुरक्षा एवं जीवन.स्तर में सुधार हेतु आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया। यह कार्यक्रम मानव संसाधन प्रमुख सिद्धार्थ मंडल के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ तथा इसमें श्रमिकों की उत्साहपूर्ण सहभागिता देखने को मिली। इसी क्रम में संजीवनी अस्पताल द्वारा अह्वाहन पहल के अंतर्गत मई दिवस पर एक जागरूकता एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में श्रमिकों के अधिकार पीएफ न्यूनतम वेतन ईएसआईसी कार्यस्थल स्वास्थ्य एवं स्वच्छता तथा जन.जागरूकता विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा जानकारी दी गई साथ ही सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से श्रमिकों की सहभागिता को प्रोत्साहित किया गया। वरिष्ठ चिकित्सकों एवं अधिकारियों ने श्रमिकों के योगदान की सराहना की। इन समस्त पहलों के माध्यम से एनटीपीसी सिंगरौली ने यह स्पष्ट रूप से प्रतिपादित किया है कि संगठन न केवल ऊर्जा उत्पादन में अग्रणी है अपितु श्रमिकों के कल्याण स्वास्थ्य सुरक्षा एवं सशक्तिकरण के प्रति भी पूर्णतः प्रतिबद्ध है। ये कार्यक्रम श्रमिकों के सम्मान एवं उनके सर्वांगीण विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध हुए हैं।

कलेक्टर एवं एसपी ने किया नीट परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण, पुख्ता व्यवस्था करने के दिए निर्देश

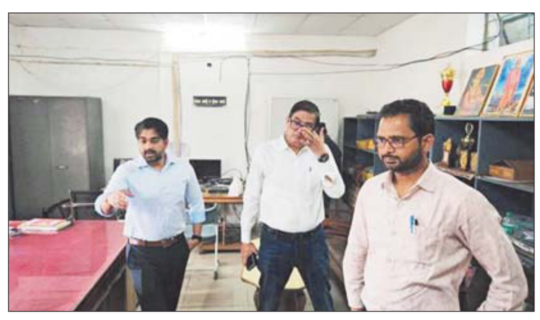

जागरण, वैढ़न। आगामी 3 मई को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा नीट को लेकर आज कलेक्टर गौरव बैनल एवं पुलिस अधीक्षक मनीष खत्री ने जिले में स्थापित परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर गौरव बैनल ने केंद्र प्रभारियों को विस्तृत दिशा.निर्देश जारी किए। उन्होंने कहा कि भीषण गर्मी को देखते हुए परीक्षार्थियों की सहूलियत में कोई कमी नहीं आनी चाहिए। सभी केंद्रों पर ठंडे व शुद्ध पेयजल की पर्याप्त उपलब्धता और साफ-सुथरे शौचालयों की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। परीक्षा के दौरान निर्बाध विद्युत आपूर्ति के लिए पावर बैकअप की व्यवस्था रहेए कमरों में पंखे चालू हालत में हों और परीक्षार्थियों के बैठने के लिए उचित फर्नीचर की व्यवस्था की जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि परीक्षा में पूर्ण पारदर्शिता और सुरक्षा बनाए रखने के लिए सभी कमरों और परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों को चालू रखते हुए कंट्रोल रूम से इनकी सतत मॉनिटरिंग की जाए। इसके साथ ही केंद्रों के प्रवेश द्वार पर छाया के लिए टेंट लगाने के निर्देश दिए गए ताकि मेटल डिटेक्टर से चेकिंग के दौरान कतार में खड़े छात्रों को धूप से बचाया जा सके। वहीं पुलिस अधीक्षक मनीष खत्री ने केंद्रों की सुरक्षा व्यवस्था का सघन अवलोकन करते हुए कड़े सुरक्षा प्रबंधों के निर्देश दिए। उन्होंने सुरक्षा में तैनात पुलिस बल से कहा कि केंद्रों के आसपास कानून व्यवस्था मजबूत रहे और संवेदनशील बिंदुओं को चिन्हित कर वहां विशेष पुलिस बल की तैनाती के साथ पैनी नजर रखी जाए। इसके अलावा परीक्षा केंद्र परिसर के आसपास अनाधिकृत व्यक्तियों की आवाजाही पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। कलेक्टर श्री बैनल ने दोहराया कि परीक्षा को बिना किसी विघ्न के अत्यंत शांतिपूर्ण निष्पक्ष एवं सुव्यवस्थित तरीके से संपन्न कराना ही जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। निरीक्षण के दौरान अपर कलेक्टर पीएस त्रिपाठी एसडीएम सुरेश जाधव नगर पुलिस अधीक्षक उमेश प्रजापति सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

उत्कृष्ट कर्मियों को पुरस्कृत कर किया सम्मानित

जागरण, सिंगरौली। भारत सरकार की मिनीरत्न कंपनी नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड में खनिक अभिनंदन दिवस-26 का शुभारंभ मुख्यालय सहित एनसीएल की सभी क्षेत्रों और इकाइयों में श्रमवीरों को कृतज्ञता के साथ नमन करते हुए हुआ एनसीएल मुख्यालय प्रांगण में आयोजित कार्यक्रम के दौरान कोयला एवं खान मंत्री भारत सरकार जी. किशन रेड्डी का कोल इंडिया परिवार को संबोधित संदेश का वाचन महाप्रबंधक कल्याण राजेश त्रिवेदी ने किया इस अवसर पर सीएमडी एनसीएल बी.साईराम के संदेश का वाचन भी किया गया। मुख्यालय स्तरीय आयोजित इस कार्यक्रम में निदेशक मानव संसाधन मनीष कुमार निदेशक वित्त रजनीश नारायण निदेशक तकनीकी आशुतोष द्विवेदी मुख्य सतर्कता अधिकारी अजय कुमार जायसवाल श्रमिक संघों के जेसीसी सदस्य. सीएमएस से अजय कुमार बीएमएस से अशोक कुमार मिश्रा आरसीएसएस से राम प्रताप सिंह एचएमएस से अशोक कुमार पाण्डेय सीएमओएआई महासचिव सर्वेश सिंह महाप्रबंधक विभागाध्यक्ष एवं अन्य कर्मियों ने शहीद स्मारक एवं खनिक प्रतिमा पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर देश की ऊर्जा आपूर्ति हेतु सर्वोच्च बलिदान देने वाले ऊर्जा वीरों को नमन किया। इस अवसर पर एनसीएल मुख्यालय के विभिन्न विभागों में पदस्थ उत्कृष्ट कर्मियों को पुरस्कृत कर सम्मानित किया गया। एनसीएल की सभी परियोजनाओं एवं इकाइयों में श्रमिकों के सम्मान और खनिक अभिनंदन दिवस के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। गौरतलब है कि खनिक अभिनंदन दिवस 26 पर केन्द्रीय कार्यक्रम का आयोजन एनसीएल स्टेडियम सिंगरौली में किया जाएगा जिसमें विभिन्न परियोजना व उत्कृष्ट कर्मियों को पुरस्कृत किया जाएगा।

247 श्रमिकों को मिला निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण एवं दवा लाभ

मजदूर दिवस पर रेडक्रॉस की सराहनीय पहल

जागरण, वैढ़न। इंडियन रेड क्रॉस सोसायटी द्वारा आज अंतरराष्ट्रीय श्रमिक दिवस पर रामलीला मैदान के पास अंबेडकर चौक में निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण एवं दवा वितरण शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम सिंगरौली विधायक राम निवास शाह के मुख्य आतिथ्य एवं अध्यक्षता में तथा रेडक्रॉस सोसायटी के चेयरमैन एस.डी. सिंह के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। शिविर में कुल 247 महिला एवं पुरुष श्रमिकों ने भाग लेकर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ प्राप्त किया। इस दौरान ब्लड प्रेशर ब्लड शुगर हीमोग्लोबिन एवं ब्लड ग्रुप की निःशुल्क जांच की गई। विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा स्वास्थ्य परामर्श प्रदान किया गया तथा जरूरतमंदों को निःशुल्क दवाइयों का वितरण किया गया। ब्लड सेंटर की टीम द्वारा श्रमिकों की जांच एवं परामर्श कार्य किया गया। जन औषधि केंद्र के माध्यम से निःशुल्क दवाइयों का वितरण किया गया। स्वास्थ्य शिविर में विशेष रूप से मिश्रा पॉली क्लीनिक एवं नर्सिंग होम के संचालक डॉ.डीके मिश्रा द्वारा भी श्रमिकों को निःशुल्क परामर्श देते हुए आवश्यक दवाइयां लिखी गईं। मुख्य अतिथि विधायक राम निवास शाह ने अपने संबोधन में कहा कि श्रमिक वर्ग देश की प्रगति का मूल आधार है और उनके स्वास्थ्य की सुरक्षा समाज की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि ऐसे सेवा कार्य श्रमिकों के जीवन स्तर को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और इनका निरंतर आयोजन आवश्यक है। रेडक्रॉस सोसायटी के चेयरमैन एस.डी.सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि संस्था का उद्देश्य समाज के वंचित एवं जरूरतमंद वर्ग तक स्वास्थ्य सेवाएं सरल और सुलभ रूप में पहुंचाना है। उन्होंने बताया कि श्रमिकों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए ऐसे शिविर भविष्य में भी नियमित रूप से आयोजित किए जाते रहेंगे। स्वास्थ्य शिविर में जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश अरुण कुमार खरादी उमेश सोनी न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव मनोरम तिवारी जिला विधिक सहायता अधिकारी अमित शर्मा सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति रही। जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश द्वारा अपने उद्बोधन में इंडियन रेड क्रॉस सोसायटी द्वारा किए जा रहे जनसेवा कार्यों की सराहना व्यक्त की गई। उन्होंने कहा कि विधिक सेवा प्राधिकरण के माध्यम से श्रमिकों एवं जरूरतमंद नागरिकों को हर संभव विधिक सहायता उपलब्ध कराई जाएगी तथा इस दिशा में निरंतर सहयोग सुनिश्चित किया जाएगा। उक्त कार्यक्रम में रेडक्रॉस सचिव डॉ. ओ.पी. राय डॉ.डीके मिश्रा रेडक्रॉस ब्लड सेंटर के मेडिकल डायरेक्टर डॉ. आरडी द्विवेदी, डॉ. एनके जैन एवं प्रबंध समिति सदस्य जीपी सिंह विवेक कुमार त्रिपाठी राजाराम केशरी के साथ ही रेडक्रॉस के आजीवन सदस्य शिव कुमार पांडेय नटवर दास अग्रवाल सुख देव सिंह अमरदीप भारुका बृजेश कुमार शुक्ला ओम प्रकाश तिवारी तथा अवनीश दुबे की उपस्थिति रही । शिविर में श्रमिकों के पंजीयन का कार्य आश्रय गृह की कोऑर्डिनेटर शिरीन द्वारा किया गया एवं विपिन रावत द्वारा ब्लड प्रेशर लिया गया तथा ब्लड सेंटर टीम के सूरज प्रकाश कृष्णा कुमार शाह सुनीता शाह एवं रेशमा खातून द्वारा जांच कार्य संपन्न किया गया। इसके अतिरिक्त जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र द्वारा सहायक उपकरण एवं कृत्रिम अंगों का प्रदर्शनी लगाया गया और कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण के बारे में नागरिकों को जागरूक किया गया तथा ऑडियोमेट्री जांच एवं फिजियोथेरेपी संबंधी जानकारी भी प्रदान की गई। कार्यक्रम को सफल बनाने में रेडक्रॉस सोसायटी के कर्मचारी जय प्रकाश दुबे अरविन्द विश्वकर्माडीडीआरसी सेवायुक्त मुकुल किशोर एवं उनकी टीम खुला आश्रय गृह से शिरीन एवं उनकी टीम तथा जन औषधि केंद्र से रवीश कांत त्रिपाठी एवं उनकी टीम द्वारा अपने कर्तव्यों का मुस्तैदी के साथ निर्वहन किया गया। शिविर के सफल आयोजन पर उपस्थित सभी नागरिकों एवं लाभार्थियों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए रेडक्रॉस सोसायटी के इस मानवीय प्रयास की सराहना की तथा भविष्य में भी ऐसे शिविर आयोजित किए जाने की अपेक्षा जताई।

निर्माण कार्यों की गुणवत्ता से समझौता बर्दाश्त नहीं : कलेक्टर

विभागों के निर्माण और अधोसंरचना विकास कार्यो की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने दिये निर्देश

जागरण, कटनी। अपर नर्मदा बरगी दायीं तट नहर की स्लीमनाबाद टनल खनन का मात्र 182 मीटर कार्य ही शेष बचा है। टीबीएम मशीन से प्रतिदिन औसतन टनल की 3 मीटर खुदाई हो रही है। टीवीएम मशीन में अगर किसी प्रकार का ब्रेकडाउन नहीं आया तो आगामी दो माह के भीतर टनल खनन का कार्य पूरा हो जायेगा। यह जानकारी शुक्रवार को कलेक्टर आशीष तिवारी की अध्यक्षता में विभिन्न विभागों के निर्माण कार्यों की वर्तमान स्थिति और प्रगति की समीक्षा के दौरान दी गई। इस दौरान जिला पंचायत की सीईओ हरसिमरनप्रीत कौर, सहायक कलेक्टर श्लोक वाइकर भी मौजूद रहे।

कलेक्टर श्री तिवारी ने बैठक में निर्माण विभागों को निर्देशित किया कि वे निर्माण एजेंसियों के साथ बेहतर समन्वय स्थापित कर समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण कार्य कराया जाना सुनिश्चित करें। समीक्षा के दौरान कार्यपालन यंत्री नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण सहज श्रीवास्तव ने बताया कि दायीं तट नहर का कार्य पूर्ण हो जाने के बाद कटनी जिले की 21 हजार 823 हेक्टेयर कृषि भूमि सिंचित हो सकेगी। वहीं जबलपुर से सतना जिले तक टनल की लंबाई करीब 11 हजार 953 मीटर रूपांकित है। जिसमें से मात्र 182 मीटर टनल की ही खुदाई किया जाना शेष है। बैठक में ढ़ीमरखेड़ा माइक्रो उद्वहन सिंचाई योजना की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने 4 किलोमीटर लंबी पाईप लेइंग का कार्य 15 मई तक पूरा कराने के निर्देश दिए। योजना के पूरा होने के बाद ढ़ीमरखेडा तहसील के 99 गांवों के 15 हजार 58 हेक्टेयर क्षेत्र कृषि भूमि की सिंचाई होगी। करीब 216 करोड़ रूपये की लागत वाली इस परियोजना से 5.36 क्यूमेक्स पानी नहरों में छोड़ा जाएगा।

कलेक्टर ने कार्यपालन यंत्री अनिल तिवारी को निर्देशित किया कि वे सैलारपुर पंप हाउस में बिजली कनेक्शन कराया जाना सुनिश्चित करें। बहोरीबंद सूक्ष्म उद्वहन सिंचाई परियोजना के कार्यों की समीक्षा के दौरान कार्य की धीमी प्रगति पर कलेक्टर ने गहन नाराजगी व्यक्त किया और कार्य में तेजी लाने की हिदायत दी। इस उद्वहन सिंचाई योजना के पूरा हो जाने पर कटनी, रीठी, बहोरीबंद और स्लीमनाबाद तहसील की 46 हजार 716 हेक्टेयर कृषि क्षेत्र की सिंचाई हो सकेगी। यह परियोजना वर्ष 2029 तक पूर्ण होना प्रस्तावित है। कलेक्टर ने बरगी दायीं तट नहर से निकलने वाली विजयराघवगढ़ शाखा नहर की प्रगति की भी समीक्षा की। इस दौरान बताया गया कि इसका 90 फीसदी कार्य पूर्ण हो गया है। शेष कार्य प्रगति पर है। इस शाखा नहर के कार्य के पूरा हो जाने के बाद इस अंचल की 15 हजार 788 हेक्टेयर कृषि क्षेत्र की सिंचाई हो सकेगी।

बरगी दायीं तट नहर से मिलेगा कटनी शहर को पानी : अपर नर्मदा बरगी दायीं तट के मुख्य नहर से कटनी शहर के लिये प्रस्तावित पेयजल आपूर्ति की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने नगर निगम अधिकारियों को ग्राम घिनौची के पास से नहर के द्वारा कटनी नदी में छोड़े जाने वाले पानी के कटनी नदी तक पहुंचने के मार्ग में पड़ने वाले घिनौची नाला के पक्के निर्माण कार्य के लिये ड्राइंग डिजाइन और कार्ययोजना अभी से तैयार करने के निर्देश दिये। ताकि टनल की खुदाई पूरा होने के बाद नहर से पानी छोड़े जाने पर घिनौची नाला के कच्चा होने की वजह से पानी के रिसाव पर पानी के व्यर्थ जाने की स्थिति से बचने नाला में पक्का निर्माण या पाईप बिछवाने आदि की व्यवस्था के संबंध में इंजीनियरों से अभी से ही कार्ययोजना तैयार कर अमल करने के निर्देश दिए। ताकि कटनीवासियों को नहर शुरू होते ही तत्काल नर्मदा जल के रूप में पेयजल की सौगात मिल सके।

कलेक्टर ने लोक निर्माण विभाग के कार्यो की समीक्षा के दौरान गुणवत्तापूर्ण सड़कों के निर्माण पर खास ध्यान देने कार्यपालन यंत्री शारदा सिंह को निर्देशित किया। कलेक्टर ने निर्देशित किया कि क्रश रैंडम मैकडम वाली निर्माणाधीन सड़कों को बरसात के पहले पूर्ण कराना सुनिश्चित करें और अन्य सभी कार्यों को भी बरसात के पहले सब बेस स्तर तक पूर्ण करायें। उन्होंने सेतु निर्माण विभाग के कार्यों की समीक्षा के दौरान वांछित प्रगति नहीं होने और एसडीओ प्रमोद गोटिया की बैठक से अनुपस्थिति पर नाराजगी जाहिर करते हुये कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिये और मौजूद अधिकारी को सेतु निर्माण के प्रगतिरत सभी 4 पुल निर्माण कार्यों को शीघ्र पूरा कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री तिवारी ने मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम द्वारा फॉरेस्टर खेल मैदान में कराये जा रहे कार्यों की भी समीक्षा कर तेजी लाने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने जिले में संचालित मध्यप्रदेश जल निगम की करनपुरा, इंदवार और पवई.2 ग्रामीण जल प्रदाय योजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने मध्यप्रदेश भवन विकास निगम द्वारा निर्माणाधीन कार्यों में भी वांछित तेजी लाने के निर्देश दिए। इसके अलावा कलेक्टर ने एनएचएएम और बिजली विभागए महिला एवं बाल विकासए स्कूल शिक्षा, जल संसाधन विभाग के निर्माण कार्यो की समीक्षा की और जल संसाधन विभाग को जलाशयों और नहर सुधार एवं मरम्मत तथा जल गंगा संवर्धन अभियान के क्रियाकलापों में वांछित प्रगति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने नेशनल हाईवे के अधिकारियों को बड़वारा में सड़क निर्माण में ड्रेनेज की विसंगति को दूर करने की हिदायत दी। कलेक्टर ने ग्रामीण यांत्रिकी सेवा के कार्यों और परियोजना क्रियान्वयन ईकाई द्वारा कराये जा रहे निर्माण कार्यों की भी समीक्षा की।

नगर निगम से सेवानिवृत्त हुए पांच कर्मचारियों को दी विदाई

कटनी। नगर पालिक निगम कटनी के मेयर इन काउंसिल सभागार में गुरुवार शाम निगम सेवा से सेवानिवृत्त हो रहे पांच कर्मचारियों के सम्मान में गरिमामयी विदाई समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में महापौर, निगमायुक्त, जनप्रतिनिधियों, अधिकारी-कर्मचारियों एवं परिजनों की उपस्थिति में सेवानिवृत्त कर्मचारियों के दीर्घकालीन योगदान को सम्मानपूर्वक स्मरण किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महापौर प्रीति संजीव सूरी ने कहा कि शासन के नियमानुसार प्रत्येक शासकीय सेवक को निर्धारित सेवा अवधि पूर्ण होने के उपरांत सेवानिवृत्त होना पड़ता है। निगम परिवार से पांच कर्मचारियों की सेवाएं औपचारिक रूप से पूर्ण हो रही हैं। उन्होंने कहा कि सेवानिवृत्त कर्मचारियों द्वारा अपने सेवाकाल में निगम प्रशासन के कार्यों में दिए गए योगदान को सदैव स्मरण रखा जाएगा। समारोह के दौरान निगमायुक्त सुश्री तपस्या परिहार, मेयर इन काउंसिल सदस्य सुभाष साहू, डॉ.रमेश सोनी, जयनारायण निषाद, सुरेंद्र गुप्ता, सुमन राजू माखीजा, तुलसा गुलाब बेन, पार्षद सीमा श्रीवास्तव, संजीव जीवन चौधरी, रेखा तिवारी सहित अन्य जनप्रतिनिधि अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

इस अवसर पर सेवानिवृत्त कर्मचारी तेजभान सिंह, विजय गर्ग, श्रीमती ऊषा कुंदन, श्रीमती शीला छेदीलाल एवं श्रीमती आशा मनोहर का महापौर, निगमायुक्त एवं उपस्थित जनप्रतिनिधियों द्वारा पुष्पहार से स्वागत किया गया तथा शाल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर उनके उज्ज्वल भविष्य, उत्तम स्वास्थ्य एवं सुखमय जीवन की शुभकामनाएं दी गई। कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारी एवं कर्मचारियों ने भी सेवानिवृत्त साथियों के सेवाकाल एवं योगदान को स्मरण करते हुए उन्हें भावभीनी विदाई दी। उक्त अवसर पर उपायुक्त प्रियंका झारिया, स्वास्थ्य अधिकारी संजय सोनी, कार्यालय अधीक्षक नागेन्द्र पटेल, अतिक्रमण प्रभारी मानेन्द्र सिंह, निगम सचिव पारसनाथ प्रजापति सहित निगम के अन्य अधिकारी कर्मचारी एवं सेवानिवृत्त कर्मचारियों के परिजन उपस्थित रहे।

एचएमएस के नवनिर्वाचित केन्द्रीय कार्यकारिणी गठित होने से संगठन होगा मजबूत अमित वर्मा

जागरण गोहपारू। कोयला मजदूर सभा (एचएमएस) की केन्द्रीय कार्यकारिणी का गठन कर नये पदाधिकारियों की घोषणा की गई है।जिस पर के नव-निर्वाचित केंद्रीय कार्यकारिणी के सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों को हसदेव क्षेत्र के समस्त पदाधिकारियों साथियों की ओर से नई कार्यकारिणी पदाधिकारियों को बधाई शुभकामनाएँ। जो इस प्रकार से है जिसमें उपाध्यक्ष पद पर आनन्द मिश्रा एवं अख्तर जावेद, संगठन मंत्री के रूप में अमित कुमार वर्मा तथा कार्यकारिणी सदस्य के रूप में सुनील पाण्डेय, शिवपूजन सिंह , शोभनाथ तिवारी ,अनूप सिंह, रामभजन यादव ,राम अवधेश यादव,ईंद लाल पटेल,देवनारायण,देवब्रत सिन्हा, हरिलाल राठौर, अमरजीत सिंह,पंकज गौतम एवं सत्यदेव पाल का चयन से हसदेव क्षेत्र के संगठन की मजबूती,एकता और संघर्षशीलता का सशक्त होगी।यह नई कार्यकारिणी चयन से नई उर्जा का संचार होगा और समर्पण,नेतृत्व से संगठन को मजबूती मिलेगी है।

मई दिवस की पूर्व संध्या पर कवि सम्मेलन एवं श्रमिक सम्मान समारोह का आयोजन

हसदेव क्षेत्र में 37 उत्कृष्ट कामगारों को किया गया सम्मानित

जागरण गोहपारू। एस ई सी एल हसहदेव क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस (मई दिवस) के पावन अवसर की पूर्व संध्या में हसदेव क्षेत्र के सद्भावना ग्राउंड में कवि सम्मेलन के साथ ही श्रमिक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य श्रम की महत्ता को रेखांकित करना और उत्कृष्ट कार्य करने वाले श्रमिकों का उत्साहवर्धन करना था।

मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट उपस्थिति ?कार्यक्रम के मुख्य अतिथि क्षेत्रीय महाप्रबंधक हसदेव क्षेत्र के मनोज बिश्नोई रहे। कार्यक्रम में जागृति महिला समिति की अध्यक्षा

डॉ.सरोज बाला बिश्नोई विशेष रूप से उपस्थित रहीं। साथ ही,जागृति महिला समिति की अन्य सदस्याओं,व जेसीसी सदस्यों,क्षेत्रीय कल्याण समिति,क्षेत्रीय सुरक्षा समिति के पदाधिकारियों,विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्षों और उपक्षेत्रीय प्रबंधकों की उपस्थिति कार्यक्रम में रहीं हैं।

इस अवसर पर ?श्रमिकों का सम्मान किया गया जो ?हसदेव क्षेत्र के विभिन्न उपक्षेत्रों के विभागों में कार्यरत 37 कामगारों को उनके उत्कृष्ट एवं सराहनीय कार्य के लिए मुख्य अतिथि द्वारा स्मृति चिन्ह भेंट कर प्रोत्साहित किया गया।श्री बिश्नोई ने अपने संबोधन में कहा कि श्रमिकों का परिश्रमिक मेहनत से पसीना और उनकी मेहनत ही संस्थान की उन्नति की आधारशिला है।

सांस्कृतिक संध्या- कवि सम्मेलन सम्मान समारोह के पश्चात आयोजित कवि सम्मेलन ने उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया।कवियों ने अपनी रचनाओं के माध्यम से सामाजिक कुरीतियों पर प्रहार किया और हास्य-व्यंग्य के साथ-साथ राष्ट्रभक्ति एवं श्रम की महिमा का बखान किया।?मंच संचालन डी.डी. तिवारी द्वारा किया गया।

कार्यालय आयुक्त, जनजातीय कार्य, मध्यप्रदेश
59, आदि भवन, अरेरा हिल्स भोपाल
अनुसूचित जनजाति वर्ग के उम्मीदवारों हेतु
"विदेश अध्ययन छात्रवृत्ति योजना"
विज्ञप्ति (वर्ष 2026-27)

मध्यप्रदेश शासन, जनजातीय कार्य विभाग, मंत्रालय, भोपाल के पत्र क्रमांक एफ 12-16/2003/25-2/ दिनांक 30 अगस्त 2003 के द्वारा लागू एवं समय-समय पर संशोधित योजना के अंतर्गत मध्यप्रदेश के अनुसूचित जनजाति वर्ग के अभ्यर्थियों को विदेश अध्ययन छात्रवृत्ति योजना के लिये आवेदन निर्धारित प्रारूप में आमंत्रित किये जाते हैं। विदेश में उच्च शिक्षा यथा शोध उपाधि उपरांत अध्ययन, पी.एच.डी. एवं स्नातकोत्तर करने हेतु चयनित अभ्यार्थियों को छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है।

छात्रवृत्ति के लिए स्लॉटों की संख्या : 50

आवेदन पत्र का प्रारूप एवं विस्तृत जानकारी जनजातीय कार्य विभाग की Website: tribal.mp.gov.in पर उपलब्ध है। योजना अंतर्गत अभ्यर्थियों का चयन वर्तमान प्रचलित योजना नियमों में प्रावधान अनुसार किया जायेगा। अधिक जानकारी के लिए जनजातीय कार्य विभाग की वेबसाइट www.tribal.mp.gov.in पर अथवा कार्यालय आयुक्त, जनजातीय कार्य, 59, आदि भवन, अरेरा हिल्स, भोपाल/ संभागीय उपायुक्त, जनजातीय कार्य एवं अनु. जाति विकास / सहायक आयुक्त एवं जिला संयोजक जनजातीय कार्य में उपस्थित होकर विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। जावेदन किये जाने की अंतिम तिथि 18 मई 2026 को कार्यालयीन समय तक रहेगी।

G-12299/26

आयुक्त
जनजातीय कार्य, मध्यप्रदेश

नाम सुधार सूचना

मै भगवानदास ठारवानी तनय स्व. साधूमल ठारवानी उम्र 63 वर्ष निवासी मकान नं. 433 अर्जुन नगर चौराहा के पास साधूमल कैम्पस वार्ड नं. 23 अर्जुन नगर तहसील हुजूर जिला – रीवा (म.प्र.) मेरा आधार नम्बर 520684317515 है मेरा पासपोर्ट नं. P1491416 इसू डेट 23.08.2016 इक्सपारी डेट 22.08.2026 भोपाल से बना हुआ है, जिसमें त्रुटि वस मेरे पिताजी का नाम साधूराम ठारवानी लिखा है जबकि मेरे अन्य दस्तावेजों में मेरे पिता जी का वास्तविक नाम साधूमल ठारवानी लिखा है जिससे मेरे पासपोर्ट नं. P1491416 में मेरे पिता का नाम साधूराम ठारवानी के स्थान पर उनका वास्तविक नाम साधूमल ठारवानी अंकित किया जाए एवं लिखा पढ़ा व जाना जाए।

RN- 85052

भगवानदास ठारवानी

कांग्रेस जिला प्रभारी ने बैठक मे संगठन को मजबूत करने एवं चुनावी रणनीतियों पर बिन्दुवार चर्चा

कटनी। जिला कांग्रेस कमेटी की समन्वय समिति की बैठक नवनियुक्त जिला प्रभारी एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता मनु मिश्रा की अध्यक्षता में गुरुवार को आस्था

प्लाजा स्थित जिला कांग्रेस कार्यालय में जिला कांग्रेस अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक सौरभ सिंह, शहर कांग्रेस अध्यक्ष अमित शुक्ला सहित वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं की उपस्थिति बैठक संपन्न हुई। बैठक में संगठन को मजबूत करने ब्लाक, मंडलम कमेटियों के गठन और आगामी चुनावी रणनीतियों पर बिन्दुवार चर्चा की गई। नवनियुक्त जिला प्रभारी मनु मिश्रा ने जमीनी स्तर पर सक्रियता बढ़ाने और कार्यकर्ताओं के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने पर जोर दिया। साथ ही बीएलए 2 की सक्रिय भूमिका सुनिश्चित करने पर बल दिया और वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं को विभिन्न क्षेत्रों की महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां सौंपते हुए संगठन को मजबूत करने के निर्देश दिए। समन्वय समिति की बैठक में जिला कांग्रेस अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक सौरभ सिंह, शहर कांग्रेस अध्यक्ष अमित शुक्ला, रामनरेश त्रिपाठी, प्रियदर्शन गौर, हरिशंकर शुक्ला, राजेश चौबे, जालिम यादव, राकेश जैन कक्का, महिला कांग्रेस अध्यक्ष रजनी वर्मा, सौम्या राधेंलिया, हाजी गुलाम जाफर, प्रशांत जायसवाल, श्याम पाहुजा, राजेश जाटव, श्याम यादव, इस्तायक अहमद, गोल्डन पांडे, पंकज गौतम सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सूचना

जागरण पब्लिकेशन प्रा. लि. किसी तृतीय पार्टी के उत्पादकों वस्तुओं या सेवाओं का समर्थन नहीं करती है और न ही किसी तृतीय पार्टी के विज्ञापनों में छपी किसी जानकारी की सच्चाई या विश्वसनीयता की पुष्टि करती है। जागरण पब्लिकेशन प्रा. लि. पाठकों को प्रेरित करती है कि वे ऐसे किसी भी विज्ञापनदाता के साथ कोई भी लेन-देन करने की कार्रवाई से पहले उचित व जरुरी समझे जाने वाली जांच पड़ताल कर लेवे।

लोन

लोन फाईनेंस सर्विस रीवा संभाग में विशेष लोन व्यवस्था मुद्रा लोन, आधार कार्ड, मार्कशीट, पर्सनल, कृषि लोन और सभी प्रकार के लोन 2% ब्याज 50% छूट (एजेंट आमंत्रित) संपर्क -
8962086944

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल
माखनपुरम परिसर, मध्यप्रदेश राज्य शूटिंग अकादमी के सामने, बिशनखेड़ी, भोपाल-462044

प्रवेश सूचना 2026-27

विश्वविद्यालय के भोपाल एवं रीवा परिसरों में शैक्षणिक सत्र 2026-27 में संचालित होने वाले पत्रकारिता, जनसंचार, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, प्रसारण पत्रकारिता, विज्ञापन एवं जनसंपर्क, नवीन मीडिया, डिजिटल पत्रकारिता, फिल्म प्रोडक्शन, मीडिया शोध, एआई ड्रिवन मीडिया, मीडिया व्यवसाय प्रबंधन, कम्प्यूटर अनुप्रयोग, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान, मल्टीमीडिया, ग्राफिक्स एवं ऐनिमेशन, वाणिज्य, ई-कॉमर्स, प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग, हिन्दी भाषा एवं अनुवाद तथा इंग्लिश जर्नलिज्म के स्नातक, स्नातकोत्तर तथा पत्रोपाधि पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित हैं। आवेदन **16 जून 2026 की मध्यरात्रि तक** किए जा सकते हैं।

अधिक जानकारी के लिए विजिट करें - www.mcu.ac.in

ऑनलाइन आवेदन के लिए विजिट करें - https://mcrpv.mponline.gov.in/portal/

म.प्र. माध्यम/125477/2026

कुलसचिव

कार्यालय नगर परिषद् सुठालिया, जिला राजगढ़ (म. प्र.)

E-MAIL ID- CMONPSUTH@GMAIL.COM

क्रमांक/460/लोक निर्माण/2026 — दिनांक 30.04.2026

ऑनलाईन निविदा आमंत्रण सूचना (प्रथम)

एतद् द्वारा निम्नलिखित निर्माण कार्यों के लिए ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। कार्य का विवरण निम्नानुसार है:-

क्र. सं.	निर्माण कार्य का विवरण	अनुमानित लागत राशि (रु. लाख में)	कार्य की अमानत राशि	निविदा प्रपत्र शुल्क	पूर्णता अवधि (माह)	ऑनलाइन निविदा क्र.	एनआईटी क्रमांक	ठेकेदार की श्रेणी
1	एसबीएम 2.0 के अंतर्गत सुठालिया नगर में इंटरसेप्शन व डायवर्सन सहित वेट लैंड तकनीक के माध्यम से सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट क्षमता 0.80 MLD का निर्माण	272.96	136480	15000	12 माह वर्षाकाल सहित	2026_UAD_504478_1	454 दिनांक 30.04.2026	C & above

- उक्त कार्यों के निविदा प्रपत्र दिनांक 04.05.2026 समय प्रातः 10:00 बजे से दिनांक 02.06.2026 समय सायं 06:00 बजे तक वेबसाईट पर ऑनलाईन भुगतान कर प्राप्त हो सकेंगे।
- निविदा में संशोधन, यदि कोई होता है, तो केवल वेबसाइट पर प्रकाशित किया जाएगा और समाचार पत्र में नहीं।
- उपरोक्त कार्यों का विस्तृत विवरण वेबसाईट www.mptender.gov.in पर देखा जा सकता है।

लक्ष्मी बाई लोधी
अध्यक्ष
नगर परिषद् सुठालिया

इकरार अहमद
मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर परिषद् सुठालिया

उत्तर मध्य रेलवे

पत्रांकः- ए.डी.ई.एन./ग्वा./परित्यकत रेलवे/क्वार्टर — दिनांकः- 27.04.2026

ई-नीलामी सूचना

ग्वालियर, बानमोर, मुरैना एवं हेतमपुर रेलवे स्टेशन में परित्यकत रेलवे क्वार्टर की नीलामी दिनांक 13.05.2026 को होनी है। नीलामी का विवरण निम्न है-

रेलवे आवास विवरण एवं संख्या	
RB-I (GWL-26), (HET-7) & (MRA-20) - 53	
RB-II (MRA-10) -10	RB-III (MRA-3) - 3
RB-IV (MRA-I) -1	H (GWL-2) - 2
MA (BAO-4), (MRA-8)-12	G (MRA-2) - 2
स्टॉक होल्डरः एसएसई/कार्य/मैन लाइन/ग्वालियर	
नीलामी की तिथि एवं समयः दिनांक **13.05.2026 11.00** पूर्वाहन	
निविदा के पूर्व पेशगी राशि (रू.में): नीलामी की जाने वाली राशि का 10 प्रतिशत- ₹ 20502.80	
सामग्री हटाने की अवधि दिनों में: 45 दिन	
नीलामी का स्थानः सहायक मंडल अभियन्ता ग्वालियर के कार्यालय में	

नीलामी में जाने वाले व्यक्ति किसी भी कार्यदिवस में आकर एसएसई/कार्य/मेन लाइन/ग्वालियर मो. 09752417595 से किसी भी कार्य दिवस में संपर्क कर परित्यकत किये जाने वाले रेलवे आवास का निरीक्षण कर सकते है। **नीलामी के लिये सामान्य शर्ते- 1.** नीलामी Sr. DEN/North/JHS द्वारा नामित समिति द्वारा की जाएगी और उसे किसी भी समय नीलामी रद्द करने का अधिकार होगा। **2.** आमतौर पर बिक्री उच्च बोली लगाने वाले के पक्ष में की जाएगी लेकिन Sr. DEN/North/JHS को किसी भी समय और बिना किसी कारण के रद्द करने का अधिकार होगा। **3.** नीलाम की जाने वाली सामग्री का आरक्षित मूल्यः 2,05,028.00 रूपये बोली इसी न्यूनतम मूल्य से प्रारंभ होगी। **4.** नीलाम की गई सामग्री को हटाने का कार्य केवल दिन के समय किया जाएगा। रात में काम करने की अनुमति नहीं है। **5.** सभी इच्छुक बोलीदाताओं को जमा रसीद भुगतान आदेश, डिमांड ड्राफ्ट के डिविजनल कैशियर और पे मास्टर (यानी DCPM/JHS) से धन रसीद के रूप में Sr. DFM/JHS/NCR के पक्ष में गिरवी रखी गई रू. 20502.80 की सुरक्षा जमा करनी होगी। टीडीआर, सिक्योरिटी मनी के ये रूपया एस.बी.आई. या किसी अन्य राष्ट्रीयकृत बैंक के हो सकते हैं। सुरक्षा जमा, नीलामी शुरू होने से कम से कम आधे घंटे पहले यानी दिनांक **13.05.2026** को **10.30** बजे तक ADEN/GWL को जमा करनी होगी। केवल वे बोली लगाने वाले, जिन्होंने नामांकित समय और तारीख तक निर्दिष्ट प्रपत्र में सुरक्षा जमा की अपेक्षित राशि जमा कर दी है, उन्हें दिनांक- **13.05.2026** को **11.00** बजे नामांकित स्थल पर नीलामी की कार्यवाही में भाग लेने की अनुमति दी जाएगी। निर्धारित प्रारूप में अपेक्षित सुरक्षा जमा राशि के बिना किसी भी बोली लगाने वाले को नीलामी कार्यवाही में भाग लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी। **6.** सफल बोली दाता को स्वीकृति पत्र जारी करने के बाद असफल बोली दाताओं को सुरक्षा जमा राशि वापस कर दी जाएगी। सफल उच्चतम बोली लगाने वाले की सुरक्षा जमा राशि बरकरार रखी जाएगी और कार्य के संतोष जनक समापन की बाद जारी की जाएगी। **7.** सफल बोली दाता को सामग्री का पूरा स्वीकृत नीलामी मूल्य आवंटन के तीन दिन के भीतर और काम शुरू होने से पहले Miscellaneous E-Receipt System (MERS) Portal के माध्यम से जमा करनी होगी। **8.** नीलामी सामग्री को स्वीकृत बोली दाता द्वारा अपने स्वयं के श्रम परिवहन के साथ संरचना को तोड़ने और लोडिंग और अनलोडिंग, लेवलिंग के लिए अपनी लागत पर नीलामी की तारीख से 45 दिनों के भीतर साइट से हटा दिया जाना है। राज्य/केन्द्र सरकार द्वारा लगाया गया कोई भी कर, स्वीकृत बोलीदाता द्वारा भुगतान किया जाएगा। रेलवे इस मद में कोई भुगतान नहीं करेगा। **9.** नीलाम की गई सामग्री का निपटान रेलवे भूमि के बाहर किया जाना है और वर्तमान स्थल को रेलवे प्रतिनिधि की संतुष्टि के अनुसार साफ और समतल किया जाना है। **10.** यदि ठेकेदार आवंटन की तारीख से 45 दिनों के भीतर साइट को साफ करने में विफल रहता, तो 1000/- रूपये प्रतिदिन की दर से जुर्माना लगाया जाएगा, ठेकेदार के असफल होने पर नीलामी की तारीख से 45 दिनों से अधिक की देरी के लिए जुर्माना लगाया, साइट से सामग्री (ईंटें/पत्थर) की अनुमति नहीं दी जाएगी, अवार्ड की तारीख से निर्दिष्ट दिन तक जब तक ठेकेदार द्वारा जुर्माने की अनुमानित राशि पूरी तरह से जमा नहीं कर दी जाती है। **11.** विघटनकारी संरचना की नीलामी से जारी ईंटों/पत्थरों की कुल मात्रा लगभग घनमीटर में होगी। **12.** निराकरण के दौरान पाए जाने वाले सभी दरवाजे, खिड़कियां, स्टील या अन्य अनदेखी सामग्री रेलवे की संपत्ति होगी और ठेकेदार इसे SSE/Wks/ ML/GWL के स्टोर में अपनी लागत से जमा करेगा एवं रेलवे की साइट इंजीनियर के निर्देशानुसार चट्टा लगायेगा। **13.** किसी भी विवाद की स्थिति में अंतिम निर्णय Sr. DEN/North/JHS का होगा और इसे किसी भी अदालत में चुनौती नहीं दी जा सकती है।

940/26 FA

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

संक्षिप्त खबरें

प्रदेश में जल्द ही तीन सौर परियोजनाएं होंगी स्थापित

विसं, भोपाल। मध्यप्रदेश में जल्द ही 110 मेगावाट क्षमता की तीन सौर ऊर्जा परियोजनाओं की स्थापना की जाएगी। जिसे पावर जनरेटिंग कंपनी द्वारा किया जाएगा। इससे प्रदेश में स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा। यह जानकारी ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने देते हुए कहा कि मध्यप्रदेश पॉवर जनरेटिंग कंपनी लिमिटेड ने पारंपरिक ऊर्जा के साथ अब गैर वैकल्पिक ऊर्जा उत्पादन की ओर भी कदम बढ़ाया है। उन्होंने बताया कि यह परियोजनाएं मध्यप्रदेश पॉवर जनरेटिंग कंपनी के तीन प्रमुख ताप विद्युत गृहों श्री सिंगाजी ताप विद्युत गृह दोंगलिया (40 मेगावाट), अमरकंटक ताप विद्युत गृह चचाई (40 मेगावाट) और संजय गांधी ताप विद्युत गृह बिरसिंगपुर (30 मेगावाट) में स्थापित की जाएगी। तोमर ने बताया कि इस रणनीति से परियोजनाओं के शीघ्र क्रियान्वयन, लागत में कमी व संचालन दक्षता में वृद्धि होने की संभावना है। गौरतलब है कि इन संयंत्रों से उत्पादित विद्युत का संचालन केंद्र सरकार की फ्लेक्सीबिलिटी योजना के अंतर्गत किया जाएगा। यह योजना सौर ऊर्जा को तापीय या जल विद्युत के साथ जोड़कर 24 घंटे निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने में सहायक सिद्ध होगी। इस समेकित मॉडल के माध्यम से नवकरणीय ऊर्जा की अनियमितता को संतुलित करते हुए ग्रिड की स्थिरता और विश्वसनीयता को भी बढ़ाया जाएगा।

रौतेल ने संभाला अजजा आयोग का कार्यभार

विसं, भोपाल। भाजपा नेता रामलाल रौतेल ने गुरुवार को मध्यप्रदेश राज्य अनुसूचित जनजाति आयोग अध्यक्ष के पद का पदभार ग्रहण कर लिया है। उनके साथ सदस्य बनाए गए भगत नेताम तथा मंगल सिंह धुर्वे ने अपनी जिम्मेदारियां संभाल ली। अनुसूचित जनजाति वर्ग के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए 1995 में आयोग का गठन किया गया था। रौतेल आयोग में दो बार अध्यक्ष के पद पर रह चुके हैं। रौतेल वर्ष 1990 से वर्ष 2020 तक संगठन के विभिन्न पदों पर रहे। वर्ष 2003 एवं वर्ष 2013 में रौतेल विधानसभा क्षेत्र अनुपपूर से दो बार विधायक रह चुके हैं। भगत सिंह नेताम बैहर, बालाघाट से दो बार विधायक रहे हैं। जबकि मंगल सिंह धुर्वे बैतूल जिले से वर्ष 2016 से 2018 तक विधायक के पद पर कार्यरत रहे।

तबादलों से रोक हटने पर संशय, विशेष परिस्थितियों में 10 प्रतिशत हो सकेंगे

जनगणना सहित दूसरे महत्वपूर्ण कार्यों को देखते हुए तबादले नहीं करने पर सहमति

विशेष संवाददाता, भोपाल। इस वर्ष तबादले के इंतजार में बैठे राज्य के अधिकारी-कर्मचारियों को निराशा हाथ लग सकती है। दरअसल राज्य सरकार इस बार तबादलों पर लगे प्रतिबंध हटाने के मूड में नहीं है। जरूरी हुआ तो 10 प्रतिशत स्थानांतरण करने की मंजूरी दी जा सकती है। गौरतलब है कि वर्ष 2025 में राज्य सरकार ने नई तबादला नीति बनाकर अधिकारी कर्मचारियों के स्थानांतरण किए थे। ढाई महीने यह प्रक्रिया जारी रही थी, लेकिन उसके बाद फिर बादलों पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। कर्मचारियों को इस बार भी जून-जुलाई में तबादलों से प्रतिबंध हटने की उम्मीद है। मंत्रियों और विधायकों ने भी मुख्यमंत्री से कुछ दिनों के लिए बैन पर विराम लगाने का आग्रह किया है। हालांकि सीएम ने इस पर अब तक कुछ स्पष्ट आदेश नहीं दिया है। इस संबंध में मुख्यमंत्री और मुख्य सचिव अनुराग जैन के साथ बैठक हो चुकी है, जिसमें जनगणना प्रक्रिया जारी होने सहित दूसरे महत्वपूर्ण कार्यो को ध्यान में रखते हुए फिलहाल तबादले नहीं करने पर सहमति बनी हैं। लेकिन इस बात पर भी विचार किया गया है कि विशेष परिस्थितियों में एक माह के लिए स्थानांतरण पर लगी रोक को हटाया जा सकता है, लेकिन इसमें केवल 10 प्रतिशत ही तबादले किए जा सकेंगे। सीएम के निर्देश के बाद मुख्य सचिव जैन ने ऐसी संभावनाओं को ध्यान में रखकर सामान्य प्रशासन विभाग से नए सिरे से गाइडलाइन तय करने को कहा है। जीडीए सूत्रों की मानें तो यदि ऊपर से आदेश मिलता है, तो मई या जून माह में एक माह के लिए तबादलों पर लगी पाबंदी पर राहत दी जा सकती है। प्रदेश में 1 मई से जनगणना का सर्वे शुरू होने के कारण कर्मचारियों की व्यस्तता रहेगी, जिसके चलते तबादले जून के आसपास किए जा सकते हैं। बताया गया है कि हर जिले में 15 से 20 प्रतिशत कर्मचारियों की जनगणना में ड्यूटी लगाई गई है। जनगणना का कार्य टाइम-बाउंड है और केन्द्र सरकार इसकी लगातार मॉनिटरिंग करती है। इस कार्य में किसी भी तरह की लापरवाही या देरी के लिए राज्य सरकार की जिम्मेदारी होगी।

कैबिनेट में लाना होगा प्रस्ताव

यदि सरकार एक माह के लिए प्रतिबंध हटाने की मंशा जताती है, तो सामान्य प्रशासन विभाग का प्रस्ताव कैबिनेट में लाया जाएगा। ऐसा माना जा रहा है कि मई के दूसरे या तीसरे सप्ताह में इस संदर्भ का प्रस्ताव मंत्रिपरिषद की बैठक में लाया जा सकता है, जहां से सहमति बनने के बाद ही तबादले कब से होंगे, इस पर निर्णय होगा।

प्रभारी मंत्रियों को मिलेंगे अधिकार

बताया गया है कि यदि तबादले किए जाते हैं, तो सभी विभागों में कुल तबादलों को कैडर स्ट्रेंथ के सिर्फ 10 प्रतिशत तक सीमित रखा जा सकता है। इसके लिए प्रभारी मंत्रियों को अधिकार मिलेंगे। बताया गया है कि कलेक्टर्स के माध्यम से प्रभारी मंत्रियों को प्रस्ताव भेजे जाएंगे, जिनके अनुमोदन के बाद ही आदेश जारी होंगे। आवेदकों से ऑन लाइन आवेदन मांगे जाएंगे।

4 साल बाद 2025 में आई थी नीति

वर्ष 2025 में 4 साल बाद डॉ. मोहन यादव सरकार ने नई तबादला नीति लागू की थी, जिसमें कड़े नियम बनाए थे। इसके चलते कई अधिकारी कर्मचारी स्थानांतरण नहीं करा पाए थे। इनमें से कुछ ने पदस्थापना स्थल पर निर्धारित समय पूरा नहीं किया,जिससे आवेदन निरस्त कर दिए गए थे। इस वर्ष ये कर्मचारी पदस्थापना काल पूरा कर चुके हैं, अब स्थानांतरण चाहते हैं, लेकिन यह मंशा तभी पूरी होगी, जब शासन द्वारा तबादलों पर से प्रतिबंध हटाया जाए।

पुलिस भर्ती में 2070 महिलाओं का चयन, आवंटित की गई यूनिट

आधार हिस्ट्री, फिटनेस और दस्तावेजों की होगी जांच

मुख्य संवाददाता, भोपाल। कर्मचारी चयन मंडल (ईएसबी) द्वारा वर्ष 2025 की पुलिस आरक्षक भर्ती का अंतिम परिणाम जारी करने के बाद पीएचक्यू की चयन एवं भर्ती शाखा ने चयनित उम्मीदवारों को उनकी इकाइयों का आवंटन कर दिया है। इस भर्ती की सबसे खास बात शासन की मंशा के अनुरूप महिलाओं को दिया गया 35 प्रतिशत आरक्षण रहा। पीएचक्यू से मिली जानकारी के अनुसार आरक्षक (जीडी) के कुल 7500 पदों में से न्यायालय के आदेशानुसार 13 प्रतिशत पदों की सूची को रोककर शेष 87 प्रतिशत पदों का परिणाम घोषित किया गया। इसमें कुल 6520 उम्मीदवार सफल रहे, जिनमें 4450 पुरुष और 2070 महिला उम्मीदवार शामिल हैं। मध्य प्रदेश में पहली बार एक साथ इतनी बड़ी संख्या में महिला आरक्षकों का चयन हुआ है।

एक माह में पूरी होगी भर्ती

पीएचक्यू ने चयनित उम्मीदवारों के लिए इकाई आवंटन की लिस्ट गुरुवार को ईएसबी की वेबसाइट पर अपलोड कर दी है। उम्मीदवार पोर्टल से अपनी यूनिट की जानकारी लेकर वहां उपस्थित होने के संबंध में जरूरी निर्देश भी डाउनलोड कर सकेंगे। पीएचक्यू ने सभी संबंधित इकाइयों को सख्त निर्देश दिए हैं कि नियुक्ति की शेष औपचारिकताएं और कार्यवाही एक माह के भीतर अनिवार्य रूप से पूर्ण कर ली जाएं। पिछली बार 2023 की आरक्षक भर्ती में आधार कार्ड अपडेशन के जरिए हुए फर्जीवाड़े के खुलासे के बाद, इस बार सभी आवेदकों को अपने मूल दस्तावेजों के साथ मोबाइल में आधार अपडेशन की हिस्ट्री भी पुलिस यूनिट के अधिकारियों को दिखानी होगी। इसके अलावा संबंधित यूनिट में ही इन अभ्यर्थियों का फिटनेस टेस्ट होगा, जिसे पास करने के बाद ही उन्हें ट्रेनिंग के लिए भेजा जाएगा।

छात्राओं की समस्याएं हल नहीं हुईं तो 8 दिन बाद घेराव: पटवारी

नर्सिंग छात्राओं की पंजीयन समस्याओं से कराया अवगत

विसं, भोपाल। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने नर्सिंग रजिस्ट्रेशन काउंसिल के चेयरमैन से मुलाकात की और उन्हें बालाघाट की नर्सिंग छात्राओं के पंजीयन से जुड़ी समस्याओं से अवगत कराते हुए निराकरण करने का आग्रह किया। यदि समस्याओं का समाधान नहीं हुआ, तो कांग्रेस 8 दिन बाद कार्यालय का घेराव करेगी। पटवारी ने चेयरमैन से मिलने के बाद पत्रकारों से कहा कि यह मामला पूरी तरह से छात्राओं के भविष्य से जुड़ा हुआ है, ऐसे में कांग्रेस किसी भी तरह की लापरवाही को बर्दाश्त नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि जिन छात्राओं ने अपनी पढ़ाई पूरी कर ली है, उनका समय पर पंजीयन होना उनका अधिकार है,उनका समय पर पंजीयन होना चाहिए। यह जिम्मेदारी सरकार और प्रशासन की बनती है,कि वह इस पूरे मामले को प्राथमिकता के आधार पर निराकृत कराए।

अनुसूचित विभाग की हुई बैठक

इधर प्रदेश कांग्रेस दफ्तर में गुरुवार को कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग की प्रदेश कार्यकारणी एवं जिलाध्यक्षों की बैठक हुई,जिसमें संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने की रणनीति पर चर्चा की गई। बैठक में पीसीसी चीफ जीतू पटवारी, पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह, पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा, कांग्रेस कार्य समिति सदस्य कमलेश्वर पटेल और विभाग के प्रदेशाध्यक्ष प्रदीप अहिरवार मौजूद रहे। पटवारी ने कहा कि कांग्रेस बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के संविधान और सामाजित न्याय की विचारधारा के साथ मजबूती से खड़ी है। अनुसूचित जाति विभाग संगठन का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है। राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह ने कहा कि संविधान केवल एक दस्तावेज नहीं, बल्कि देश के करोड़ो वंचित , दलित और पिछड़े समाज की आशाओं का आधार है। इसकी रक्षा और सामाजित समता की स्थापना के लिए कांग्रेस निरंतर संघर्ष करती रहेगी।

झरनों और जलस्रोतों की गिनती में देरी पर केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय ने जताई नाराजगी, सीएस को भेजा पत्र

ईएनसी के अल्टीमेटम के बाद जल संसाधन विभाग के इंजीनियर जुटा रहे जानकारी

मुख्य संवाददाता, भोपाल। मध्य प्रदेश में झरनों और जलस्रोतों (वाटर बॉडीज) की गिनती में हो रही देरी को लेकर केंद्रीय जलशक्ति मंत्रालय ने कड़ी नाराजगी जताई है। मंत्रालय के सचिव वीएल कांताराव ने प्रदेश के मुख्य सचिव अनुराग जैन को पत्र लिखकर कहा है कि वॉटर रिसोर्स सेंसस के तहत अब तक झरनों, नदियों और सिंचाई परियोजनाओं की पूरी जानकारी पोर्टल पर अपलोड नहीं की गई है। इस पत्र के बाद मुख्य सचिव ने जल संसाधन विभाग के एसीएस राजेश राजौरा को निर्देश दिए कि वे विभाग के अधिकारियों से इस लापरवाही का जवाब मांगें और जल्द से जल्द काम पूरा करवाएं। इसके अलावा जलस्रोतों की गिनती से जुड़े कृषि विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग और नगरीय प्रशासन विभाग को भी सीएस ने वॉटरबॉडीज की जानकारी तत्काल भेजने के निर्देश दिए हैं।

केंद्र सरकार ने 31 मई की डेडलाइन तय की

छोटे, मध्यम और बड़े सिंचाई प्रोजेक्ट्स की गणना का काम जल संसाधन विभाग के पास है। उनके एरिया में आने वाले झरनों की गिनती भी जल संसाधन के स्टाफ को ही करनी है। इसको लेकर विभाग के प्रमुख अभियंता विनोद देवड़ा सख्त रुख अपना चुके हैं। उन्होंने सीएस के पत्र के बाद 22 अप्रैल को मुख्य अभियंताओं और परियोजना संचालकों को अल्टीमेटम देते हुए कहा था कि केंद्र से कई बार रिमाइंडर के बावजूद फील्ड स्टाफ सक्रिय नहीं हुआ, जो खेदजनक है। उन्होंने स्टाफ को निर्देश दिए थे कि इस काम को पूरा किया जाए और उसकी जानकारी उनके ऑफिस को भी भेजी जाए। इसके बाद अब यह जानकारी जुटाई जा रही है। झरनों समेत सभी वॉटर बॉडीज की गिनती के लिए केंद्र सरकार ने 31 मई की डेडलाइन तय की है।

जियो टैगिंग के साथ तस्वीरें भी होंगी अपलोड

देश में पहली बार हो रही इस विशेष गणना के तहत मैदानी स्टाफ को मौके पर जाकर झरनों की जियो-टैगिंग करनी है और उनकी तस्वीरें पोर्टल पर अपलोड करनी हैं। इस काम के लिए राच्य में कृषि विभाग को नोडल एजेंसी बनाया गया है, जिसमें कुल चार विभाग समन्वय के साथ काम कर रहे हैं। ईएनसी विनोद देवड़ा का कहना है कि जल संसाधन विभाग ने अपने हिस्से का लगभग काम पूरा कर लिया है। गौरतलब है कि देश में पहली बार होने जा रही इस गणना के जरिए देशभर में अलग-अलग जलस्रोतों की लोकेशन और जानकारी के साथ वहां पानी की उपलब्धता को लेकर जानकारी जुटाई जा रही है। इस सेंसस के बाद जलशक्ति मंत्रालय इन जलस्रोतों के पानी के उपयोग से लेकर वहां पर्यटन स्थल आदि विकसित करने की भी योजना बनाएगा।

फिर अतिथियों से भरे जाएंगे स्कूलों के 70 हजार खाली पद, कल से ऑनलाइन भर्ती

जागरण, भोपाल। प्रदेश के सरकारी स्कूलों में शिक्षकों के खाली पड़े 70 हजार से ज्यादा पद अगले शैक्षणिक सत्र में भी अतिथि शिक्षक से ही भरे जाएंगे। इस बार पूरी भर्ती प्रक्रिया ऑनलाइन रहेगी। इसमें नए अतिथियों के लिए भर्ती प्रक्रिया 2 मई से शुरू की जाएगी। जबकि पुराने व अनुभवी अतिथि शिक्षक सत्यापन के बाद ही भर्ती प्रक्रिया में शामिल हो सकेंगे। लोक शिक्षण संचालनालय ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए अतिथि शिक्षकों की भर्ती प्रक्रिया का कार्यक्रम और गाइड लाइन जारी कर दी है। इस बार भर्ती प्रक्रिया 2 मई से शुरू की जाएगी। नए आवेदकों के लिए भर्ती प्रक्रिया अलग रहेगी तो पुराने अतिथि शिक्षक विभिन्न चरण पूरे करने के बाद भर्ती प्रक्रिया में शामिल हो सकेंगे। दोनों के लिए भर्ती प्रक्रिया ऑनलाइन पोर्टल 3.0 के जरिए संचालित की जाएगी। इस प्रक्रिया के जरिए प्रदेश के प्राथमिक से लेकर हायर सेकंडरी स्कूलों में प्राथमिक, माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक शिक्षकों के खाली पदों पर भर्ती की जाना है।

ओटीपी से होगा सत्यापन

इस ऑनलाइन प्रक्रिया के लिए जिला और विकासखंड शिक्षा अधिकारियों को मोबाइल नंबर अपडेट कराने और सत्यापन प्रक्रिया की निगरानी की जिम्मेदारी दी गई है। संकुल प्राचार्य को ओटीपी के आधार पर ही सत्यापन करना होगा।

ऐसे पूर्ण होगी प्रक्रिया

विभाग द्वारा तय प्रक्रिया के तहत नए आवेदकों को अतिथि शिक्षक पोर्टल अपना पंजीयन कराना होगा। इसके लिए उन्हें न्यू रजिस्ट्रेशन ऑप्शन पर क्लिक करना होगा। लॉगइन करने के बाद आवेदकों को अपने दस्तावेज जैसी- मार्कशीट, डिग्री, अनुभव प्रमाण पत्र आदि अपलोड करना होंगे। सारे दस्तावेज अपलोड कर अपनी प्रोफाइल लॉगआउट करना अनिवार्य है। इसके बाद सभी आवेदकों को अपने संकुल केंद्र में में जाकर प्राचार्य से दस्तावेजों का सत्यापन कराना होगा। सत्यापन के बगैर आवेदन प्रक्रिया पूर्ण नहीं मानी जाएगी। सत्यापन के बाद ही सभी आवेदकों का स्कोर कार्ड तैयार किया जाएगा और इसी के मेरिट की आधार पर इनका चयन किया जाएगा। वहीं पुराने अतिथि शिक्षकों की भर्ती प्रक्रिया प्रोफाइल अपडेशन से शुरू होगी।

जनरेट होगा स्कोर कार्ड

प्रोफाइल अपडेट कराने के बाद ही पुराने अतिथि शिक्षकों का स्कोर कार्ड जारी होगा। उन्हें सत्यापन के दौरान अपनी डिग्री व मार्कशीट के अलावा अनुभव प्रमाण पत्र, टीईटी का प्रमाण पत्र अपलोड कराना होगा। सत्यापन के दौरान संकुल प्राचार्य आवेदक के मूल दस्तावेजों से मिलान कर जानकारी को पोर्टल पर स्वीकार या अस्वीकार करेंगे। जानकारी गलत पाई जाती है तो आवेदन रिजेक्ट कर दिया जाएगा, जिसे आवेदक दोबारा सुधार कर जमा कर सकता है। इसलिए पूरी सावधानी रखकर ही आवेदकों को अपना रिकॉर्ड अपलोड करना होगा।

संबल योजना के तहत पात्रों के खाते में सीएम ने अंतरित किए 600 करोड़

केन्द्र के अनुरूप प्रदेश में बनेंगे श्रम नियम : सीएम

विसं, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि केंद्र सरकार ने 4 नई श्रम संहिताओं का प्रावधान किया है। राज्य सरकार भी इन संहिताओं के अनुरूप नियम तैयार कर लागू करेगी। श्रमिक हित में लागू की गई केंद्र और राच्य सरकार की योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक श्रमिकों को दिलवाने में कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी।

सीएम गुरुवार को मंत्रालय में श्रमिक परिवारों को अनुग्रह सहायता राशि अंतरित करने के उपरांत अपना संबोधन दे रहे थे। इस मौके पर उन्होंने मुख्यमंत्री जन कल्याण (संबल) योजना में 27 हजार से अधिक श्रमिक परिवारों के लिए 600 करोड़ रुपए की सिंगल क्लिक के माध्यम से पात्रों के खातों में अंतरित की। डॉ. यादव ने कहा कि श्रमिकों के हित में केन्द्र और राज्य सरकार की योजनाएं संचालित हैं। अब असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को भी संबल योजना का लाभ दिया जा रहा है। इनमें विभिन्न प्रकार की उपभोक्ता सामग्री पहुंचाने वाले गिग वर्कर्स और प्लेटफार्म वर्कर्स को भी शामिल किया गया है। उन्होंने प्रदेश में 3529 गिक वर्कर्स को पहली बार योजना का लाभ प्रदान करने के लिये विभाग की सराहना की है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में श्रम स्टार रेटिंग की अनूठी पहल शुरू की गई है। इस व्यवस्था में औद्योगिक संस्थाओं द्वारा श्रमिकों के स्वास्थ्य और सुरक्षा को सुनिश्चित करने का कार्य किया जा रहा है। श्रेष्ठ कार्य के लिए प्रतिष्ठानों को श्रम स्टार रेटिंग के माध्यम से आंकलन कर प्रोत्साहित किया जाएगा। प्रदेश में 554 कारखानों ने स्वेच्छा से श्रम स्टार रेटिंग की व्यवस्था को अपनाया है।इस अवसर पर श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल भी उपस्थित थे। डॉ. यादव की श्रमिक हितैषी नीतियों में श्रम एवं पंचायत और ग्रामीण विकास मंत्री पटेल ने विश्वास व्यक्त कर श्रमिक कल्याण की प्राथमिकता के लिये आभार माना। पटेल ने बताया कि वर्ष 2018 में श्रमिकों के हित में प्रारंभ हुई योजना से अब तक एक करोड़ 83 लाख श्रमिक जुड़ चुके हैं।

बैठक — मंत्रालय से ज्यादा मैदानी अधिकारियों के काम पर ज्यादा ध्यान देना शुरू किया

गेहूं उपार्जन: नए कलेक्टर वाले जिलों पर मुख्यमंत्री का फोकस

विशेष संवाददाता, भोपाल। तकरीबन एक माह पहले हुई प्रशासनिक सर्जरी में 14 जिलों के कलेक्टर बदले गए हैं। इनमें से कुछ जिलों में पहली बार आईएएस कलेक्टर बनाए गए हैं। इन अधिकारियों की कार्यशैली की परख करने इन्हीं जिलों पर अपना फोकस बनाए हुए हैं। सूत्रों की मानें तो सीएम गेहूं उपार्जन की वस्तुस्थिति जानने के लिए इन्हीं जिलों में अचानक पहुंच सकते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंत्रालय से ज्यादा मैदानी अधिकारियों के कामकाज पर ज्यादा ध्यान देना शुरू कर दिया है। विशेषकर कलेक्टर सरकार की योजनाओं और विकास कार्यो पर कितनी रुचि रखते हैं, इस का सीएम सचिवालय द्वारा नियमित आंकलन किया जा रहा है। सीएम अगली कलेक्टर कमिश्नर कांफ्रेंस से पहले स्वयं अधिकारियों की परफार्मेंस रिपोर्ट तैयाक करेंगे। सीएम ने इसकी शुरूआत गेंहू उपार्जन से की है। जिसमें वे स्वयं व्यवस्थाओं का जायजा लेने के लिए औचक निरीक्षण पर निकलेंगे।

पहले दिन दो खरीदी केंद्र पहुंचे सीएम

इसकी शुरुआत गुरुवार को खरगोन जिले में मंडलेश्वर तहसील के कतरगांव और शाजापुर जिले के ग्राम मकोड़ी में गेहूं उपार्जन केंद्र से की। इन दोनों खरीदी केन्द्र में सीएम अचानक पहुंचे और उपार्जन की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कलेक्टर और मंडी सचिव को निर्देशित किया कि गेहूँ उपार्जन से संबधित सभी निर्देशों का कड़ाई से पालन करें। डॉ. यादव ने कतरगांव में कृषक सुरेश पाटीदार की 55 क्विंटल गेहूं की खरीदी के बाद ई-उपार्जन पोर्टल पर उनकी प्राप्ति ऑनलाइन जनरेट करवाई और कृषक को भुगतान राशि 1 लाख 44 हजार 374 रूपये का प्राप्ति पत्र सौंपा।

सीएम ने किसानों से किया संवाद, ली भुगतान की जानकारी

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उपार्जन केन्द्र कतरगांव में किसान व पशुपालक भागीरथ मालवीय तथा अन्य किसानों से संवाद भी किया। डॉ. यादव ने यहां स्लॉट बुकिंग और उपार्जन की अन्य व्यवस्थायें और किसानों को ओटीपी के माध्यम से किये जा रहे भुगतान की जानकारी प्राप्त की। किसानों से शासन द्वारा की गई व्यवस्थाओं का फीडबैक भी लिया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक अन्नदाता को सम्मान, सुविधा एवं उपज का उचित मूल्य दिलाना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसी तरह सीएम ने शाजापुर जिले के ग्राम मकोड़ी में श्यामा गेहूं उपार्जन केंद्र का औचक निरीक्षण किया। डॉ. यादव ने बारदानों पर छपाई कर रही स्व-सहायता समूह की महिला संगीता बाई से छपाई के बारे में पूछा। उन्होंने मुख्यमंत्री लाडली बहना और शासन की अन्य योजनाओं से मिलने वाली राशि के बारे में भी जानकारी ली।

नए मापदंड लागू करने के निर्देश

मुख्यमंत्री ने कलेक्टर और मंडी सचिव को निर्देशित किया कि उपार्जन/खरीदी केंद्रों पर पूरे 6 तौल कांटे लगाए जाएं। गेहूं खरीदी के नए मापदंड जारी हुए है वह लागू हो जाएं। उन्होंने उपार्जन केंद्र पर कृषकों की सुविधा के लिए पेयजल, टेंट, बैठक, इत्यादि व्यवस्थाओं का भी निरीक्षण किया तथा सुविधाएं बढ़ाने के निर्देश दिए।

किसानों को तकनीक नहीं न्याय चाहिए: सिंघार

भोपाल। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा कि किसान गेहूं बेचने के लिए लाइन पर खड़ा है, फिर भी उसका गेहूं नहीं बिक पा रहा है। किसानों को तकनीक नहीं न्याय चाहिए, इसके लिए सरकार को तत्काल टोकन और रसीद के आधार पर खरीदी शुरू करनी चाहिए। गेहूं उपार्जन को लेकर अपने वक्तव्य में सिंघार ने कहा कि किसानों के खेत कट गए, मंडियों भर गई,लेकिन किसानों की झोली खाली है। सर्वर डाउन होने की वजह से स्लॉट बुकिंग बंद होने से किसानों को उनकी फसल बेचने के लिए नंबर नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार की कागजी किसान नीति और विचौलिया प्रेमी सिस्टम ने हालात ऐसे कर दिए हैं कि किसान मेहनत करें और फायदा कोई और उठाए। सिंघार ने कहा कि सरकार की नीति को किसान देख रहा है और समय आने पर वह इसका जवाब भी देगा।

प्रथम पृष्ठ के शेष

अब प्रदेश के जलाशयों ...

अधिकारियों एवं दूसरे जनप्रतिनिधियों के साथ दुर्घटना स्थल का जायजा लिया। इस दर्दनाक हादसे में मां-बेटे की मौत से जहां दिल्ली का परिवार बिखर गया। परिवार के तीन लोग इस हादसे में बच नहीं सके। जबकि पति, बेटी व ससुर बचा लिये गए। वहीं जबलपुर के खमरिया में रहने वाले कामराज के परिवार पर भी पहाड़ टूटा है। इस परिवार के 15 लोग क्रूज में सवार थे। इनमें से पत्नी काकुलाझी का शव गुरूवार को ही मिल गया था तो पति कामराज और बेटे तमिल का 24 घंटे बाद भी कोई पता नहीं है। कामराज के बुजुर्ग माता-पिता कल शाम से ही घाट पर बैठे हैं। बाकी उनके भैया भाभी व अन्य रिश्तेदारों को रेस्क्यू टीम ने बचा लिया था। गुरुवार शाम हुए इस हादसे के बाद देर रात तक टार्च की रोशनी में सर्च ऑपरेशन चलाया जाता रहा। शुक्रवार सुबह से चलाए गए ऑपरेशन में कुछ लोगों को सुरक्षित निकालने में कामयाबी मिली तो शव मिलने से बरगी का घाट मातम में डूबता चला गया। चार लोगों का अभी भी पता नहीं चला है। इनकी तलाश में चलाए जा रहे ऑपरेशन को शुक्रवार शाम अचानक बदले मौसम ने रोक दिया। तेज बारिश होने से सर्चिंग रोक दी गई है। शनिवार सुबह 5 बजे से फिर सर्चिंग की जाएगी। ऐसे में अपनों के लौटने की आस लगाए बैठे परिजनों का इंतजार और बढ़ गया है।

इस हादसे में मृतकों की संख्या के साथ ही सुरक्षित निकल रहे लोगों की संख्या बढ़ने के साथ ही पर्यटन निगम, बोट क्लब के स्टॉफ पर उठने वाली उंगलियां भी बढ़ती जा रही है। बोट क्लब ने प्रशासन को घटना के तत्काल बाद बताया था कि कुल 29 लोगों को टिकट जारी की गई थी। मगर अब तक प्रशासन द्वारा जारी सूची के मुताबिक ही 41 से ज्यादा नाम सामने आ चुके हैं। वहीं लाइफ जैकेट भी किसी को नहीं दी गई थी। वीडियो में भी अधिकांश लोग बिना जैकेट के नजर आए हैं। पायलट ने खुद स्वीकार किया कि मौसम बदलने पर जैकेट दी गईं। बचकर बाहर निकले यात्रियों ने बताया है कि पानी भरने पर क्रूज स्टॉफ भाग गया था। वे लोगों को बचाने भी नहीं आया। लोगों को जैकेट भी मुश्किल से दी गईं। कई पर्यटक तो जैकेट पहन भी नहीं सके। पानी भरने पर लोगों ने ही कांच फोड़कर अपनी जान बचाई।

मृतकों में 8 महिलाएं और एक बच्चा

- नीतू सोनी (43), निवासी कोतवाली, जबलपुर
- सौभाग्यम अलागन (42), निवासी अन्नानगर, वेस्ट तारापुरम, तमिलनाडु
- मधुर मैसी (62), निवासी खाजन बस्ती, नई दिल्ली
- काकुलाझी पति/पिता कामराज (38), निवासी वेस्ट लैंड खमरिया, जबलपुर
- रेशमा सैयद (66), निवासी सिविल लाइन, भसीन आर्केड, जैक्सन होटल के पास
- शमीम नकवी (68), निवासी डेरखी, भोपाल
- मरीना मैसी पति प्रदीप मैसी (39), निवासी दिल्ली
- त्रिशान पिता प्रदीप मैसी (4), निवासी दिल्ली
- ज्योति सेन, निवासी फूटाताल,घमापुर के आगे, जबलपुर।

जूनियर को भी प्राचार्य ...

अदालत ने उच्च शिक्षा विभाग द्वारा 25 अगस्त 2021 और 8 सितंबर 2021 को जारी उन सर्कुलरों को भी अल्प संख्यक संस्थाओं के संबंध में निरस्त कर दिया, जिनमें इन संस्थाओं को वरिष्ठतम शिक्षक को ही प्रभारी बनाने का प्रावधान किया गया था। यह विवाद तब अदालत में पहुंचा था जब विदिशा के एसएसएल जैन पीजी कॉलेज की प्रबंधन समिति ने प्रभारी प्राचार्य डॉ. शोभा जैन के सेवानिवृत्त होने के बाद डॉ. एसके उपाध्याय को प्रभारी प्राचार्य नियुक्त कर दिया था। उच्च शिक्षा विभाग के क्षेत्रीय अतिरिक्त संचालक ने इस फैसले को निरस्त करते हुए वरिष्ठता के आधार पर डॉ. अर्चना जैन को प्रभार सौंपने का आदेश दिया था।

आईपीएल की सबसे सफल टीमें चेन्नई और मुंबई के बीच होगा करो या मरो का मुकाबला

चेन्नई, जेएनएन। अब तक अपेक्षित प्रदर्शन नहीं करने वाली चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) और मुंबई इंडियंस की टीमों के बीच इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में शनिवार को यहां करो या मरो का मुकाबला होगा, जिसमें दोनों का लक्ष्य प्लेऑफ की दौड़ में बने रहने की उम्मीद बनाए रखना होगा। आईपीएल इतिहास की दो सबसे सफल टीम का अब तक का अभियान निराशाजनक रहा है और वे लय हासिल करने के लिए संघर्ष कर रही हैं। सीएसके के लिए एमए चिदंबरम स्टेडियम की परिस्थितियां अनुकूल रही हैं लेकिन उनके प्रदर्शन में वह प्रभाव देखने को नहीं मिला है जो वर्षों से उसकी पहचान रही है।

सीएसके की बल्लेबाजी गेंदबाजों के दबाव में: सीएसके की बल्लेबाजी में निरंतरता का अभाव रहा है। विशेषकर उसके बल्लेबाज बीच के ओवरों में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। उसके गेंदबाज भी दबाव वाली परिस्थितियों में बेहतर प्रदर्शन करने के लिए जूझ रहे हैं।

मंबई के मध्यक्रम और गेंदबाजों का प्रदर्शन निराशाजनक: मुंबई इंडियंस का प्रदर्शन भी इस सत्र में उतार-चढ़ाव वाला रहा है। शीर्षक्रम के बल्लेबाजों के शानदार प्रदर्शन के बावजूद, पांच बार की चैंपियन टीम को कमजोर मध्यक्रम और गेंदबाजों ने निराश किया है। उसके गेंदबाज स्कोर का बचाव करने और महत्वपूर्ण मौकों पर विपक्षी बल्लेबाजों पर अंकुश लगाने में नाकाम रहे हैं। अब जबकि टूर्नामेंट अपने निर्णायक चरण में पहुंच गया है तो इन दोनों टीम के लिए अपने प्रदर्शन में सुधार करने के अलावा अब कोई और विकल्प नहीं है। उन्हें अपनी किस्मत पलटने के लिए इस मैच से ही अच्छा प्रदर्शन करना होगा।

दोनों टीमों में अस्तित्व की लड़ाई

सीएसके को उम्मीद होगी कि उसके स्पिनर चेपॉक की धीमी पिच का फायदा उठाने में सफल रहेंगे, जबकि मुंबई की टीम स्पिनरों का मुकाबला करने के लिए अपने पावर हिटर्स पर निर्भर रहेगी। चेन्नई और मुंबई की मौजूदा फॉर्म को देखते हुए दोनों में से कोई भी टीम इस मैच में स्पष्ट रूप से जीत की हकदार नहीं है, जिससे यह मुकाबला आईपीएल की पारंपरिक रूप से सबसे बड़ी प्रतिद्वंद्विता में वर्चस्व की लड़ाई के बजाय अस्तित्व की लड़ाई बन गया है।

मुंबई को जीतने होंगे सभी मैच

मुंबई इंडियंस की टीम बुधवार को अपने घरेलू मैदान पर सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 243 रन का बचाव करने में नाकाम रही थी जिससे उसकी स्थिति बद से बदतर हो गई है। इस मैच में उसकी गेंदबाजी की कमजोरियां भी उजागर हो गई। सीएसके की स्थिति मुंबई से थोड़ी बेहतर है। मुंबई नौवें स्थान पर है और उसे प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करने की उम्मीदों को जीवंत रखने के लिए अपने शेष सभी छह मैच जीतने होंगे।

चेन्नई सुपर किंग्स- रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), एमएस धोनी (विकेटकीपर), संजू सैमसन (विकेटकीपर), कार्तिक शर्मा (विकेटकीपर), डेवाल्ड ब्रेविस, सरफराज खान, उर्विल पटेल (विकेटकीपर), अमन खान, शिवम दुबे, जैक फॉल्क्स, रामकृष्ण घोष, अंशुल कंबोज, जेमी ओवरटन, मैथ्यू शॉर्ट, प्रशांत वीर, राहुल चाहर, श्रेयस गोपाल, गुरजापनीत सिंह, मैट हेनरी, अकील हुसैन, स्पेंसर जॉनसन, मुकेश चौधरी, नूर अहमद।

मुंबई इंडियंस-हार्दिक पंड्या (कप्तान), क्विंटन डीकॉक (विकेटकीपर), रयान रिकेल्टन (विकेटकीपर), रॉबिन मिंज (विकेटकीपर), दानिश मालेवार, शेरफेन रदरफोर्ड, रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, तिलक वर्मा, राज बावा, कॉर्बिन बॉश, विल जैक, मयंक रावत, नमन धीर, शार्दुल ठाकुर, अश्विनी कुमार, जसप्रीत बुमराह, ट्रेंट बोल्ट, दीपक चाहर, कृष भगत, एएम गजनफर, केशव महाराज, मयंक मारकंडे, मोहम्मद इज़हार, रघु शर्मा।

भुवनेश्वर कुमार ने रचा इतिहास

टी20 में 350 विकेट लेने वाले बने पहले भारतीय तेज गेंदबाज

नई दिल्ली, जेएनएन। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में गुरुवार (30 अप्रैल) को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार ने गुजरात टाइटंस के ओपनर साई सुदर्शन को आउट करके इतिहास रच दिया। वह टी20 में 350 विकेट लेने वाले पहले भारतीय तेज गेंदबाज बने। वह यह उपलब्धि हासिल करने वाले दूसरे भारतीय बने। युजवेंद्र चहल के नाम सबसे ज्यादा विकेट हैं। लिस्ट में तीसरे नंबर पर जसप्रीत बुमराह हैं। चहल ने 337 मैचों में 391 विकेट लिए हैं। भुवनेश्वर कुमार ने 325वें मैच में 350 का आंकड़ा पार किया। जसप्रीत बुमराह के 278 मैच में 347 विकेट हैं। गुजरात टाइटंस के खिलाफ भुवनेश्वर कुमार ने 4 ओवर में 28 रन देकर 3 विकेट लिए। उन्होंने साई सुदर्शन के अलावा शुभमन गिल 18 गेंद पर 43 और जोस बटलर 19 गेंद पर 39 रन को आउट किया। भुवनेश्वर ने 3 विकेट लेकर पर्पल कैप पर कब्जा जमा लिया। उनके 17 विकेट हो गए।

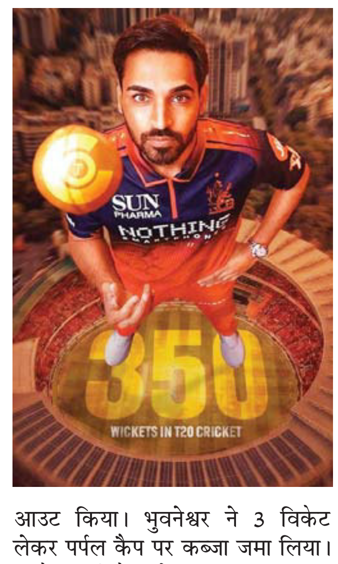

टी20 में 350 विकेट के साथ दूसरे स्थान पर

गुरुवार को आरसीबी के भुवनेश्वर कुमार ने गुजरात टाइटंस के साई सुदर्शन को आउट कर यह मील का पत्थर पार किया। वह टी20 में 350 विकेट पूरे करने वाले दूसरे भारतीय और पहले तेज गेंदबाज बने। युजवेंद्र चहल (391 विकेट) ही उनसे आगे हैं। भुवनेश्वर कुमार 350 विकेट के साथ दूसरे स्थान पर हैं। जसप्रीत बुमराह 278 मैचों में 347 विकेट के साथ तीसरे पर है।

ऑरेंज कैप (बल्लेबाज)

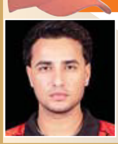

अभिषेक (हैदराबाद)	425
क्लासैन (हैदराबाद)	414
वैभव (राजस्थान)	400

पर्पल कैप (गेंदबाज)

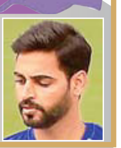

भुवनेश्वर (बेंगलुरू)	17
इशान मलिंगा (हैदराबाद)	15
अंशुल कंबोज(चेन्नई)	14

बाउंड्री मीटर

765 छक्के
1317 चौके
81 अर्धशतक

राशिद खान ने किफायती गेंदबाजी करते हुए चार ओवर में सिर्फ 19 रन दिए और दो विकेट लिए। राशिद ने रन गति पर पूरी तरह लगाम लगाई।

अंक तालिका

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक	रन रेट
पंजाब	8	6	1	13	1.043
बेंगलुरु	9	6	3	12	1.420
हैदराबाद	9	6	3	12	0.832
राजस्थान	9	6	3	12	0.617
गुजरात	9	5	4	10	-0.192
चेन्नई	8	3	5	6	-0.121
दिल्ली	8	3	5	6	-1.060
कोलकाता	8	2	5	5	-0.751
मुंबई	8	2	6	4	0.784
लखनऊ	8	2	6	4	-1.106

थामस कपः लक्ष्य, सात्विक-चिराग ने दिलाई भारत को चीनी ताइपे पर बढ़त

होर्सेंस (डेनमार्क), जेएनएन। लक्ष्य सेन की जोरदार वापसी के बाद सात्विक साईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की युगल जोड़ी ने भी तीन गेम तक चले मुकाबले में जीत दर्ज की जिससे भारत ने शुक्रवार को यहां थॉमस कप बैडमिंटन टूर्नामेंट के फाइनल्स के क्वार्टरफाइनल में चीनी ताइपे के खिलाफ 2-0 की बढ़त हासिल कर ली। लक्ष्य ने दो मैच प्वाइंट बचाते हुए विश्व के छठे नंबर के खिलाड़ी चोउ टिएन चेन को हराकर भारत को शुरुआती बढ़त दिलाई। लक्ष्य इस मैच में अधिकतर समय पीछे चल रहे थे लेकिन उन्होंने गजब का जुझारूपन दिखाया तथा एक घंटे और 28 मिनट तक चले मैराथन मुकाबले में 18-21, 22-20, 21-17 से जीत दर्ज की। चोउ ने पहला गेम में 10-15 से पिछड़ने के बाद जीता, लेकिन दूसरे गेम में लक्ष्य ने दबाव में शानदार वापसी की। भारतीय खिलाड़ी ने 13-17 से पीछे रहने के बाद लगातार चार अंक जीतकर स्कोर बराबर कर लिया। चोउ को दो मैच प्वाइंट मिले, लेकिन लक्ष्य ने अपना संयम बनाए रखा और दोनों को बचाकर मैच को निर्णायक गेम तक पहुंचा दिया। तीसरे गेम में 36 वर्षीय चोउ शारीरिक रूप से कमजोर पड़ते नजर आए और लक्ष्य ने इंटरवल तक 11-7 की बढ़त के साथ अपनी स्थिति मजबूत कर ली। इसके बाद भी उन्होंने खेल पर नियंत्रण बनाए रखा और मैच जीतने में सफल रहे। दूसरा गेम भी काफी कड़ा रहा। शुरुआत में दोनों जोड़ियां 8-8 के स्कोर पर बराबरी पर थीं। भारतीय जोड़ी ने इसके बाद 14-11 की बढ़त बनाई लेकिन ताइवानी खिलाड़ियों ने जोरदार वापसी करते हुए स्कोर बराबर कर दिया। इसके बाद आक्रामक खेल का सिलसिला जारी रहा, जिसमें दोनों टीमों का पलड़ा बराबर रहा लेकिन आखिर में चियू और वांग ने बढ़त बनाकर मैच को निर्णायक गेम तक पहुंचा दिया।

भारत मजबूत स्थिति में

सात्विक और चिराग की युगल जोड़ी ने चियू सियांग चिएह और वांग ची-लिन को एक घंटे और 15 मिनट में 23-21 19-21 21-12 से हराकर भारत को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। एशियाई चैंपियनशिप के फाइनलिस्ट आयुष शेट्टी जब दूसरे एकल मुकाबले में विश्व के नंबर आठ और मौजूदा ऑल इंग्लैंड चैंपियन लिन चुन-यी से भिड़ेंगे तो भारत इस मुकाबले को अपने नाम करने की कोशिश करेगा। अन्य मैचों में हरिहरन आमसकारुनन और एमआर अर्जुन की जोड़ी का सामना लियू कुआंग हेंग और यांग पो-ह्सुआन से जबकि किदाम्बी श्रीकांत का सामना ची यू जेन से होगा।

यूरोपा लीगः वुड के गोल से नॉटिंघम फॉरेस्ट ने एस्टन विला पर बढ़त बनाई

इस्तांबुल। क्रिवुड के करियर के 200वें गोल से नॉटिंघम फॉरेस्ट ने यूईएफए यूरोपा लीग के सेमीफाइनल के दूसरे लेग में एस्टन विला के खिलाफ 1-0 से जीत हासिल की। इस जीत ने फॉरेस्ट को फाइनल की दौड़ में मजबूत स्थिति में ला खड़ा किया है। मैच की शुरुआत में दोनों टीमें बेहद रक्षात्मक नजर आईं, लेकिन फॉरेस्ट ने धीरे-धीरे खेल पर पकड़ बनानी शुरू कर दी। मॉर्गन गिब्स-व्हाइट ने दो अच्छे मौके बनाए, हालांकि वह उन्हें गोल में नहीं बदल सके। इलियट एंडरसन ने भी एक कोशिश की, लेकिन सफलता हाथ नहीं लगी। दूसरी ओर, एस्टन विला ने भी जवाबी हमला किया। मॉर्गन रोजर्स के शानदार कर्लिंग शॉट को स्टीफन ऑर्टेगा ने बेहतरीन तरीके से रोक लिया। फॉरेस्ट का दबाव लगातार बना रहा। एमिलियानो मार्टिनेज को इगोर जीसस के प्रयास को गोल लाइन पर रोकने के लिए तेज प्रतिक्रिया दिखानी पड़ी। दूसरे हाफ में भी मुकाबला कड़ा रहा, जहां ओली वॉटकिंस को पॉइंट-ब्लैंक रेंज से गोल करने से ऑर्टेगा ने शानदार बचाव कर रोका। मैच के अंतिम पलों में निर्णायक मोड़ आया। ओमारी हचिंसन ने गेंद को खेल में बनाए रखा, जिसके बाद लुकास डिग्ने के हैंडबॉल के चलते पेनल्टी मिल गई। इस मौके पर क्रिस वुड ने कोई गलती नहीं की और दमदार शॉट के साथ गोल कर अपनी टीम को बढ़त दिला दी। मैच के बाद वुड ने कहा कि यह दो लेग की टाई का केवल पहला हिस्सा है और असली चुनौती अभी बाकी है।

अंडर-18 आइस हॉकी एशिया कप में भारत ने मकाऊ को 8-1 से हराया

नयी दिल्ली, जेएनएन। कप्तान गुरतेज सिंह भट्टी के चार गोल की मदद से भारत ने बिश्केक, किर्गिस्तान में चल रहे अंडर-18 आइस हॉकी एशिया कप में मकाऊ को 8-1 से हराया। भारत ने शुरू में गोल करके दमदार शुरुआत की और उसने तीनों पीरियड में खेल पर अपना नियंत्रण बनाए रखा। राजस्थान के अजय डांगी ने भारत के लिए पहला गोल किया जबकि भट्टी ने चार गोल करके टीम की जीत सुनिश्चित की। भारत की तरफ से इत्फिकार हुसैन, तंजीन ताशी और देवांश शर्मा ने भी एक-एक गोल किया। भट्टी ने मैच के बाद कहा, हमने स्पष्ट इरादे के साथ शुरुआत की और तीनों पीरियड में अपनी गति बनाए रखी। टीम ने अच्छे मौके बनाए और उनका भरपूर फायदा उठाया। यह शानदार जीत है, लेकिन हमारा ध्यान आगे के मैचों में निरंतरता बनाए रखने पर है।'' भारतीय आइस हॉकी संघ के महासचिव हरजिंदर सिंह ने टीम के प्रदर्शन और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर टीम की प्रगति की सराहना की। उन्होंने कहा, मकाऊ के खिलाफ जीत इस युवा भारतीय टीम की दृढ़ता का मजबूत संकेत है।

कंधे की चोट के कारण एक माह तक नहीं खेल पाएंगे सैंटनर

ऑकलैंड, जेएनएन। न्यूजीलैंड की सीमित ओवरों की टीम के कप्तान मिशेल सैंटनर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के दौरान कंधे में लगी चोट के कारण कम से कम एक महीने तक मैदान से बाहर रहेंगे। इस 34 वर्षीय खिलाड़ी को मुंबई इंडियंस और चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के बीच 23 अप्रैल को खेले गए मैच के दौरान फील्डिंग करते समय बाएं कंधे में चोट लग गई थी। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने शुक्रवार को कहा, सैंटनर इस सप्ताह न्यूजीलैंड लौट आए हैं और आज सुबह एक विशेषज्ञ से मिले, जिन्होंने बताया कि उन्हें कम से कम एक महीने के आराम और 'रिहैबिलिटेशन' की जरूरत है। सैंटनर ने आईपीएल मैच के दौरान जसप्रीत बुमराह की गेंद पर सीएसके के कार्तिक शर्मा का डाइव लगाकर कैच लिया, लेकिन इस दौरान उनके कंधे और सिर में चोट लग गई। इस कारण वह आयरलैंड के खिलाफ एकमात्र टेस्ट और इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट मैच के लिए उपलब्ध नहीं रहेंगे।

महिला वनडे रैंकिंगः आस्ट्रेलिया का दबदबा, भारत दूसरे स्थान पर

नयी दिल्ली, जेएनएन। इंग्लैंड ने ताजा महिला वनडे रैंकिंग में मौजूदा विश्व चैंपियन भारत पर अपनी बढ़त बढ़ा ली है और चार अंक की बढ़त से दूसरे स्थान पर है जबकि हरमनप्रीत कौर की टीम इस सूची में तीसरे स्थान पर है। ऑस्ट्रेलिया 163 रैंकिंग अंक के साथ तालिका में शीर्ष पर बरकरार है। पिछले साल दक्षिण अफ्रीका पर जीत के साथ अपना पहला वनडे विश्व कप खिताब जीतने वाली भारतीय महिला टीम ने तब से तीन वनडे खेले हैं जिसमें ऑस्ट्रेलिया ने श्रृंखला 3-0 से क्लीन स्वीप की। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा, इंग्लैंड ने भारत पर अपनी बढ़त एक अंक से बढ़ाकर चार अंक कर ली है और वह 128 अंकों पर है। भारत (124), दक्षिण अफ्रीका (100), न्यूजीलैंड (93) और श्रीलंका (89) अन्य टीमें हैं जिन्होंने अपनी स्थिति बरकरार रखी है। पिछली रैंकिंग में भारत के पास 125 अंक थे जो इंग्लैंड के 126 अंक से महज एक कम था। वहीं चार अंकों की गिरावट के बावजूद ऑस्ट्रेलिया रैंकिंग में शीर्ष पर बना हुआ है। श्रीलंका को अपडेट के बाद छह अंकों का फायदा हुआ है जिससे न्यूजीलैंड के साथ उसका अंतर 13 से घटकर चार हो गया है जबकि बांग्लादेश ने पाकिस्तान को पीछे छोड़कर सातवां स्थान हासिल कर लिया है। विज्ञप्ति के अनुसार, थाईलैंड और नीदरलैंड फिलहाल तालिका से बाहर हो गए हैं, क्योंकि उन्होंने पिछले तीन वर्षों में जरूरी आठ वनडे नहीं खेले हैं।

मैदान से हटकर

अनुष्का का बर्थडे सेलिब्रेट करने मुंबई पहुंचे विराट

विराट कोहली शुक्रवार को पत्नी अनुष्का शर्मा का 38वां जन्मदिन सेलिब्रेट करने के लिए मुंबई आए। कोहली अहमदाबाद में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और गुजरात टाइटन्स के बीच आईपीएल 2026 का मैच खेलने के बाद मुंबई पहुंचे। वो सुबह मुंबई एयरपोर्ट पर स्पॉट हुए। एयरपोर्ट पर पैपराजी ने कोहली से अनुष्का को जन्मदिन की बधाई देने के लिए कहा। विराट और अनुष्का की 11 दिसंबर 2017 को इटली में शादी हुई थी। उनके दो बच्चे हैं। बेटी वामिका का जन्म 11 जनवरी 2021 और बेटे अकाय का जन्म 15 फरवरी 2024 को हुआ था। विराट और अनुष्का हाल ही में वृंदावन में संत प्रेमानंद महाराज के आश्रम पहुंचे थे। कपल ने अक्षय तृतीया पर 19 अप्रैल को वृंदावन पहुंचकर संत प्रेमानंद महाराज के दर्शन किए और आशीर्वाद लिया। दोनों ने प्रेमानंद महाराज का सत्संग भी सुना। दोनों सुबह करीब 10 बजे संत प्रेमानंद महाराज के गुरु संत हित गौरांगी शरण महाराज के वराह घाट स्थित आश्रम पहुंचे थे। यहां दर्शन कर फिर होटल लौटे और करीब 11 बजे रवाना हो गए थे।विराट और अनुष्का ने अब 6 बार संत प्रेमानंद से मुलाकात कर ली है। पहली बार 4 जनवरी, 2023 को दोनों संत प्रेमानंद से मिले थे। बीते 16 महीनों में दोनों की यह 5वीं मुलाकात है। 16 फरवरी को बेटे अकाय के जन्मदिन के बाद भी दोनों यहां आए थे।

अंतर्राष्ट्रीय स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्सः मंत्री सारंग ने शीघ्र और गुणवत्तापूर्ण कार्य के दिए निर्देश

भोपाल, खेल प्रतिनिधि। खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने बरखेड़ा नाथू स्थित अंतर्राष्ट्रीय स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स के निर्माण कार्यों की समीक्षा के दौरान कार्यों की गुणवत्ता अपेक्षित स्तर पर नहीं पाए जाने पर नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने एमपीआरडीसी के अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाते हुए निर्देश दिए कि खेल परिसर के सभी कार्य गुणवत्तापूर्ण तरीके से शीघ्र पूर्ण किए जाएं। मंत्री सारंग ने निर्देशित किया कि कॉम्पलेक्स के हैण्डओवर और टेकओवर की प्रक्रिया का पूर्ण वेरिफिकेशन किया जाए। बिना तकनीकी सत्यापन के किसी भी संरचना का हैंडओवर न लिया जाए। साथ ही, सभी मरम्मत योग्य कार्यों का विस्तृत फ्लो चार्ट बनाकर चरणबद्ध मरम्मत योजना तैयार की जाए, जिससे कार्यों में पारदर्शिता और गति बनी रहे। परिसर में पानी, बिजली, स्वच्छता, पार्किंग, आईटी सर्वर रूम सहित सभी आवश्यक मूलभूत एवं आधुनिक सुविधाओं की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। कॉम्पलेक्स के सुचारु संचालन के लिए प्रशासनिक भवन, सर्वर रूम, आईटी रूम और आधुनिक ऑडिटोरियम के निर्माण हेतु ठोस कार्य-योजना तैयार की जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि परिसर में बिजली की आवश्यकता के लिए सोलर एनर्जी के उपयोग पर विशेष जोर दिया जाए। साथ ही, प्रदेश के सभी खेल परिसरों में सोलर व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए कार्ययोजना तैयार की जाए, जिससे ऊर्जा संरक्षण के साथ पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिले। बैठक में खेल एवं युवा कल्याण संचालक अंशुमान यादव, संयुक्त संचालक बी.एस. यादव, निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधि एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

महिला खिलाड़ियों का बनाया वीडियो, 2 क्रिकेटर गिरफ्तार

नई दिल्ली, जेएनएन। श्रीलंका की अंडर 19 मेंस क्रिकेट टीम के दो खिलाड़ियों ने बदमतीजी की सारें हदें पार कर दीं। दो क्रिकेटरों ने मिलकर होटल के बाथरूम में महिला खिलाड़ियों की वीडियो बना ली। इस कृत्य के लिए पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार भी किया। हालांकि, बाद में वह बेल पर छूट गए। मामला कोलंबो के नाराहेनपीटा का है, जहां दो युवा खिलाड़ियों पर महिला खिलाड़ियों के आपत्तिजनक वीडियो बनाने का आरोप है। इस वजह से उन्हें कुछ समय के लिए हवालात की हवा भी खानी पड़ी। बाद में 5 लाख श्रीलंकाई रुपयों के मुचलके पर उन्हें रिलीज किया गया। ईएसपीएन क्रिकइंफो की रिपोर्ट की मानें तो क्रिकेटरों को इस हफ्ते की शुरुआत में इस मामले में गिरफ्तार किया गया था, जब होटल में रुकी महिला खिलाड़ियों ने उनकी शिकायत की थी कि उनके बाथरूम में मोबाइल फोन से उनकी फिल्म बनाई जा रही है। श्रीलंका पुलिस ने इस मामले को लेकर क्रिकइंफो को बताया कि नाराहेनपीटा पुलिस अभी इस बात की जांच कर रही है कि क्या इनमें से कोई वीडियो ऑनलाइन शेयर किया गया है या नहीं?

पाकिस्तानी बोले- वैभव के बैट में एआई लगी है चिप

वैभव ने दिया जवाब-भगवान ने लगाकर दी है

पटना, जेएनएन। बिहार के 15 साल के वैभव सूर्यवंशी अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से आईपीएल 2026 में धूम मचा रहे हैं। उनकी बैटिंग की चर्चा अब पाकिस्तान तक पहुंच गई है। पाकिस्तान के क्रिकेट एक्सपर्ट नौमान नियाज का मानना है कि वैभव के बैट में एआई चिप लगा हुआ है, जिसके कारण वह लंबे-लंबे छक्के लगा रहे हैं। इस पर राजस्थान रॉयल्स ने एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वैभव से सवाल पूछा गया- क्या आपके बैट में एआई चिप लगा हुआ है। इसपर वैभव ने कहा, भगवान ने लगा कर दिया है। ऊपर ही बोला था कि बैट में तुम्हारे कुछ लगाकर दे रहा हूं। उसी का इस्तेमाल कर रहा हूं। राजस्थान के लिए इस सीजन में वैभव सूर्यवंशी ने 9 मैचों में 400 रन बनाए हैं। जिसमें 1 शतक और 2 अर्धशतक शामिल हैं। खास बात ये है कि उनके 350+ रन सिर्फ चौकों-छक्कों से आए हैं।

सामूहिक दुष्कर्म एवं लूट की घटना का सूचना के 48 घण्टे के अंदर खुलासा कर 04 आरोपियों को किया गया गिरफ्तार

आरोपियों द्वारा युवक साथी को बंधक बनाकर युवती के साथ किया गया था सामूहिक दुष्कर्म घटना में प्रयुक्त 02 मोटरसाईकिल,01 साइकिल, एवं लूटी हुई एक चाँदी की चैन, एक मोबाईल एवं नगद 10 हजार रूपए एवं लगभग 2 लाख रूपए का मशरूका बरामद किया

जागरण, पन्ना । दिनांक 29.04.2026 को पीड़िता की रिपोर्ट पर थाना देवेंद्रनगर में अपराध क्रमांक 206/2026 पंजीबद्ध किया गया। प्रकरण में धारा 115(2), 137(2), 70(2), 351(3) भारतीय न्याय संहिता एवं 5(जी)/6 पॉक्सो एक्ट के अंतर्गत अज्ञात आरोपियों के विरुद्ध सामूहिक बलात्कार का अपराध दर्ज कर गंभीरता से विवेचना प्रारंभ की गई । विवेचना के दौरान प्राप्त साक्ष्यों के आधार पर प्रकरण में धारा 309(6) भारतीय न्याय संहिता एवं 3(1)(ई), 3(2)(व), 3(2)(वा) एससी/एसटी एक्ट की धाराओं का समावेश किया गया । प्रकरण की गंभीरता को दृष्टिगत रखते हुए *पुलिस अधीक्षक पन्ना निवेदिता नायडू के निर्देशन अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पन्ना सुश्री वन्दना चौहान एवं एसडीओपी पन्ना एस.पी. सिहं बघेल के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी देवेन्द्रनगर के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई । गठित पुलिस टीम द्वारा आरोपियों के हुलिया के आधार पर आसपास के ग्रामों में संदिग्ध व्यक्तियों की सघन तलाश की गई तथा मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया गया। इसी क्रम में प्राप्त विश्वसनीय सूचना के आधार पर पुलिस टीम द्वारा बड़ागाँव बांध क्षेत्र में घेराबंदी कर तीन संदिग्ध व्यक्तियों को पकड़ा गया। संदेहियों से पूछताछ के दौरान आरोपियों से मेमोरेंडम कथन लिए गए, जिनमें उन्होंने अपराध करना स्वीकार किया तथा एक अन्य सह-अभियुक्त की जानकारी भी दी। तत्पश्चात चौथे आरोपी को भी गिरफ्तार किया गया। पूछताछ पर आरोपियों ने बताया की आरोपी जंगल मे पहले से मौजूद थे जैसे ही युवक-युवती एकांत स्थान पर आये तो मौके का फायदा उठाकर युवक को बंधक बनाकर युवती के साथ सामूहिक दुष्कर्म किया गया है।,इस दौरान आरोपियों द्वारा दुष्कर्म करने का वीडियो भी बनाया गया साथ ही पीड़िता एवं उसके साथी से नगद रुपये एवं मोबाइल चॉदी की चैन छीन ले गये थे। जिसको पुलिस टीम द्वारा जब्त कर लिया गया है।

गिरफ्तार आरोपी

श्रीपाल गडारी, पिता राम सनेही गडारी, उम्र 27 वर्ष , शनि पाल, पिता संतोष पाल, उम्र 23 वर्ष, राहुल जैसवाल, पिता शारदा प्रसाद जैसवाल, उम्र 27 वर्ष, हेतराम उर्फ हितु पटेल, पिता भुराइयां पटेल, उम्र 59 वर्ष सभी आरोपी निवासी बड़ागाँव (रेस्ट हाउस के पास) हैं। उक्त आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त 04 मोबाइल फोन, एक लाल रंग की पैशन प्रो मोटरसाइकिल, एक हीरो कंपनी की स्प्लेंडर मोटरसाइकिल, एक साइकिल तथा पीड़िता से लूटा गया सामान (मोबाइल,चांदी की चेन एवं 10,000 नगदी) बरामद कर विधिवत जब्त किया गया है। उक्त कार्यवाही थाना प्रभारी कोतवाली पन्ना निरीक्षक रोहित मिश्रा, थाना प्रभारी देवेंद्रनगर उप निरीक्षक संतोष सिंह यादव, चौकी प्रभारी उप निरीक्षक सोनम शर्मा, सहायक उप निरीक्षक बृजमोहन सिंह चंदेल, प्रधान आरक्षक लक्ष्मी यादव, आरक्षक धीरेंद्र सिंह, शंकर प्रताप सिंह बुंदेला, सत्येंद्र बागड़ी, संतोष तोमर, बृजेंद्र रैकवार, अमित बागरी एवं रोहित बागरी एवं सायबर सेल पन्ना की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

वन विभाग ने 50 हेक्टेयर जमीन अतिक्रमण मुक्त कर कराया प्लांटेशन

जागरण, पन्ना । अजयगढ़ उत्तर वनमंडल के धरमपुर रेंज की कुडरा बीट में लंबे समय से वन भूमि में अवैध कब्जे को आखिरकार वन विभाग ने अतिक्रमण मुक्त करा लिया गया। कुडरा बीट के कच्छ क्रमांक 53 में आने वाली लगभग 50 हेक्टर वन भूमि पर लंबे समय से कई लोगों ने अवैध कब्जा कर रखा था, वन विभाग की उक्त जमीन पर कब्जाधारी लोग खेती भी कर रहे थे , वर्ष 2024 25 में बीट के कच्छ प्रभारी अर्पित रूसिया एवं पूर्व रेंजर के द्वारा वन भूमि में वृक्षारोपण का डीपीआर तैयार किया गया एवं जमीन को अतिक्रमण मुक्त करने की विभागीय रणनीति बनाई गई। जिस पर वन भूमि पर अवैध कब्जा धारियों के द्वारा उक्त जमीन पर अपने कब्जे को लेकर वन विभाग के विरुद्ध सिविल न्यायालय अजयगढ़ में रिट पिटीशन दायर कर उक्त जमीन पर अपना दावा किया गया। न्यायालय के द्वारा मामले में सुनवाई करते हुए उक्त दावा खारिज करते हुए जमीन वन विभाग की मानी गई, क्योंकि जमीन पर दावा करने वाले व्यक्ति न्यायालय में किसी प्रकार के दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर पाए। उक्त जमीन को मुक्त कराने में सीसीएफ छतरपुर, डीएफओ पन्ना, एसडीओ विश्रामगंज, रेंजर वैभव सिंह चंदेल एवं बीट प्रभारी अर्पित रूसिया सहित वन विभाग के अमले के प्रयासों से कुडरा की 50 हेक्टेयर वन भूमि अतिक्रमण मुक्त हुई ओर जमीन पर सेंचुरी बनाकर उस पर वृक्षारोपण कर दिया गया, धरमपुर रेंज में पचास हेक्टर वन भूमि को खाली करने एवं उस पर वृक्षारोपण करने का सफल प्रयास वन विभाग के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के तौर पर माना जा रहा है!

सेवा का महाकुंभ, संत निरंकारी चेरिटेबल फाउंडेशन का विशाल रक्तदान शिविर

पूर्व मंत्री बृजेन्द्र प्रताप सिंह बोले, मेडिकल कॉलेज से बदलेगी जिले की स्वास्थ्य तस्वीर

जागरण, पन्ना । मानवता,सेवा और सामाजिक उत्तरदायित्व का अद्भुत संगम उस समय देखने को मिला जब संत निरंकारी चेरिटेबल फाउंडेशन द्वारा जिला चिकित्सालय पन्ना में एक भव्य एवं व्यापक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में जिलेभर से पहुंचे युवाओं, महिलाओं और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए स्वेच्छा से रक्तदान किया। पूरे आयोजन स्थल पर सेवा भावना, अनुशासन और जनजागरूकता का माहौल देखने को मिला।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पन्ना विधायक एवं पूर्व मंत्री बृजेन्द्र प्रताप सिंह रहे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि मध्य प्रदेश की भाजपा सरकार लगातार जनकल्याणकारी नीतियों और स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के लिए ठोस कदम उठा रही है। पन्ना जिले में बनने वाला मेडिकल कॉलेज इस दिशा में एक ऐतिहासिक उपलब्धि साबित होगा। इसके निर्माण के बाद जिले में स्वास्थ्य सेवाओं का व्यापक विस्तार होगा, विशेषज्ञ डॉक्टरों की उपलब्धता बढ़ेगी और गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए लोगों को बड़े शहरों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा।उन्होंने कहा कि रक्तदान महादान है, जो किसी भी जरूरतमंद को नया जीवन देने का माध्यम बनता है। संत निरंकारी चेरिटेबल फाउंडेशन द्वारा आयोजित यह शिविर समाज में सेवा और परोपकार की भावना को सशक्त करने का कार्य कर रहा है, जो अन्य संस्थाओं के लिए भी प्रेरणास्रोत है। इस अवसर पर आशा गुप्ता (प्रदेश उपाध्यक्ष, महिला मोर्चा), कमल लालवानी (जिला उपाध्यक्ष भाजपा),पूनम यादव (जिला उपाध्यक्ष, भाजपा), संगीता राय (जिला मंत्री,भाजपा), शशि परमार (जिलाध्यक्ष, महिला मोर्चा) सहित अनेक जनप्रतिनिधियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। सभी अतिथियों ने रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन करते हुए इस पुनीत कार्य की भूरी-भूरी प्रशंसा की। शिविर में संत निरंकारी चेरिटेबल फाउंडेशन के सदस्यगण, भाजपा के विभिन्न पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता, साथ ही जिला अस्पताल पन्ना के सीएमएचओ, सीएमओ एवं समस्त स्वास्थ्य अमले की सक्रिय सहभागिता रही। चिकित्सा विशेषज्ञों की निगरानी में रक्तदाताओं की जांच, सुरक्षित रक्त संग्रहण एवं आवश्यक स्वास्थ्य सुविधाएं सुनिश्चित की गईं।

छात्र/छात्राओं को हेलमेट की अनिवार्यता को लेकर आयोजित किया गया जागरुकता कार्यक्रम

जागरण, पन्ना । प्रदेश में प्रतिवर्ष सड़क दुर्घटनाओं के कारण असंख्य अमूल्य जानें समाप्त हो जाती हैं । इनमें से अधिकांश दुर्घटनाएं यातायात नियमों की अनदेखी,असावधानी एवं लापरवाही के कारण होती है । इनमें से 50 प्रतिशत मृत्यु दो पहिया वाहन चालकों की होती है,जो अधिकांश वाहन चालक द्वारा हेलमेट नहीं पहनने से होती है । पुलिस मुख्यालय भोपाल द्वारा इन बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने एवं दो पहिया वाहन चलाते समय हेलमेट धारण करने की अनिवार्यता को लेकर प्रदेश स्तर पर दिनांक 26.04.2026 से दिनांक 10.05.2026 तक विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है । जिस अनुक्रम में पुलिस अधीक्षक पन्ना निवेदिता नायडू, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पन्ना बंदना सिंह चौहान के निर्देशन में यातायात पुलिस पन्ना द्वारा नेशनल पब्लिक स्कूल पन्ना के छात्र/छात्राओं को यातायात नियमों का अनिवार्य रुप से पालन करने साथ ही दो पहिया वाहन चलाते समय हेलमेट की अनिवार्यता को लेकर जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किया गया । आयोजित जागरुकता कार्यक्रम में यातायात पुलिस पन्ना द्वारा सड़क सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए, विद्यालय में उपस्थित छात्र/छात्राओं से यातायात नियमों का कड़ाई से पालन करने और हेलमेट की अनिवार्यता को सुनिश्चित करने का आग्रह किया गया । हाल के दिनों में, यह देखा गया है कि सड़क दुर्घटनाओं में वृद्धि हुई है, जिसका एक मुख्य कारण यातायात नियमों की अनदेखी और दो पहिया वाहन चलाते समय हेलमेट न पहनना है । सभी दो पहिया वाहन चालकों और पीछे बैठी सवारी (पिलियन राइडर) के लिए आई.एस.आई. (ढ्ढस्ढ्ढ) मार्क वाला हेलमेट पहनना अनिवार्य है । साथ ही हेलमेट को सही तरीके से लगाना और उसकी स्ट्रिप (पट्टा) बांधना आवश्यक है साथ ही चार पहिया वाहन (कार) में चालक सहित सभी यात्रियों के लिए सीट बेल्ट लगाना अनिवार्य है । साथ ही बताया गया कि तेजगति गति से वाहन चलाना, नशे की हालत में वाहन चालन, ब्रेकिंग डिस्टेन्स न रखना, गलत तरीके से ओवरटेक करना, बिना हेलमेट, बिना सीटबेल्ट वाहन चलाना, मोबाइल पर बात करते वाहन चलाना, ओवरलोडिंग वाहन एवं खराब सड़के रोड एक्सीडेन्ट के लिए जिम्मेदार है, इनसे बचने के लिए यातायात नियमों का पालन कर निर्धारित गति में वाहन चालन, हेलमेट, सीटबेल्ट जैसे इक्युमेण्ट का उपयोग करना चाहिए । यातायात पुलिस पन्ना द्वारा बताया गया कि यातायात नियम आपकी और आपके प्रियजनों की सुरक्षा के लिए बनाए गए हैं । सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों में हेलमेट न पहनना एक प्रमुख कारण है । आप लोंगों से अपील है कि,वे अपनी जिम्मेदारी समझें और हेलमेट को सुरक्षा कवच के रूप में अपनाएं और अपनी परिवार के अन्य लोंगों को भी सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करने में मदद करें ।

136.56 लाख की लागत से मठ्या तालाब के सौंदर्यीकरण का भूमिपूजन

पूरे शहर के तालाबों का सौंदर्यीकरण का लक्ष्य : बृजेन्द्र प्रताप सिंह

जागरण, पन्ना । नगर पालिका परिषद पन्ना द्वारा आयोजित कार्यक्रम में वार्ड क्रमांक 19 स्थित मठ्या तालाब के सौंदर्यीकरण, संरक्षण एवं विकास कार्य का विधिवत भूमिपूजन किया गया। लगभग ?136.56 लाख की लागत से होने वाले इस कार्य का शुभारंभ पूर्व मंत्री एवं पन्ना विधायक बृजेन्द्र प्रताप सिंह द्वारा किया गया। कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष मीना विष्णु पाण्डेय, जनप्रतिनिधिगण, नगर पालिका अधिकारी एवं बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक बृजेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि पन्ना नगर में विकास कार्य अब व्यापक स्तर पर योजनाबद्ध तरीके से किए जा रहे हैं। उन्होंने विशेष रूप से शहर की जल संरचनाओं के संरक्षण पर जोर देते हुए कहा कि बेनी सागर तालाब के बाद अब मठ्या तालाब का उन्नयन और सौंदर्यीकरण किया जा रहा है, और आने वाले समय में पूरे पन्ना नगर के सभी प्रमुख तालाबों को एक समग्र योजना के तहत विकसित कर संवारा जाएगा। उन्होंने कहा कि तालाब पन्ना की ऐतिहासिक और पर्यावरणीय पहचान हैं, जिनका संरक्षण शहर के भविष्य के लिए अत्यंत आवश्यक है।अपने विस्तृत उद्बोधन में उन्होंने पन्ना जिले में हो रहे बड़े विकास कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में मेडिकल कॉलेज, एग्रीकल्चर कॉलेज और खोरा महाविद्यालय जैसे संस्थान युवाओं के भविष्य को नई दिशा दे रहे हैं। वहीं अजयगढ़ 220 केवीए पावर स्टेशन के माध्यम से बिजली व्यवस्था को मजबूत किया जा रहा है, जिससे क्षेत्र में औद्योगिक और कृषि गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने सड़क और यातायात व्यवस्था को लेकर कहा कि पन्नाङ्कपहाड़ीखेरा रोड का उन्नयन, नहर पट्टी सड़क निर्माण जैसे कार्य तेजी से किए जा रहे हैं। साथ ही शहर के चारों ओर एलिवेटेड रोड और बाईपास रिंग रोड निर्माण की योजना पर भी कार्य किया जाएगा, जिसमें सतना-छतरपुर मार्ग पर बाईपास निर्माण विशेष रूप से महत्वपूर्ण रहेगा। इससे शहर को यातायात दबाव से राहत मिलेगी और आवागमन अधिक सुगम होगा। बृजेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा की खोराङ्कभदैया पुल, नहरानहरी पुल, बिलहरी घाट पुल, जमुनिहाङ्कशेहा बांध और बड़खेरा बांध जैसी परियोजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि ये कार्य क्षेत्र के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं, खासकर किसानों और ग्रामीण अंचल के लोगों को इसका सीधा लाभ मिलेगा।पन्ना विधायक बृजेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि मठ्या तालाब का सौंदर्यीकरण केवल एक निर्माण कार्य नहीं, बल्कि पन्ना नगर को स्वच्छ, सुंदर और पर्यावरणीय रूप से संतुलित बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। इस परियोजना से न केवल तालाब का संरक्षण होगा, बल्कि आसपास के क्षेत्र का समग्र विकास भी सुनिश्चित होगा और नागरिकों को बेहतर सार्वजनिक सुविधाएं मिलेंगी। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं नागरिकों ने इस पहल को पन्ना के समग्र विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताते हुए विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले समय में शहर के सभी तालाबों का इसी तरह संरक्षण एवं सौंदर्यीकरण कर पन्ना को एक सुंदर, व्यवस्थित और आकर्षक नगर के रूप में विकसित किया जाएगा।

नारायण मुक्तिधाम का होगा कायाकल्प

जागरण, सतना। समाजसेवी संस्था सिन्धु विकास समिति द्वारा संत समाज के सानिध्य में जन सहयोग से रीवा रोड स्थित श्री नारायण मुक्तिधाम का नवनिर्माण विस्तार एवं जीणोद्धार का कार्य किया जा रहा है मुक्तिधाम के सौंदर्यकरण एवं अन्य निर्माण कार्य के लिए 30 अप्रैल गुरुवार को संरक्षक गोपी गेलानी अध्यक्ष विनोद गेलानी महामंत्री घनश्याम मंघरानी ने महापौर योगेश ताम्रकार से मिलकर पत्र सौंपा संस्था के मंत्री संजय वाधवानी ने बताया महापौर को पत्र सौंप कर दोनों मुखाग्नि स्थल का रिनोवेशन खाली पडी भूमि पर पेवर ब्लाक लगवाने एवं पार्किंग में शेड बनवाने की मांग की। महापौर जी ने अति शीघ्र मुक्तिधाम का अवलोकन कर निर्माण कार्य में सहयोग करने का आश्वासन दिया।

प्रांतीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता में रीवा के खिलाड़ियों ने जीते 9 स्वर्ण पदक

जागरण, रीवा। अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान द्वारा 27, 28 और 29 अप्रैल 2026 को आयोजित प्रांतीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता में रीवा के खिलाड़ियों ने 9 स्वर्ण पदक जीते। इतना ही नहीं 4 छात्रों का चयन क्षेत्रीय स्तर पर किया गया है। निराला नगर के खिलाड़ियों ने अपने कौशल और प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए पूरे प्रांत में गौरव बढ़ाया है। इस प्रतियोगिता में सरस्वती निराला नगर स्कूल के छात्रों ने शानदार प्रदर्शन किया कर जिले का नाम गौरवांन्वित किया है। प्रतियोगिता में निराला नगर से कुल 5 खिलाड़ियों (2 बहनों और 3 भैया) ने प्रतिभाग किया था। कड़े संघर्ष और उत्कृष्ट खेल भावना का परिचय देते हुए इनमें से 2 बहनों और 2 भैया का चयन आगामी क्षेत्रीय प्रतियोगिता के लिए हुआ है।

मौत से जंग जीतकर ढाई साल के मासूम दिव्यांश को मिला नया जीवन

रीवा। मिनर्वा हॉस्पिटल ने ढाई साल के मासूम दिव्यांश को मौत के मुंह से वापस लाकर नया जीवन दिया। जिस उम्र में बच्चे खिलखिलाकर खेलते हैं, उस उम्र में दिव्यांश हर सांस के लिए संघर्ष कर रहा था। जन्म से ही उसके दिल में छेद था, सीने में गंभीर संक्रमण और घाव था। परिजन चिंतित थे। मां विद्योत्मा व पिता मनोज कुमार जोगी आस लेकर मिनर्वा हॉस्पिटल पहुंचे। यहां डॉक्टरों ने बच्चे की हालत देखते ही तुरंत इलाज शुरू किया। डॉ धर्मेश एवं डॉ विधि के नेतृत्व में विशेषज्ञ टीम ने इस कठिन चुनौती को स्वीकार किया। डॉक्टरों की विशेषज्ञता, आधुनिक तकनीक और अटूट समर्पण ने आखिरकार जीत दर्ज की। सर्जरी के बाद दिव्यांश को तुरंत 24/7 क्रिटिकल केयर यूनिट में निगरानी में रखा गया। जिस बच्चे की सांसें टूटने लगी थीं, वही अब मुस्कुराने लगा। डिस्चार्ज के समय मां ने बेटे को सीने से लगाया और भावुक होकर कहा कि हमने उम्मीद छोड़ दी थी, लेकिन यहां डॉक्टरों ने भगवान बनकर हमारे बच्चे को नया जीवन दे दिया।

मिनर्वा अस्पताल के डॉक्टरों ने किया हार्ट का ऑपरेशन

81 जोड़ों ने थामा एक-दूजे का हाथ, सामूहिक विवाह में दिखी परंपरा और समरसता की झलक

जागरण, रामनगर,। पंचायत क्षेत्र रामनगर में शुक्रवार को मुख्यमंत्री सामूहिक कन्या विवाह एवं निकाह योजना के अंतर्गत आयोजित समारोह में 81 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे। वैदिक मंत्रोच्चारण और पारंपरिक रीति-रिवाजों के बीच संपन्न हुए इस आयोजन में सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक परंपराओं की सजीव झलक देखने को मिली। कार्यक्रम स्थल पर सजे-धजे वर-वधु और उनके परिजनों की मौजूदगी से माहौल उत्सव जैसा बना रहा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सांसद गणेश सिंह शामिल हुए, जबकि अध्यक्षता अमरपाटन विधायक एवं पूर्व विधानसभा उपाध्यक्ष राजेन्द्र कुमार सिंह ने की। विशिष्ट अतिथि के तौर पर जिला पंचायत अध्यक्ष रामखेलावन कोल और पूर्व मंत्री रामखेलावन पटेल सहित अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। अतिथियों ने नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद देते हुए उनके सुखद दांपत्य जीवन की कामना की और कहा कि इस तरह के आयोजन समाज में समानता और सहयोग की भावना को मजबूत करते हैं। समारोह की व्यवस्थाएं जनपद पंचायत रामनगर की मुख्य कार्यपालन अधिकारी भारती दीक्षित के नेतृत्व में सुव्यवस्थित ढंग से संचालित की गईं। प्रशासनिक स्तर पर भी आयोजन की सतत निगरानी रही और व्यवस्थाओं को लेकर किसी प्रकार की अव्यवस्था सामने नहीं आई। एसडीएम एसपी मिश्रा ने भी कार्यक्रम में पहुंचकर नवदंपतियों को आशीर्वाद दिया और आयोजन की सराहना की। समारोह में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे, जिन्होंने व्यवस्थाओं को सुचारु बनाए रखने में अपनी भूमिका निभाई। आयोजन के माध्यम से आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के परिवारों को राहत मिली और एक ही मंच पर विवाह संपन्न होने से सामाजिक एकता का संदेश भी गया। पूरे कार्यक्रम के दौरान अनुशासन और गरिमा का वातावरण बना रहा, जिससे यह आयोजन क्षेत्र में चर्चा का विषय बना रहा।

खरीदी केंद्रों पर संसाधनों की कमी न रहे, कलेक्टर ने दिए सख्त निर्देश

जागरण, मैहर। रबी विपणन वर्ष 2026-27 की तैयारियों को लेकर जिले के सभी खरीदी केंद्रों में व्यवस्थाएं दुरुस्त करने के निर्देश जारी किए गए हैं। कलेक्टर बिदिशा मुखर्जी ने साफ किया है कि किसानों को समर्थन मूल्य पर उपज बेचने में किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए केंद्रों पर जरूरी संसाधन समय पर उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए। खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के दिशा-निर्देशों के तहत प्रत्येक खरीदी केंद्र पर कंप्यूटर सिस्टम, बायोमैट्रिक मशीन, यूपीएस और सुचारु विद्युत कनेक्शन की व्यवस्था अनिवार्य की गई है। इसके साथ ही किसानों के लिए पेयजल और बैठने की समुचित सुविधा उपलब्ध कराने पर भी जोर दिया गया है, ताकि खरीदी प्रक्रिया के दौरान किसी तरह की असुविधा न हो। कलेक्टर ने उपायुक्त सहकारिता, जिला सहकारी केंद्रीय बैंक और संबंधित विभागों को निर्देशित किया है कि वे सभी केंद्रों का निरीक्षण कर आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करें। साथ ही प्रचार-प्रसार सामग्री भी पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध कराई जाए, जिससे किसानों को खरीदी प्रक्रिया और नियमों की जानकारी समय पर मिल सके। प्रशासन ने संकेत दिए हैं कि व्यवस्थाओं में लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की जाएगी। खरीदी केंद्रों पर व्यवस्थाएं सुदृढ़ होने से किसानों को राहत मिलेगी और उपज खरीदी की प्रक्रिया सुचारु रूप से संचालित हो सकेगी।

जल संवर्धन अभियान के अंतर्गत संगोष्ठी का हुआ आयोजन

जागरण,रीवा। शासकीय स्नातक महाविद्यालय गुढ़ में गंगाजल संवर्धन अभियान के अंतर्गत एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय की प्रभारी प्राचार्य रेखा मिश्रा की विशेष उपस्थिति रही। कार्यक्रम के संयोजक डॉ.अमित मिश्रा के नेतृत्व में गंगा जल संवर्धन विषय पर विचार प्रस्तुत किए गए। अपने उद्बोधन में उन्होंने गंगा मां को जीवनदायिनी एवं मुक्ति की देवी के रूप में वर्णित किया। कार्यक्रम में प्रभारी प्राचार्य रेखा मिश्रा द्वारा गंगा संवर्धन के संबंध में गंगाजल को संरक्षित करने, जल की उपयोगिता को समझने तथा जल को संचित करने के विषय में महत्वपूर्ण सुझाव एवं आशीर्वचन दिए गए। उन्होंने भविष्य में ऐसे कार्यक्रमों के निरंतर आयोजन के लिए प्रेरित भी किया। डॉ.व्यास नारायण मिश्र ने गंगा जल संवर्धन की उपयोगिता एवं इसके महत्व पर प्रकाश डालते हुए वाटर हार्वेस्टिंग के संदर्भ में विस्तारपूर्वक अपने विचार प्रस्तुत किए। डॉ.रामेश्वर सिंह ने वॉटर ट्रीटमेंट प्लांटए जल संरक्षण की तकनीकों, टीडीएस की मात्रा तथा गंगा जल संकट से निपटने के उपायों पर विस्तृत चर्चा की। कार्यक्रम का संचालन डॉ. श्रीराम द्विवेदी द्वारा किया गया। अंत में आभार प्रदर्शन डॉ.संदीप कपूर द्वारा किया गया।

दैनिक जागरण
सतना जागरण
रीवा, 02 मई , 2026
www.dainikjagranmpcg.com

रामपुर बाघेलान में जनगणना 2027 की हुई शुरुआत

सतना। जनगणना 2027 के प्रथम चरण के अंतर्गत सतना जिले के रामपुर बाघेलान क्षेत्र में व्यापक स्तर पर मकान सूचीकरण एवं गणना कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। यह कार्य ब्लॉक-4, वार्ड क्रमांक 3 से फोनिक्स मैरिज गार्डन से शुरू किया गया। शासन द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुसार हल्का भरहटा में हाउस लिस्टिंग एवं बिल्डिंग कार्य अंतर्गत 272 एवं 273 भवनों का सर्वे कार्य पूर्ण कर लिया गया है।

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के लिए मल्टी-टियर मॉनिटरिंग टास्क फोर्स का गठन

सतना। मध्यप्रदेश शासन ने सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के परिपालन में प्रदेश में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2026 के प्रभावी क्रियान्वयन और माइक्रो-लेवल मॉनिटरिंग के लिए मल्टी-टियर मॉनिटरिंग टास्क फोर्स समितियों का गठन किया है। सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा अपशिष्ट प्रबंधन की निगरानी के लिए चार स्तर पर समितियों का गठन किया गया है। संभाग स्तरीय समिति के अध्यक्ष संभागीय आयुक्त होंगे। संभाग के संबंधित जिलों के कलेक्टर, जिला पंचायत के सीईओ, नगरीय निकायों के आयुक्त/मुख्य नगरपालिका अधिकारी और महापौर/अध्यक्ष सदस्य के रूप में शामिल रहेंगे।

चाकू मारकर युवक की हत्या

शादी समारोह के दौरान खाने.पीने को लेकर हुआ विवाद

रास्ते में घेरकर मारा

जागरण सतना

चाकू मारकर युवक की हत्या का सनसनी खेज मामला सामने आया है। घटना के बाद क्षेत्र में सनाका खिंच गया। जानकारी लगते ही कोठी थाना प्रभारी संतोष तिवारी और एफएसएल टीम मौके पर पहुची व जांच पड़ताल के पश्चात आरोपियों की तलाश शुरू कर दी। मृतक की पहचान गौरा मेदनीपुर निवासी रोहित डोहर पुत्र रामलाल डोहर उम्र 24 वर्ष के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार रोहित रनेही गांव में एक शादी समारोह में शामिल होने आया था। इसी दौरान खाने.पीने को लेकर उसका हलवाई सतीश डोहर से विवाद हो गया।

घर लौटते वक्त हुई घटना

पुलिस के मुताबिक विवाद के बाद जब रोहित अपने गांव लौट रहा था तभी आरोपी सतीश ने अपने साथियों के साथ मिलकर उस पर चाकू से हमला कर दिया। हमले में रोहित गंभीर रूप से घायल हो गया। आरोपी उसे लहूलुहान हालत में छोड़कर मौके से भाग निकले। वहां मौजूद लोगों ने रोहित डोहर को उपचार के लिए तत्काल कोठी अस्पताल पहुंचाया। हालांकि डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना गुरुवार शुक्रवार की दरमियानी रात की बताई जा रही है । खबर लिखे जाने तक कोठी थाना प्रभारी अपने अमले के साथ आरोपियों की तलाश में जुटे हुए थे। उम्मीद है कि जल्द ही सभी आरोपियों को पुलिस दबोच लेगी।

दबे, कुचले, शोषित, वंचित समाज को आर्थिक, सामाजिक, राजनैतिक भागेदारी दिलाना पार्टी का मुख्य उद्देश : मान सिंह

जागरण सतना। अपना दल एस के प्रदेश अध्यक्ष बने मान सिंह बिसेन कहा कि समाज में दबे, कुचले, शोषित, वंचितो को आर्थिक सामाजिक राजनैतिक भागेदारी दिलाना पार्टी का मुख्य उद्देश है। उन्होने कहा कि वे अपना दल यस के जिला युवा प्रभारी फिर युवा जिला अध्यक्ष फिर जिला अध्यक्ष प्रदेश प्रभारी प्रदेश सचिव प्रदेश प्रवक्ता युवा प्रदेश अध्यक्ष इसके बाद अब प्रदेश अध्यक्ष बना हूँ। यह मेरा सफर 1997 से शुरू हुआ संघर्ष जारी रहा उतार.चढ़ाव आये आज मैं अपना दल यस की राष्ट्रीय अध्यक्ष अनुप्रिया पटेल केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण उर्वरक एवं रसायन राज्यमंत्री ने मुझे जो दायित्व दिया है मैं उसे सामाजिक न्याय के आन्दोलन को आगे बढ़ाने का कार्य करूंगा। मेरे पार्टी का उद्देश्य अपना दल के स्थापना काल से ही देश मे दबे कुचले शोषित वंचित समाज को आर्थिक सामाजिक राजनैतिक, भागेदारी दिलाने के उद्देश्य से हुआ है। हमारी पार्टी के स्थापना काल से ही हम लोग जातिगत जनगणना की बात एक समान शिक्षा व्यवस्था की बातए वोटर पेशन की बात विदेशो से

काला धन लाने की बात और जिसकी जितनी संख्या भारी उसकी उतनी हिस्सेदारी की बात करते आ रहे हैं। अनुप्रिया पटेल ने सामाजिक और व्यवस्था परिवर्तन की बात को सड़क से संसद तक लगातार उठाती रही हैं। इस दौरान राष्ट्रीय महा सचिव एवं मध्यप्रदेश प्रभारी आरबी सिंह पटेल, राष्ट्रीय सचिव कालिका प्रसाद पटेल , राष्ट्रीय सचिव राजेश पटेल , सूर्यभान सिंह, सीता शरण सिंह, प्रो. आर डी सिंह, यमूना सिंह, देवेन्द्र सिंह, डीपी पटेल, विजय पटेल, सुखेन्द्र सिंह , मनभरण कोल, राजेन्द्र वर्मा, रावेन्द्र सिंह, नरेन्द्र सिंह, संजय सिंह, सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

आम जनता की समस्याओं को निराकृत करना पहली प्राथमिकता : सुभाष मिश्रा

जागरण सतना। अनुविभागीय दंडाधिकारी सुभाष मिश्रा ने रामपुर बघेलान तहसील का पदभार संभाला है जिस पर रूबरू होते हुए उन्होंने कहा कि बुद्ध पूर्णिमा के पावन अवसर पर उन्होंने पदभार ग्रहण किया है साथ ही उन्होंने कहा कि क्षेत्र की जनता की समस्या का त्वरित निराकरण करना जनगणना के कार्य को पूरी गंभीरता के साथ करना आगजनी की गटनाओं पर अंकुश लगाने के साथ राजस्व न्यायालय में पेंडिंग प्रकरणों का शीघ्र निराकरण करने में विशेष ध्यान आकर्षित करेंगे। वहीं स्लाट बुकिंग में हो रही समस्याओं को टेक्निकल टीम की सहायता से सुलझाने के साथ गेंहू उपार्जन केंद्र जो झंड गाँव के खेल मैदान में संचालित है उसे जनता की सुविधा अनुसार शिफ्ट करने की बात कही।

भाजपा जिलाध्यक्ष ने ली मण्डलों की संगठनात्मक बैठक

सतना। भाजपा जिलाध्यक्ष पं भगवती प्रसाद पांडे ने शुक्रवार 1 मई को रैगांव विधानसभा क्षेत्र के कोठी एवं चित्रकूट विधानसभा क्षेत्र के मझगंवा एवं चित्रकूट में मण्डलों की संगठनात्मक बैठकें लेकर आगामी कार्यक्रमों को लेकर पार्टी कार्यकर्ताओं से महत्वपूर्ण चर्चा की । भगवती प्रसाद पांडे ने पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि पार्टी पदाधिकारियों का संगठनात्मक प्रवास भाजपा की कार्यसंस्कृति का महत्वपूर्ण हिस्सा है । यह प्रक्रिया संगठन की जड़ों को मजबूत करने कार्य की गति को तीव्र बनाने एवं पार्टी कार्यकर्ताओं में ऊर्जा का संचार करने का एक सशक्त माध्यम है । उन्होंने कहा कि पार्टी को बूथ स्तर तक मजबूती प्रदान करने के लिए सभी पदाधिकारियों को अपनी महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करना चाहिए । भाजपा जिलाध्यक्ष ने कहा कि ये बैठकें केवल मण्डल स्तर तक सीमित नहीं रहेंगी बल्कि ये बैठकें शक्ति केंद्रों से लेकर बूथ स्तर तक होंगी।

नियुक्त किये मंडल प्रभारी

जिला मीडिया प्रभारी अतुल सिंह परिहार ने जानकारी देते हुए बताया कि नियुक्त किये गए मण्डल प्रभारी अपने.अपने प्रभार वाले मण्डलों में मण्डल अध्यक्षों एवं पार्टी के ज्येष्ठ श्रेष्ठ कार्यकर्ताओं से संपर्क स्थापित कर पार्टी के संगठनात्मक कार्यों को गति प्रदान करेंगे । चित्रकूट रामपाल यादव मझगंवा पंकज सिंह परिहार बरौंधा डॉ गौरव सिंह गहरवार जैतवारा ऋषभ सिंह बिरसिंहपुर शांतिस्वरूप अग्रवाल कोठी संतोष गौतम रैगांव मनीष प्रताप सिंह भरजुना ममता पांडे सिंहपुर श्रीकृष्ण द्विवेदी सेमरवारा ध्रुवराज सिंह अटलबिहारी वाजपेयी राजेश नामदेव कुशाभाऊ ठाकरे बाबूलाल सिंह पटेल श्यामा प्रसाद मुखर्जी शिवकुमार त्रिपाठी पं दीनदयाल उपाध्याय रामबेटा पांडे बाबूपुर यशवंत पांडे नागौद धर्मेंद्र सिंह बेबीराजा जसो राम सहाय गौतम अटरा वसुंधरा सिंह परसमानिया बालेन्द्र गौतम उंचेहरा कार्तिकेय द्विवेदी भरहुत विपिन चतुर्वेदी रामपुर बघेलान अशोक गुप्ता छिबौरा हरीश अग्रवाल मौहारी कटरा अभिषेक दत्त पांडे सज्जनपुर विजय तिवारी कोटर परशुराम गुप्ता को प्रभारी बनाया गया है ।

नगर निगम का भव्य आयोजन 104 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे

ई-रिक्शा से निकली बारात ने दिया पर्यावरण का संदेश

जागरण सतना। नगर निगम द्वारा आयोजित मुख्यमंत्री सामूहिक कन्या विवाह निकाह योजना के अंतर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय व्यंकट क्रमांक.02 परिसर में आज एक भव्य गरिमामय एवं सुव्यवस्थित समारोह में 104 जोड़ों का विवाह वैदिक मंत्रोच्चार एवं धार्मिक रीति.रिवाजों के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर पूरे शहर में उत्सव जैसा माहौल देखने को मिला और आयोजन स्थल पर उल्लास उमंग एवं सामाजिक समरसता की भावनाएं स्पष्ट रूप से झलकती रहीं। वेंकटेश मंदिर से कार्यक्रम स्थल शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, व्यंकट क्रमांक.02 तक पर्यावरण संरक्षण के संदेश के साथ ई.रिक्शा द्वारा भव्य बारात निकाली गई जिसने आयोजन को विशिष्ट पहचान देते हुए हरित पहल का सशक्त संदेश दिया।

राज्यमंत्री रहीं मुख्य अतिथि

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिमा बागरी राज्यमंत्री नगरीय आवास एवं विकास विभाग मध्यप्रदेश शासन एवं गणेश सिंह सांसद लोकसभा क्षेत्र सतना की गरिमामयी उपस्थिति रही।महापौर योगेश कुमार ताम्रकार स्पीकर राजेश चतुर्वेदी भाजपा जिलाध्यक्ष भगवती पाण्डेय आयुक्त डॉ शेर सिंह मीना उपायुक्त सत्यम मिश्रा अधीक्षण यंत्री एस के सिंह एवं योजना प्रभारी अनिल त्रिपाठी के साथ निगम के अधिकारी कर्मचारी द्वारा अपने कर्तव्यों का कुशल निर्वहन किया गया।

अतिथियों ने उज्ज्वल दाम्पत्य जीवन का दिया आशीर्वाद

महापौर योगेश कुमार ताम्रकार के कुशल नेतृत्व एवं आयुक्त डॉ शेर सिंह मीना के प्रभावी मार्गदर्शन में कार्यक्रम का सफल संचालन सुनिश्चित किया गया। निगम प्रशासन की सुदृढ़ व्यवस्थाओं सुनियोजित प्रबंधन एवं समन्वित प्रयासों से पूरा आयोजन शांतिपूर्ण व्यवस्थित एवं गरिमापूर्ण ढंग से सम्पन्न हुआ। अतिथियों ने नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद देते हुए उनके सुखद एवं उज्ज्वल दांपत्य जीवन की कामना की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना केवल एक सामाजिक कार्यक्रम नहीं बल्कि आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए सम्मान सुरक्षा और सहयोग का सशक्त माध्यम है। समारोह के अंत में नवदम्पत्तियों को शासन की ओर से निर्धारित सहायता राशि एवं उपहार प्रदान किए गए। यह आयोजन 104 परिवारों के जीवन में नई खुशियों का संचार करने के साथ.साथ सामाजिक सहयोग समरसता एवं पर्यावरण जागरूकता का सशक्त संदेश देने वाला प्रेरणादायी उदाहरण बनकर सामने आया।

अग्नि पीड़ित आदिवासी परिवारों के बीच पहुंचकर सांसद ने बांटी राहत सामग्री

जागरण सतना। हाल ही में हुई रामपुर विधानसभा क्षेत्र के कोटर अंतर्गत आदिवासी बस्ती हनुमान नगर वार्ड नंबर 2 में आगजनी की घटना से प्रभावित परिवारों के बीच शुक्रवार को सांसद गणेश सिंह दोबारा पहुंचकर पीड़ित परिवारों को हर संभव सहायता का भरोसा दिलाया। सांसद गणेश सिंह ने यूथ हेल्पिंग हैंड संस्था सतना एवं उत्थान सेवा फाउंडेशन सतना के सहयोग से अग्नि पीड़ित परिवारों को सभी तरह की सामग्री जिसमें सभी को कपड़े, बर्तन, खाद्य सामग्री, बिस्तर, दैनिक उपयोग की वस्तुएं एवं अन्य आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराई, पीड़ित परिवारों के पास सिर्फ बदन में जो कपड़े थे उसके अलावा कुछ नहीं बचा था सांसद श्री सिंह उन सभी परिवारों के पास तत्काल जरूरत की सामग्री उपलब्ध कराने स्वयं पहुंचे और उस भावुक क्षण में बच्चों और उनके पूरे परिवार में एक उत्साह देखा श्री सिंह ने सबको कहा है कि निराश होने की जरूरत नहीं है अपना और अपने बच्चों का ख्याल रखें, मै और मेरी सरकार पूरी तरह से उनके साथ हैंए उन्होंने कहा कि इस कठिन समय में प्रशासन एवं समाज सभी मिलकर पीड़ितों के साथ हैं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि आग से हुए नुकसान का शीघ्र सर्वे कराया जाए और पीड़ित परिवार को शासन की योजनाओं के तहत उचित मुआवजा दिलाया जाए। सांसद ने कहा कि मै मुख्यमंत्री को भी अग्नि पीड़ित परिवारों को सहायता देने के लिए उनसे आग्रह करूंगा और फिर आपकी गृहस्थी बसे खुशीहाली आए ऐसा प्रयास करूंगा।

महिला सिलाई प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित

जागरण सतना। इंडियन बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान सतना द्वारा संचालित 31 दिवसीय निःशुल्क महिला सिलाई प्रशिक्षण कार्यक्रम का 1 मई को समापन कार्यक्रम संपन्न किया गया। समापन कार्यक्रम मे आरसेटी निदेशक समीर सुनील दत्त टोप्पो एवं समस्त आरसेटी स्टॉफके साथ महिला सिलाई प्रशिक्षणार्थी भी उपस्थित रहे। निदेशक ने सभी महिला सिलाई प्रशिक्षणार्थीयों को आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया और उनका उत्साह बढ़ाया। कार्यक्रम में आरसेटी संकाय सुखेंद्र प्रसाद एवं सत्य कुमार सहित समस्त स्टाफ उपस्थित रहे। एवं सभी ने प्रशिक्षणार्थियों को जिंदगी में आगे बढ़ते रहने एवं अपना स्वरोजगार स्थापित करने हेतु प्रेरित किया।

कलेक्टर ने स्वास्थ्य, पोषण और पेयजल व्यवस्थाओं का किया निरीक्षण

जागरण सतना। कलेक्टर डॉ सतीश कुमार एस ने शुक्रवार को मझगवां क्षेत्र के दूर-दराज अंचल के ग्रामों का सघन भ्रमण कर विभिन्न शासकीय व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने स्वास्थ्य एवं पोषण सेवाओं, गेहूं उपार्जन केंद्रों तथा पेयजल व्यवस्था से जुड़ी मैदानी गतिविधियों का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस अवसर पर एसडीएम महिपाल गुर्जर, तहसीलदार, जनपद पंचायत के सीईओ सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। भ्रमण के दौरान कलेक्टर ने गढ़ी घाट ग्राम पंचायत में पेयजल समस्या का संज्ञान लेते हुए शीघ्र समाधान के निर्देश दिए। कलेक्टर ने हिरौदी में अति कम वजन वाले बच्चे की स्थिति की जानकारी लेकर स्वास्थ्य विभाग को समुचित उपचार एवं निगरानी सुनिश्चित करने को कहा। इसके अलावा रामनगर खोखला मलगोसा पंचायत क्षेत्र का भी निरीक्षण कर जमीनी व्यवस्थाओं का आंकलन किया गया। कलेक्टर ने मझगवां गेहूं मंडी एवं सहकारी समिति मझगवां में गेहूं उपार्जन कार्य की प्रगति की समीक्षा करते हुए पारदर्शिता एवं सुचारू संचालन के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने पोषण पुनर्वास केंद्र मझगवां का भी अवलोकन किया गया।

जागरण पब्लिकेशन प्रा. लिमि. के लिए मुद्रक/प्रकाशक मदन मोहन गुप्ता द्वारा दैनिक जागरण प्रेस गांधी नगर उर्रहट रीवा (म.प्र.)से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादकः **मदन मोहन गुप्ता।** आर.एन.आई. नं- 1505/57, डाक पंजीयन क्र.- रीवा संभाग 04 /म.प्र. संस्थापक **स्व. गुरुदेव गुप्त**
कार्यालय:- मोबाइल नं रीवा- 9098357869, 9425018958 **सतना** - 9993315949 **सीधी**-7089620900 **सिंगरौली**-9424652999 E-mail: rewajagrannew2015@gmail.com